राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 59
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार 13 सितंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यों की व्याख्या करती किताब मोदी 20 पर की विस्तृत चर्चा

पेज 5 सोनौली बार्डर पर कार में मिली 73 लाख रुपए नेपाली करेंसी, कस्टम कर रही जांच

पेज 7 हमारे यहां तो खाने की भी किल्लत हो गई है... पाक पीएम शहबाज शरीफ ने तुर्की से की मदद की गुहार

गैंगस्टर्स के ठिकानों पर एनआईए के छापे

दिल्ली-एनसीआर , हरियाणा और पंजाब पहुंची टीमें, लॉरेंस और ताजपुरिया गैंग के गैंगस्टर्स की तलाश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सोमवार को देशभर में गैंगस्टर्स के करीब 60 ठिकानों पर छापे मारे। एनआईए की टीमें दिल्ली, NCR, हरियाणा और पंजाब में कई ठिकानों में पहुंची हैं। यहां गैंगस्टर्स की तलाश की जा रही है। एनआईए के पास इनपुट्स हैं कि कई गैंगस्टर्स का कनेक्शन टेरर ग्रुप्स से है। एनआईए ने कहा है कि इन छापों का मूसेवाला मर्डर केस की जांच से कोई संबंध नहीं है।

एनआईएका कहना है कि कुछ टॉप गैंग्स को रडार पर लिया गया है, जो भारत में ही ऑपरेट हो रही हैं या फिर उनके गुर्गे विदेश से आतंकवाद को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। हाल ही में हरियाणा और पंजाब के पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर एनआईए ने बैठक की थी।

एनआईए ने इस केस में नीरज बवाना, लॉरेंस बिश्नोई और ताजपुरिया गैंग से जुड़े लोगों की लिस्ट तैयार की है। एजेंसी का कहना है कि कुछ गैंगस्टर्स जेलों से भी ऑपरेट कर रहे हैं।

सभी गैंगस्टर्स के आतंकियों से कनेक्शन का शक

केंद्रीय गृह मंत्रालय को शक है कि इन सभी गैंगस्टर्स के आतंकियों से कनेक्शन हैं। इन्हें सीमा पार पाकिस्तान से हथियार मुहैया करवाए जा रहे हैं। मूसेवाला के मर्डर में भी पाकिस्तान से आए हथियार यूज होने का शक है। इसके अलावा यह भी संदेह है कि आतंकियों के कहने पर यह देश में माहौल खराब कर सकते हैं और भारत में टारगेट किलिंग कर सकते हैं। सरकार ने इन संगठनों को आतंकी की लिस्ट में डाला है।

एजेंसी ने उत्तर भारत में करीब 60 ठिकानों पर छापेमारी की है। नारको टेररिज्म, हथियार तस्करी और गैंग वॉर पर लगाम कसने के लिए यह कार्रवाई की गई है। एनआईए के सूत्रों ने बताया कि अवैध गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए यह सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है।

मई में हुआ मूसेवाला का मर्डर, 24 कातिलों के खिलाफ चार्जशीट

मूसेवाला का 29 मई को मानसा के गांव जवाहरके में कत्ल कर दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने 24 कातिलों के खिलाफ मानसा कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी है। इसमें एनकाउंटर में मारे शूटर मन्नू और रूपा का भी ब्यौरा है।

इसमें विदेश बैठे गैंगस्टरों में अब गोल्डी बराड़ और लिपिन नेहरा शामिल है। वहीं इस चार्जशीट में 166 गवाह बनाए गए हैं। मुंडी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस जल्द सप्लीमेंट्री चालान पेश करेगी।

ट्रेलर से टकराई बस, मां-बेटा सहित 7 की मौत

कोरबा में एनएच-130 पर हुआ हादसा, 12 से ज्यादा घायल

मुख्यमंत्री ने हादसे पर दुख व्यक्त किया

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कोरबा सुबह हुई दुर्घटना में सात लोगों की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिवारजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने इस घटना में मृतकों के परिवार जनों को आवश्यक सहयोग और घटना में घायलों के समुचित उपचार के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बघेल ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

एजेंसी

कोरबा। छत्तीसगढ़ के रायपुर से रेणुकूट जा रही बस सोमवार तड़के हादसे का शिकार हो गई। कोरबा में तेज रफ्तार बस सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से जा टकराई। हादसे में 7 यात्रियों की मौत हो गई है। इनमें दो बच्चे और 2 महिलाएं भी शामिल हैं। जबकि 12 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया है। अभी तक सभी मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। हादसा बांगो थाना क्षेत्र में हुआ है। जानकारी के मुताबिक, रॉयल्स ट्रांसपोर्ट की लग्जरी बस स्लीपर कोच देर रात रायपुर से रेणुकूट के लिए निकली थी। बताया जा रहा है कि तड़के करीब 4 बजे बस कोरबा के पौड़ी उपरेड़ा में नेशनल हाईवे-130 पर पहुंची थी कि मड़ई के पास सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। एक तरफ से बस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के दौरान लोग गहरी नींद में थे।

टक्कर होते ही चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने सुबह हादसा देखा तो पुलिस को सूचना दी। इसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। हालांकि हादसे में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। मृतकों में सीतापुर के घोंसू पंडरीपानी निवासी उषा लकड़ा (43) पत्नी अनिल कुमार लकड़ा, उनका 5 साल का बेटा रिलायंस लकड़ा, सीतापुर के चिड़ापारा निवासी अजय वरदान (40) और मैनपाट हाईस्कूल में टीचर सरगुजा के लुंड्रा निवासी रोहित सिंह (30) शामिल हैं।

सभी घायलों को एंबुलेंस से स्थानीय उप स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। वहां से गंभीर घायलों को जिला अस्पताल कोरबा रेफर किया जा रहा है।

इस दौरान एक और बच्चे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं स्क्वसंतोष सिंह ने बताया कि हादसे में कुल 3 लोग घायल हैं। जिसमें से एक सामान्य रूप से और दो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना सुबह 4 बजे के आसपास की है। समान रूप से घायल व्यक्ति का इलाज पौड़ी अस्पताल में चल रहा है जबकि गंभीर रूप से अन्य दो व्यक्ति कोरबा जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया है।

कैथल में मिला 1.5 किलो आरडीएक्स, अंबाला एसटीएफ ने कब्जे में लिया

कुरुक्षेत्र। हरियाणा में कैथल के गांव तितरम के पास देवबन कैंची चौक पर शाम को विस्फोटक पदार्थ मिला है। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। मधुबन से बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। सांकेतिक बोर्ड के नीचे पड़े डिब्बे से टीम पे 1.5 किलो आरडीएक्स, डिटेनेटोर और मैग्नेट बरामद किया। जिसे अंबाला स्त्रक्स ने कब्जे में ले लिया है। सूचना मिलते ही SP मकसूद अहमद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए थे। जींद और असंध के रास्ते को पुलिस ने सील कर दिया। आसपास के क्षेत्र में पुलिस ने की घेराबंदी रही। उनके साथ में डॉग स्कवायड भी रहा। SP मकसूद अहमद ने बताया कि उन्हें STF अंबाला से देवबन कैंची चौक के पास बम मिलने की सूचना मिली थी। वहां कोई संदिग्ध विस्फोटक पदार्थ हो सकता है।

कोविड टीकाकरण में 215.26 करोड़ से अधिक टीके लगे

नयी दिल्ली। देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 215.26 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक दो अरब 15 करोड़ 26 लाख 13 हजार 49 टीके दिये जा चुके हैं।

तीन महीनों की गिरावट के बाद अगस्त में बढ़ी रिटेल महंगाई

दाल-चावल और गेहूं के दाम बढ़ने से महंगाई 7 प्रतिशत पर पहुंची, जुलाई में 6.7 प्रतिशत रही थी

नई दिल्ली। अगस्त में रिटेल महंगाई तीन महीनों की गिरावट के बाद बढ़कर 7त्न हो गई। जुलाई में ये 6.7त्न थी। एक साल पहले यानी अगस्त 2021 में ये 5.30 प्रतिशत थी। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधारित रिटेल महंगाई दर के आंकड़े सोमवार को जारी किए गए।

खाने-पीने का सामान खास तौर पर दाल-चावल, गेहूं और सब्जियों की कीमतों के बढ़ने की वजह से महंगाई बढ़ी है। अगस्त में फूड इन्फ्लेशन 7.62 प्रतिशत हो गई जो जुलाई में 6.69 प्रतिशत थी। जून में 7.75 प्रतिशत रही थी। मई में यह 7.97 प्रतिशत और अप्रैल में 8.38 प्रतिशत थी।

रिटेल महंगाई दर लगातार 8 महीनों से RBI की 6 प्रतिशत की ऊपरी लिमिट के पार बनी हुई है। जनवरी 2022 में रिटेल महंगाई दर 6.01 प्रतिशत, फरवरी में 6.07 प्रतिशत, मार्च में 6.95 प्रतिशत, अप्रैल में 7.79 प्रतिशत, मई में 7.04त्न और जून में 7.01 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

महंगाई दर में बढ़ोतरी चिंताजनक

नाइट फ्रैंक इंडिया के रिसर्च डायरेक्टर विवेक राठी ने कहा, कच्चे तेल की कीमत में गिरावट के बावजूद अर्थव्यवस्था में महंगाई का स्तर ऊंचा बना हुआ है। फूड प्राइसेस में बढ़ोतरी और इंडियन करेंसी पर दबाव चिंता का कारण है। महंगाई के आंकड़े

अपकमिंग मॉनेटरी पॉलिसी की दिशा तय करेंगे। अब तक पिछले 5 महीनों में RBI महंगाई से निपटने के लिए तीन बार ब्याज दरें बढ़ा चुकी है।

महंगाई कैसे प्रभावित करती है?

महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए, यदि महंगाई दर 7 प्रतिशत है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 93 रुपए होगा। इसलिए महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी।

महंगाई कैसे बढ़ती-घटती है?

महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वह ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी।

इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी।

जुलाई में इंडस्ट्रियल ग्रोथ घटकर 2.4 प्रतिशत रह गई

इस बीच, इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन की मापी गई इंडस्ट्रियल ग्रोथ जुलाई में घटकर 2.4 प्रतिशत रह गई, जबकि जून में यह 12.3 प्रतिशत थी।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर आउटपुट 3.2 प्रतिशत बढ़ा। माइनिंग आउटपुट में 3.3 प्रतिशत की कमी आई, जबकि बिजली उत्पादन में 2.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

गवर्नमेंट हॉस्टल से 6 नाबालिग लड़कियां फरार

सिक्योरिटी गार्ड का दरवाजा बाहर से बंद किया; खिड़की को पत्थर से तोड़ा, ग्रिल तोड़ने मिली बाहरी मदद

मुंबई। मुंबई के गोवंडी इलाके में बने राजकीय बालिका विशेष पुनर्वास केंद्र से छह नाबालिग लड़कियां भाग गईं। घटना रविवार रात की है। लड़कियों ने भागने के लिए हॉस्टल बाथरूम में बनी सीमेंट की खिड़की को पत्थर से तोड़ दिया। इसके लिए सुबह 3 से 4 बजे का वक्त चुना। भागने से पहले उन्होंने सिक्योरिटी गार्ड के कमरे का दरवाजा को बाहर से बंद कर दिया, जिससे वह उनका पीछा न कर सके।

लड़कियों को मिली बाहरी मदद

पुलिस के मुताबिक किसी बाहरी शख्स ने इनकी भागने में मदद की है। क्योंकि उसी ने खिड़की के आगे लगी लोहे की ग्रिल को हटा दिया था। घटना

का पता चलते ही हॉस्टल रजिस्टर से पता लगाया गया कि कौन-कौन हॉस्टल में है या नहीं, इसके बाद इन 6 की पहचान की गई। पुलिस ने लड़कियों के मददगार अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ स्न्ढ्ढक्रदर्ज कर ली है।

मुंबई में अलग-अलग जांच एजेंसी मानव तस्करी, भिखारी गैंग जैसे अवैध काम करवाने वालों के खिलाफ काम करती है। ये लोग वहां से नाबालिग बच्चियों को रेस्क्यू करते हैं और गोवंडी के इसी हॉस्टल में रखते हैं। पुलिस इन लड़कियों का पता लगाने के लिए उसी जगह जांच करने वाली है जहां से उनका रेस्क्यू किया गया था। वहीं मददगार का पता लगाने पुलिस अलग-अलग सीसीटीवी फुटेज भी चेक कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट का सरकार को आदेश, 'जासूस' को 10 लाख का मुआवजा

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भारत के लिए पाकिस्तान में जासूसी के आरोप में वहां की जेल में 14 साल कैद रहने का दावा करने वाले 75 वर्षीय एक व्यक्ति को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश केंद्र सरकार को सोमवार को दिया।

मुख्य न्यायाधीश यू यू ललित और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट की पीठ ने मुआवजे का आदेश पारित करते हुए स्पष्ट किया कि अदालत उनके दावों पर अपना विचार व्यक्त नहीं कर रही, बल्कि इस मामले के समग्र दृष्टिकोण को देखते हुए याचिकाकर्ता को मुआवजे का भुगतान किया जाना चाहिए।

केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल विक्रमजीत बनर्जी ने महमूद अंसारी द्वारा दायर याचिका का जोरदार विरोध करते हुए कहा कि मुआवजे के निर्देश का मतलब उनके द्वारा किए गए दावों को स्वीकार करना होगा।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता समर विजय सिंह ने दलील देते हुए कहा कि वह (अंसारी) जून 1974 में रेल मेल सेवा में कार्यरत थे।

मादक पदार्थों की लत देश की प्रगति की राह में बड़ी बाधा : राजनाथ

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मादक पदार्थों की लत को देश की प्रगति की राह में बड़ी बाधा करार देते हुए लोगों विशेष रूप से युवाओं से इसके खिलाफ एकजुट होने और लड़ने की अपील की है।

सिंह ने सोमवार को यहां सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित एक समारोह 'एन इंटरेक्शन विद एनसीसी कैडेट्स एंड प्लेज अगेंस्ट ड्रग अब्यूज़' में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट्स और युवाओं के साथ बातचीत की। सभी 17 राज्य निदेशालयों से कैडेट एवं देश के विभिन्न हिस्सों से युवा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

रक्षा मंत्री ने नशीले पदार्थों की लत से लड़ने और इसको खत्म करने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे इसी पैमाने लड़ा जाना चाहिए जिस तरह से देश के क्रांतिकारियों ने स्वतंत्रता संग्राम

के लिए लड़ाई लड़ी और हमारी स्वतंत्रता सुनिश्चित की।

सिंह ने कहा, भारत दुनिया की महाशक्तियों में से एक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। लेकिन, कुछ सीमाएँ हैं जो हमें अपनी वास्तविक क्षमता को प्राप्त करने से रोक रही हैं। नशीली दवाओं की लत एक ऐसी ही बात है। तमाम खूबियों के बावजूद हमारा देश अभी तक विकसित देशों की कतार में खड़ा नहीं हो पाया है, क्योंकि यहां बहुत से लोग हैं, खासकर युवा, जो नशे की गिरफ्त में हैं। युवा देश का भविष्य हैं। वे राष्ट्र की आधारशिला हैं अगर उनका वर्तमान नशे में है तो उनके भविष्य का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। हमें अपनी आजादी के लिए ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई लड़ने की जरूरत है।

नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि यह न केवल समाज में कानून और व्यवस्था के रखरखाव पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी गतिविधियों को भी जन्म देता है।

सोनाली फोगाट मर्डर

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एजेंसी से की सिफारिश, गोवा सरकार ने लिखा था लेटर

सीबीआई करेगी सोनाली फोगाट मर्डर केस की जांच

नई दिल्ली। गोवा में हाई प्रोफाइल सोनाली फोगाट मौत मामले की जांच अब सीबीआई करेगी। सूत्रों के मुताबिक गृह मंत्रालय ने जांच की सिफारिश कर दी है। इससे पहले गोवा के सीएम ने भी सीबीआई जांच की बात कही थी। वहीं सोनाली फोगाट का परिवार भी लगातार सीबीआई जांच की मांग कर रहा था। रविवार को हिसार की एक धर्मशाला में इसी मांग को लेकर एक खाप पंचायत भी बुलाई गई थी जिसमें फोगाट की बेटी यशोधरा भी पहुंची थीं।

सोनाली फोगाट मामले की जांच गोवा पुलिस कर रही थी। हालांकि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल

खट्टर ने पहले ही कहा था कि मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि गोवा पुलिस की जांच से अगर परिवार संतुष्ट नहीं होगा तो यह केस सीबीआई को सौंप देना चाहिए। गोवा पुलिस की टीम पिछले कई दिनों से गुरुग्राम, नोएडा और अन्य जगहों पर जाकर सबूत जुटाने में लगी हुई थी। बता दें कि बीते 23 अगस्त तो सोनाली फोगाट की संदिग्ध परिस्थितियं में मौत हो गई थी। गोवा के अंजुना अस्पताल में उन्हें मृत लाया गया था। इस मामले में फोगाट के पीएम सुधीर सांगवान और एक अन्य

बता दें कि बीते 23 अगस्त तो सोनाली फोगाट की संदिग्ध परिस्थितियं में मौत हो गई थी। गोवा के अंजुना अस्पताल में उन्हें मृत लाया गया था। इस मामले में फोगाट के पीएम सुधीर सांगवान और एक अन्य शख्स को गिरफ्तार किया गया जिसने ड्रग्स देने की बात कबूल की है।

शख्स को गिरफ्तार किया गया जिसने ड्रग्स देने की बात कबूल की है। उन्होंने माना कि सोनाली को दो बार ड्रग्स दिया गया था। पहले बताया गया था कि उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है। बाद में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया ता कि उनके शरीर पर चोट थी। इस मामले में ड्रग तस्करी में शामिल तीन लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। सोनाली फोगाट के भतीजे विकास सिंघमार ने कहा था कि गोवा पुलिस पर राजनीतिक प्रभाव है इसलिए निष्पक्ष जांच नहीं हो पा रही है। वहीं सोनाली फोगाट की बेटी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग की थी।

देश में कोरोना संक्रमण के 5221 नये मामले आए, 5975 संक्रमित स्वस्थ हुए

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित 5,221 नये मामले सामने आने के साथ संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,45,00,580 हो गई है जबकि नये संक्रमित 5,975 मरीजों के स्वस्थ होने से वर्तमान संक्रमितों की संख्या घटकर 47,176 रह गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 215.26 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना महामारी के सक्रिय मामले 769 घटने से इनकी संख्या 47,176 रह गई।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इसी अवधि में कोरोना महामारी के नये मामले सामने आने के साथ संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,45,00,580 हो गई और 5,975 लोगों के मुक्त होने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 4,39,25,239 हो गयी हैं और इसी अवधि में 11 और लोगों की मौत होने से कोरोना मृतकों की संख्या 528165 हो गयी।

देश में स्वस्थ होने की दर 98.71 प्रतिशत है। सक्रिय मामलों की दर 0.11 प्रतिशत है, दैनिक संक्रमण दर 1.58 प्रतिशत है और मृत्यु दर 1.19 फीसदी पर बरकरार है।

मंत्रालय ने बताया कि एक लाख 84 हज़ार 965 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 88 करोड़ 95 लाख 93 हजार 391 कोविड परीक्षण किए हैं।

देश में पिछले 24 घंटों में छह राज्यों, दो केन्द्र शासित प्रदेश में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़ी है और अन्य राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके मामलों में कमी आयी है।

केरल में इस अवधि में कोरोना वायरस संक्रमण के कल के 204 मामले की तुलना में 506 मामले बढ़े हैं और इसके साथ ही सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 10827 हो गई तथा कोरोना महामारी से उबरने वालों की संख्या बढ़कर 6689494 हो गई है। राहत की बात यह रही कि इस अवधि में किसी मरीज की मौत नहीं होने से मतृकों की संख्या 70904 पर बरकरार है।

शार्ट न्यूज

राजकीय सम्मान के साथ हुआ दिग्गज अभिनेता कृष्णम राजू का अंतिम संस्कार

हैदराबाद। दिग्गज अभिनेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री यू वी कृष्णम राजू का अंतिम संस्कार सोमवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ तेलंगाना के मोइनाबाद के पास कनकमामिडी गांव में उनके फार्म हाउस में हुआ। अभिनेता प्रभास के भाई यू प्रबोध ने 'विद्रोही अभिनेता' के तौर पर लोकप्रिय श्री राजू की चिता को मुखाग्नि दी। तेलंगाना सरकार द्वारा उनके अंतिम संस्कार को राजकीय सम्मान देने के रूप में पुलिस ने हवा में गोली चलाकर उनको 'बंदूक' की सलामी दी। उनके हजारों प्रसंशकों, परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों ने दिवंगत आत्मा को अश्रुपूर्ण विदाई दी। अभिनेता मोहन बाबू, जगपति बाबू, कृष्णा राजू, उनकी तीन बेटियां और उनका भांजा और अभिनेता प्रभास अंतिम संस्कार में शामिल हुए। भाजपा नेता और पुर्व मंत्री एतेला राजेंद्र भी उनके फार्म हाउस पर उपस्थित हुए। इससे पहले, राजू के पार्थिव शरीर को उनके जुबली हिल्स आवास से सोमवार की दोपहर फूलों से सजी एक गाड़ी में कनकमामिडी गांव लाया गया जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके फार्म हाउस पर पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी। पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू समेत फिल्मी हस्तियां और नेता उनके अंतिम दर्शन करने के लिए उनके आवास पर पहुंचे। गौरतलब है कि श्री कृष्णम राजू का 82 वर्ष की उम्र में रविवार सुबह दिल का दौरा पड़ने से गाचीबोवली के एआईजी अस्पताल में निधन हो गया, जहां वे कोविड के बाद की बीमारियों का इलाज करवा रहे थे।

बडगाम जिले में एक व्यक्ति का शव पेड़ से लटका मिला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में बडगाम जिले के बाग में सोमवार को एक व्यक्ति का शव पेड़ से लटका मिला। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने बाग के एक पेड़ में पीड़ित को पेड़ से लटका हुआ पाया। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस की दी। मृतक की पहचान 40 वर्षीय तारिक अहमद मीर के रूप में हुई है। जिसका शव पेड़ में लटका हुआ अरथ गांव में मिला। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

विशाखापत्तनम-किरंदुल पैसेंजर स्पेशल ट्रेन के चार डिब्बे पटरी से उतरे

भुवनेश्वर। ओडिशा के जयपुर व छत्रीपुट स्टेशनों के बीच सोमवार को विशाखापत्तनम-किरंदुल पैसेंजर स्पेशल ट्रेन के एक स्लीपर क्लास सहित चार डिब्बे पटरी से उतर गए। राहत की बात यह थी कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। ईस्ट कोस्ट रेलवे (ईसीओआर) के सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। ईसीओआर ने कहा कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है, क्योंकि ट्रेन की ट्रॉली स्लीपरों पर पटरी से उतर गई। उन्होंने बताया कि रेलवे अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए और दुर्घटना राहत ट्रेनों को मौके पर जाने का आदेश दिया गया है। मंडल रेल प्रबंधक अनूप सत्पथी, एडीआरएम इंफ्रा सुधीर कुमार गुप्ता, एडीआरएम संचालन मनोज कुमार साहू और अन्य अधिकारी राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। ईसीओआर सूत्रों ने कहा कि चार कोच में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर भेजा जा रहा है।

70 वर्षीय व्यक्ति रेप के आरोप में गिरफ्तार

अगरतला। दक्षिण त्रिपुरा की एक अवकाशकालीन अदालत ने बेलोनिया के राजनगर के टिल्ला क्षेत्र के निहारनगर अस्पताल में गत एक सितंबर को एक नाबालिग लड़की से बलात्कार के आरोप में 70 वर्षीय व्यक्ति को रविवार को जेल भेज दिया। पुलिस ने कहा कि आरोपी व्यक्ति की पहचान अनिल दास के रूप में हुई है, जिसे गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार रात उदयपुर के ध्वजनगर इलाके से गिरफ्तार किया गया था और पूरन राज बाड़ी थाने लाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़िता को चॉकलेट का लालच देकर पास के एक रबर एस्टेट में ले जाया गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। परिवार को इस बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी दी गई। नाबालिग पीड़िता ने हालांकि, पिछले छह सितंबर को माता-पिता को घटना के बारे में बताया और आरोपी के खिलाफ पॉस्को अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने कहा कि घटना के बाद आरोपी फरार हो कर ध्वजनगर में शरण लिया था।

सरकार ने दी हिमाचल में छह रोपवे के निर्माण को सैद्धांतिक मंजूरी

शिमला। केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश के लिए छह रोपवे के निर्माण को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। यह जानकारी हिमाचल के उद्योग एवं परिवहन मंत्री बिक्रम ठाकुर ने आज यहां दी। श्री ठाकुर ने बताया कि प्रदेश में 39 किलीमीटर लंबे छह रोपवे का निर्माण होगा। इसके लिए केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इनके निर्माण के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। यह रोपवे जिला कांगड़ा में दो, कुल्लू, चंबा, सिरमौर और बिलासपुर में एक-एक रोपवे बनेगा। पांच रोपवे के निर्माण पर करीब 1,364 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जबकि कुल्लू स्थित रोपवे निर्माण की लागत राशि अभी तय नहीं है। केंद्र सरकार की ओर से बनाए जा रहे इन रोपवे का निर्माण पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर होगा। राज्य सरकार के परिवहन विभाग ने फरवरी 2022 में इन छह रोपवे के निर्माण के लिए केंद्रीय मंत्रालय को संस्तुति भेजी थी। पर्यटन और धार्मिक दृष्टि से चार रोपवे बनेंगे। जिला कांगड़ा में पालमपुर थाचड़ी चैगान ग्लेशियर रोपवे और जिला बिलासपुर में बंदला से लुहणू मैदान रोपवे को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा।

भ्रष्टाचार के मामले में भगौड़ा पंजाब रोडवेज़ सुपरवाइज़र गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने सोमवार को पंजाब रोडवेज़ के एक और कर्मचारी को गिरफ़्तार किया है जोकि अन्य कर्मचारियों के साथ मिलीभगत से रिश्वत लेकर बस अड्डे से सरकारी बसों के रवानगी के समय को बदलकर प्राइवेट बसों को लाभ दिलाने सम्बन्धी दर्ज मुकदमे में शामिल हैं। गिरफ्तार मुलाजिम सतनाम सिंह, स्टेशन सुपरवाइज़र, पंजाब रोडवेज़, डीपू-1 जालंधर रिश्वतखोरी के दोषों के अंतर्गत दर्ज केस में भगौड़ा था। इस सम्बन्ध में पंजाब विजीलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि पंजाब रोडवेज़ के कुछ मुलाजिमों पर निजी बसों को फ़ायदा पहुँचाने के लिए बस अड्डे से सरकारी बसों के चलने का समय बदल कर रोजाना/ महीनावार रिश्वत वसूलने के दोष लगे हैं। इस सम्बन्ध में विजीलेंस ब्यूरो ने पहले ही विजीलेंस ब्यूरो पुलिस स्टेशन, अमृतसर में भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की धारा 7, 7-ए और आइपीसी की धारा 120- बी के अंतर्गत 30 अप्रैल 2021 को एक केस दर्ज किया हुआ है। प्रवक्ता ने बताया कि इस मामले में मुलजिम सतनाम सिंह निवासी गाँव गुणाचौर ज़िला एसबीएस नगर शामिल था, को आज अमृतसर रेंज की विजीलेंस टीम द्वारा ज़िला कचहरी कॉम्पलेक्स, गुरदासपुर से गिरफ़्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त मुलजिम से पूछताछ जारी है।

बीएसएफ ने सीमा पर ट्रैक्टर से 400 ग्राम हेरोइन बरामद

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के अबोहर सेक्टर में सीमा के नजदीक खेतों से एक ट्रैक्टर में छुपा कर रखी 395 ग्राम हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर बल के जनसंपर्क अधिकारी ने सोमवार को बताया कि 11 सितंबर को शाम के समय, जब सीमा सुरक्षा बल के जवान विशिष्ट इनपुट पर विशेष अभियान चला रहे थे, अबोहर के एओआर में सीमा बाड़ के आगे एक हैंडपंप से सटे धान के खेतों से एक ट्रैक्टर का ड्रॉ बार और एक लोहे का ट्रॉली हुक बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों एक्सेसरीज (ड्रॉबार और आयरन ट्रॉली हुक) की खोज के दौरान, यह पाया गया कि दोनों मूल ड्रॉबार की तुलना में अंदर से खोखले और वजन में हल्के हैं। इसके अलावा, हथौड़ा मारने पर ढक्कन खुल गए और संदिग्ध पाउडर हेरोइन (सकल वजन-395 ग्राम) बरामद।

बच्चों को माता-पिता से और माता-पिता को बच्चों से मैत्रीपूर्ण संवाद करने की आवश्यकता है : दयाशंकर मिश्र

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं परमार्थ समाज सेवी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में वरिष्ठ पत्रकार दयाशंकर मिश्र की पुस्तक जीवन संवाद पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के गांधी ऑडिटोरियम में जीवन संवाद व्याख्यान में दयाशंकर मिश्र ने लोगों को तनाव मुक्त जीवन जीने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि तनाव मुक्त रहने के लिए हौसले की जरूरत होती है और मनुष्यता हमें तनाव से बचा कर रखती है। मनुष्यता कम होने से बेचैनी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि तनाव धीरे-धीरे मनुष्य में आता है। यह तनाव कहां से आ रहा है, इस पर विचार करने की जरूरत है। तनाव मुक्त जीवन जीने लिए मन की सफाई की जरूरत है।

दयाशंकर मिश्र ने कहा कि हम छोटी-छोटी बातों को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लेते हैं अथवा दूसरों की देखादेखी करते हैं। इससे स्पर्द्धा शुरू हो जाती है और व्यक्ति तनाव में आ जाता है। इससे बचने के लिए मन की निरंतर सफाई की जरूरत है। असहमति और प्रेम के बीच अंतर को हमें समझना होगा।

उन्होंने कहा कि हमें विचार करना होगा, जीवन से जुड़ी समस्याओं पर। गांवों में बढ़ती आत्महत्याओं पर और शहरों में लोगों की संकुचित होती मानसिकताओं पर। हमें देखना होगा कि हम किस प्रकार अकेले होते जा रहें है। हम खुद को खुद में खोजना भूल रहे है। हमें सबसे पहले अपने अंदर अपने आपको खोजना होगा। हम इतने अकेले होते जा रहे हैं कि अपनी बातें अपनों से ही नहीं कर पाते हैं। हमें इन दीवारों को लाँघ कर आगे निकलना होगा।

बच्चों के साथ निरंतर संवाद की आवश्यकता पर बल देते हुए दयाशंकर मिश्र ने कहा कि अब समय आ गया है कि बच्चों को माता-पिता से और माता-पिता को बच्चों से मैत्रीपूर्ण संवाद करने की आवश्यकता है। माता-पिता को अपने बच्चों के सुख-दुख से ज्यादा उनके अंतर मन में क्या चल रहा है उसे समझना होगा। बच्चों को समझना होगा कि हम केवल डांट मार के लिए नहीं बल्कि आपको प्यार देने के लिए भी है। बच्चों पर बढ़ते सामाजिक दबाव को कम करना होगा। नंबर की गणित को अब विराम देने की आवश्यकता है। क्योंकि कई बार ऐसा देखा गया है जों बच्चें पढ़ाई में कमजोर होते है। वो और कामों में अव्वल होते है। कई बार देखा गया है दुनिया में रंग भरने का काम तो कम नंबर लाने वाले बच्चे ही करते है। हमें अब देखना होगा कि जों बच्चे जीवन में हमेशा अच्छा करते है वह फेल केवल स्कूल में होते है। उन्होंने कहा कि मन की निरंतर सफाई की जरूरत है। असहमति और प्रेम के बीच अंतर को हमें समझना होगा। आकांक्षा समिति झांसी की पूर्व अध्यक्ष डॉ प्रीति चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि व्यक्ति को मन से मायूस नहीं होना चाहिए। अंधेरे में दिया की रोशनी हमें प्रेरित करती है।आज समाज की परिभाषा बदलने की जरूरत है। व्यक्तित्व को कम नहीं आंका जाना चाहिए। हम डिजिटली मॉडर्न होते जा रहे हैं लेकिन हमें अपने आपको सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना होगा। प्रकृति के सौंदर्य से आत्मसात करना होगा। सामूहिक समरसता को बचाने की हम सब की जिम्मेदारी है। इस कार्यक्रम में बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय ललित कला संस्थान की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ श्वेता पांडेय, परमार्थ समाजसेवी संस्था के कार्यक्रम अधिकारी मान सिंह राजपूत, वरिष्ठ पत्रकार संतोष पाठक, लक्ष्मी नारायण शर्मा, अधिवक्ता राजेंद्र शर्मा, यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव जैन, समाजसेवी डॉ नीति शास्त्री, नेहा अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, सुमन राय सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों, किसान संगठनों के प्रतिनिधि व बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के विद्यार्थी मौजूद रहे।

ओडिशा : शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान में 222 गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा में परिवहन विभाग ने शराब पीकर गाड़ी चलाने के खिलाफ दो दिवसीय राज्यव्यापी अभियान चलाया, जिसमें नशे में धुत 222 चालकों को गिरफ्तार किया। राज्य परिवहन विभाग द्वारा सोमवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति में बताया गया कि सात सितंबर से नौ सितंबर तक राज्य भर में शराब पीकर वाहन चलाने के खिलाफ अभियान चलाया गया और इस दौरान कुल 599 लोग शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए। प्रवर्तन कर्मचारियों ने अपराधियों के 350 वाहनों को हिरासत में लिया। कड़ी कार्रवाई में 222 नशे में धुत लोगों को अपराध के लिए हिरासत में लिया गया, जिसके बाद आवश्यक कार्रवाई के लिए न्यायिक हिरासत में सौंप दिया गया। परिवहन विभाग के मुताबिक, सड़क सुरक्षा पर उच्चतम न्यायालय की समिति के निर्देशों के अनुसार 338 ड्राइविंग लाइसेंस को निलंबन के लिए जब्त कर लिया गया। कुल 455 अभियोजन रिपोर्ट आगे की कार्रवाई के लिए अदालतों को प्रस्तुत की गई हैं। इसके अलावा मोटर वाहन अधिनियम के उल्लंघन के 1568 अन्य मामलों का पता चला है और विभिन्न अपराधों के लिए कुल 1532 ई-चालान जारी किए गए हैं। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि राज्य पुलिस के साथ परिवहन विभाग ने अप्रैल में शराब पीकर गाड़ी चलाने पर रोक लगाने के लिए अभियान फिर से शुरू किया। सख्त कानूनों और विनियमों के बावजूद, नशे में गाड़ी चलाना भारत में सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में से एक है। विज्ञप्ति के अनुसार, ओडिशा में साल 2021 में शराब पीकर गाड़ी चलाने के कारण 246 सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इन घटनाओं में कुल 79 लोगों की जान चली गई और 151 लोग घायल हो गए।

कोयला घोटाला : ईडी ने समन में कर दी गलती

अभिषेक बनर्जी की रिश्तेदार को फिर किया तलब

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी की रिश्तेदार मेनका गंभीर को धन शोधन के एक मामले में पूछताछ के लिए नया समन जारी किया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। दरअसल, उसने गंभीर को 'भूलवश' सोमवार को दोपहर साढ़े 12 बजे के बजाय रविवार देर रात साढ़े 12 बजे पेश होने का नोटिस जारी कर दिया था।

गंभीर को 10 सितंबर को कोलकाता हवाई अड्डे पर ईडी के अधिकारियों ने सोमवार 'देर रात साढ़े 12 बजे' यहां एजेंसी के कार्यालय में पेश होने का नोटिस सौंपा था। उन्होंने कथित कोयला घोटाला मामले में उनसे पूछताछ करने की जरूरत का हवाला देते हुए उन्हें विदेश जाने वाली उड़ान में सवार होने से रोक दिया था।

सूत्रों ने बताया कि गंभीर समन में दिए गए वक्त के अनुसार सॉल्ट लेक में ईडी कार्यालय पहुंच गयी थीं लेकिन यह अनजाने में जारी की गयी गलत तारीख थी और उन्हें कार्यालय बंद मिला तथा वे कुछ तस्वीरें खींचने के बाद लौट गयीं।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पहले के समन में दिया गया मध्यरात्रि का वक्त 'टंकण की त्रुटि' थी, जिसके चलते 'पीएम (अपराह्न) के बजाय एएम (पूर्वाह्न)' हो गया था जबकि इसे 12 सितंबर को 'दोपहर साढ़े 12 बजे' होना चाहिए था। उन्होंने बताया कि अब गंभीर को दोपहर करीब दो बजे एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए नया समन भेजा गया है।

ईडी ने अभी तक इस मामले में गंभीर से पूछताछ नहीं की है। सीबीआई ने पहले इस मामले में उनसे पूछताछ की थी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने अगस्त में ईडी को दिल्ली के बजाय कोलकाता में अपने क्षेत्रीय कार्यालय में गंभीर से पूछताछ करने का निर्देश दिया था। साथ ही उसने मामले पर सुनवाई की अगली तारीख तक गंभीर के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न करने का भी निर्देश दिया था।

गंभीर ने ईडी के समन को यह कहते हुए चुनौती दी थी कि उन्हें कथित कोयला घोटाला मामले के संबंध में पांच सितंबर को दिल्ली में पेश होने के लिए कहा गया और उन्होंने अदालत से एजेंसी को कोलकाता में पूछताछ करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। ईडी ने पहले इस मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे तथा टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी तथा उनकी पत्नी रुजिरा से पूछताछ की थी।

यूकेएसएसएसएसी घोटाला: हाईकोर्ट ने मांगी सरकार से जांच की प्रगति रिपोर्ट

नैनीताल। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) भर्ती घोटाले में कांग्रेस नेता व विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता भुवन चंद्र कापड़ी की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने सरकार से जांच की प्रगति रिपोर्ट अदालत में पेश करने को कहा है। साथ ही याचिकाकर्ता को भी याचिका दायर करने का अधिकार क्षेत्र (लोकस) बताने को कहा है।

इस मामले की सुनवाई वरिष्ठ न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा की पीठ में हुई। कांग्रेस नेता भुवन चंद्र कापड़ी की ओर से सोमवार को अदालत में जवाब पेश नहीं किया गया। उन्होंने जवाब पेश करने के लिये अतिरिक्त समय की मांग की। अदालत ने उनकी मांग को स्वीकार कर लिया और उन्हें 21 सितम्बर तक याचिका की पोषणीयता पर जवाब देने और याचिका दायर करने का अधिकार बताने को कहा है।

सरकार की ओर से कहा गया कि भर्ती घोटाले की जांच एसटीएफ को सौंपी गयी है। एसटीएफ निष्पक्ष जांच कर रही है। अभी तक तीन दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अदालत ने सरकार को भी जांच की प्रगति रिपोर्ट अदालत में पेश करने को कहा है।

इससे पहले अदालत ने पांच सितम्बर को सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता व कांग्रेस नेता से याचिका की पोषणीयता पर सवाल उठाते हुए याचिका दायर करने के अधिकार को लेकर सवाल किये थे और जवाब देने को कहा था लेकिन कापड़ी आज जवाब देने में असफल रहे। अदालत ने उन्हें 21 सितम्बर तक जवाब पेश करने को कहा है।

कांग्रेस नेता भुवन चंद्र कापड़ी की ओर से याचिका दायर कर यूकेएसएसएससी भर्ती प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग की गयी है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि एसटीएफ निष्पक्ष जांच नहीं कर रही है।

सारागढ़ी वार के शहीदों की याद में गुरुद्वारा सारागढ़ी साहिब में गुरमत समारोह

अमृतसर। सारागढ़ी युद्ध की 125वीं वर्षगांठ के अवसर पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने श्री अखंड पाठ साहिब की दावत के बाद यहां गुरुद्वारा सारागढ़ी साहिब में गुरमत समारोह का आयोजन किया। इस मौके पर सचखंड श्री हरिमंदर साहिब के हजूरी रागी भाई निर्भाई सिंह के बैंड ने गुरबानी कीर्तन किया और सचखंड के ग्रंथी सिंह साहिब श्री हरिमंदर साहिब ज्ञानी अमरजीत सिंह ने कथा सुनाई। इस मौके पर एसजीपीसी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने भी शिरकत की और सारागढ़ी युद्ध में शहीद हुए सिख जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि सिखों ने जिस भी क्षेत्र में कदम रखा है, उन्होंने ईमानदारी और समर्पण के साथ सफलता हासिल की है।

सीमावर्ती क्षेत्र में अवैध खनन करने वालों पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज हो : पुरोहित

अमृतसर। पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने सोमवार को अमृतसर और तरन तारन जिलों की सीमा पट्टी के सरपंचों से बात करते हुए सीमा पार से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी को रोकने के लिए सहयोग मांगा और कहा कि अगर वे इन मुद्दों पर सरकार का समर्थन करते हैं, तो इसकी जड़ें कुछ ही दिनों में खोदी जा सकती हैं।

राज्यपाल ने इस क्षेत्र में अवैध खनन पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए, क्योंकि इस खनन से सीमा पर सेना के मोर्चों, बंकरों और पुलों को नुकसान हो रहा है, जिससे राष्ट्र की सुरक्षा को एक बड़ा खतरा है। उन्होंने पंजाब के बहादुर लोगों की प्रशंसा करते हुए कहा कि तस्करी और खनन जैसे अपराधों को खत्म करना उनके लिए कोई बड़ी बात नहीं है। बशर्ते कि उनका ध्यान इस बड़े खतरे की ओर खींचा जाए। उन्होंने कहा कि वह पंजाब सरकार से सीमावर्ती क्षेत्र के छह जिलों में नागरिक सुरक्षा समितियां गठित करने के लिए कहेंगे ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सामाजिक मुद्दों पर काम कर सकें।

सीमावर्ती क्षेत्र से बेरोजगारी को खत्म करने के लिए राज्यपाल ने युवाओं से सेना की अग्निपथ योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पांच साल अग्निपथ में सेवा करने से आपको सेना का अनुशासन और वह शिक्षा मिलेगी जो आपके भविष्य को उज्ज्वल करने के लिए आवश्यक है।

हाईकोर्ट ने नैना देवी पक्षी विहार में आरक्षित वन भूमि पर सड़क निर्माण में लगाई रोक

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने पर्यटक नगरी नैनीताल से सटे पंगोट आरक्षित वन क्षेत्र में बिल्डर द्वारा आरक्षित वन भूमि पर अतिक्रमण कर बनायी जा रही सड़क के मामले को गंभीरता से लेते हुए निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है। साथ ही इस मामले में वन विभाग और नैनीताल के जिलाधिकारी से जवाब देने को कहा है। इस मामले को पंगोट के बुधलाकोट गांव के ग्राम प्रधान की ओर से एक जनहित याचिका के माध्यम से चुनौती दी गयी है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि गांव में आने जाने के लिए 2013 में वन विभाग की अनुमति से पैदल रास्ता का निर्माण किया गया। इसी दौरान गाँव में बिल्डर उपेन्द्र जिदंल ने पर्यटन विभाग में तैनात अतिरिक्त निदेशक पूनम चंद से भूमि खरीद ली और चार मंजिला होटल का निर्माण कर लिया। अब बिल्डर की ओर से होटल में पर्यटकों के आने जाने के लिए पैदल रास्ते को सड़क मार्ग में तब्दील किया जा रहा है। याचिकाकर्ता की ओर से यह भी आरोप लगाया गया कि अतिरिक्त निदेशक पूनम चंद बिल्डर की इस मामले में सरकारी स्तर पर हरसंभव मदद कर रही है। याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि यह क्षेत्र नैनीताल के आरक्षित वन क्षेत्र में मौजूद नैना देवी पक्षी वन विहार का हिस्सा है और आरोपी बिल्डर द्वारा आरक्षित भूमि की महत्वपूर्ण भूमि को नष्ट किया जा रहा है। इस मामले में अगले सुनवाई 15 फरवरी 2023 को मुकर्रर की गयी है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता डॉ. कार्तिकेय हरि गुप्ता ने बताया कि अदालत ने आरोपी बिल्डर और अतिरिक्त निदेशक पूनम चंद को भी नोटिस जारी किया है और वन विभाग को इस मामले में जवाब देने को कहा है।

मस्जिद में जूता फेंकने के आरोप में चार गिरफ्तार

बेल्लारी। कर्नाटक पुलिस ने बेल्लारी के सिरूगुप्पा में गणेश विसर्जन के दौरान एक मस्जिद में कथित रूप से जूते फेंकने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न करने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया था। एडीजीपी (कानून-व्यवस्था) आलोक कुमार ने कहा कि हमने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। शुरूआत में घटनास्थल पर मौजूद पुलिस उन आरोपियों की पहचान नहीं कर पायी लेकिन सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद उनकी गिरफ्तारी हुई।

खटीमा के निलंबित ब्लॉक प्रमुख नामधारी को हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने खटीमा के निलंबित क्षेत्र पंचायत प्रमुख रंजीत सिंह नामधारी के निलंबन के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सोमवार को उन्हें कोई राहत नहीं दी।

नामधारी की ओर से सरकार के निलंबन आदेश को एक याचिका के माध्यम से चुनौती दी गई है। इस मामले की सुनवाई वरिष्ठ न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा की पीठ में हुई। सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता पर गंभीर आरोप हैं। प्रारंभिक जांच में आरोपों की आंशिक पुष्टि हुई है।

आरोपी के खिलाफ पंचायती राज अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गयी है। आरोपी पर लाखों रुपए के गबन के आरोप हैं। सरकार की ओर से यह भी कहा गया कि आरोपी पर अपने पिता को भी विकास कार्य आवंटित करने के आरोप हैं। सरकार की ओर से याचिकाकर्ता के निलंबन के खिलाफ स्थगनादेश की मांग का भी विरोध किया गया।

याचिकाकर्ता की ओर से उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता अदालत में पेश हुए और पैरवी की गयी। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि उसके खिलाफ लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। अदालत ने याचिकाकर्ता की निलंबन आदेश के खिलाफ स्थगनादेश जारी करने से इन्कार कर दिया। साथ ही सरकार को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा है।

अदालत की ओर से जांच पर भी रोक नहीं लगायी गयी है और सरकार को निर्देश दिए कि जांच रिपोर्ट पर अदालत के आदेश तक कोई कार्यवाही नहीं करे।

गौरतलब है कि शासन ने खटीमा निवासी चंद्रशेखर मुंडिया की शिकायत पर पंचायती राज अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुए नामधारी को पिछले महीने 10 अगस्त को निलंबित कर दिया था।

स्वास्थ्य पर प्रति व्यक्ति 1815 रुपये खर्च किये सरकार ने

नयी दिल्ली। सरकार ने वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान स्वास्थ्य पर प्रति व्यक्ति 1815 रुपये खर्च किये जबकि व्यक्तिगत रुप से यह व्यय 2155 रुपए प्रति व्यक्ति रहा।

सरकार ने सोमवार को यहां राष्ट्रीय स्वास्थ्य खाता 2018-19 जारी किया जिसमें कहा गया है कि देश में स्वास्थ्य पर सरकारी और निजी क्षेत्र में दोनों में वृद्धि दर्ज की गयी है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में स्वास्थ्य क्षेत्र पर व्यय 2017 -2018 के 1.8 प्रतिशत से घटकर 1.35 प्रतिशत रह गया है। इसी अवधि में व्यक्तिगत खर्च 48.2 प्रतिशत से घटकर 40.6 प्रतिशत रह गया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य खाता रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2018-19 में देश में कुल स्वास्थ्य व्यय पांच लाख 96 हजार 440 करोड़ रुपए रहा है। इसमें से सरकारी खर्च दो लाख 42 हजार 219 करोड़ रुपए रहा है। इसी अवधि में व्यक्तिगत स्वास्थ्य खर्च में लगातार गिरावट दिखाई दे रही है। वर्ष 2013-14 में 64.2 प्रतिशत रहा था जबकि वर्ष 2018-19 में 48.2 प्रतिशत रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार कुल स्वास्थ्य खर्च सामाजिक स्वास्थ्य सुरक्षा का व्यय बढ़ रहा है। इसका अर्थ है कि स्वास्थ्य की सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ रहा है। वर्ष 2013 में यह कुल स्वास्थ्य खर्च का 4.2 प्रतिशत था जो वर्ष 2019 तक 9.6 प्रतिशत हो गया है। निजी अस्पतालों में कुल व्यय एक लाख 55 हजार 13 करोड़ रुपए रहा है जो कुल स्वास्थ्य खर्च का 28.69 प्रतिशत है और सरकारी अस्पतालों में खर्च 17.34 प्रतिशत है जो 93 हजार 689 करोड़ रुपए रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा स्वास्थ्य खर्च का 34.55 प्रतिशत हिस्सा एक लाख 86 हजार 625 करोड़ रुपए रोगी के भर्ती के बाद व्यय किये गये हैं।

इसके अलावा एक लाख एक हजार 902 करोड़ रुपए रोगी के भर्ती होने से पहले व्यय हुए है जो 18.86 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार 4170 करोड़ रुपए रोगी की देखभाल पर, 18 हजार 909 करोड़ रुपए रोगी परिवहन पर, 22 हजार 526 करोड़ रुपए जांच एवं एक्सरे पर, एक लाख एक हजार 928 करोड़ रुपए लिखी गयी दवाई पर, 18 हजार 881 करोड़ रुपए अस्पताल में दी गयी दवाई पर, 643 करोड़ थैरेपी और संबंधित उपकरणों पर, 50 हजार 991 करोड़ रुपए बचाव पर तथा अन्य खर्च 12 हजार 258 करोड़ रुपए रहा है। इसके अलावा 21 हजार 413 करोड़ प्रबंधन पर व्यय हुए हैं।

सीएए पर जवाब दाखिल करे केंद्र सरकार : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 की वैधता के खिलाफ दायर 200 से अधिक याचिकाओं को अलग करने के सुझाव पर सोमवार को केंद्र सरकार से चार सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने को कहा। मुख्य न्यायाधीश यू यू ललित और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को याचिकाकर्ताओं के वकीलों के सुझाव के मुताबिक चार सप्ताह के अंदर सरकार का पक्ष रखने का आदेश देते हुए संकेत दिया कि इस मामले को सुनवाई के लिए तीन न्यायाधीशों के समक्ष भेजा जा सकता है।शीर्ष अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 31 अक्टूबर की तारीख मुकर्रर की है। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 को संसद के दोनों सदनों से पारित होने के बाद 12 दिसंबर 2019 को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली थी। शीर्ष अदालत ने 18 दिसंबर 2019 को नागरिकता अधिनियम 2019 की वैधता की जांच करने का फैसला किया था।

शार्ट न्यूज

दिल्ली के सागरपुर में मां को गाली देने पर भड़का बेटा, पड़ोस की महिला पर किया चाकू से हमला

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सागरपुर इलाके में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी मां को गाली देने के आरोप में पड़ोस में रहने वाली 25 वर्षीय एक महिला को चाकू घोंप दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर अपराध में इस्तेमाल हुआ चाकू भी बरामद कर लिया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि चाकू मारने वाले आरोपी व्यक्ति 40 वर्षीय सुनील पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि घटना की सूचना रविवार को सागरपुर थाने को मिली थी। डीसीपी (दक्षिण-पश्चिम) मनोज सी ने कहा कि हमारी जांच से पता चला है कि महिला अपने पड़ोसी सुनील द्वारा रसोई के चाकू से हमला करने के कारण घायल हो गई। हाथापाई के समय आरोपी नशे में था। उन्होंने कहा कि आरोपी ने बताया कि महिला ने उसकी मां से दुर्व्यवहार किया, जिससे वह नाराज था। उन्होंने कहा कि पीड़िता की गर्दन और गाल पर जख्म के निशान हैं और दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। उसकी हालत स्थिर बताई गई है।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने यूजी एडमिशन के लिए खोला पोर्टल, नया सत्र 1 नवंबर से शुरू होने की उम्मीद

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय ने सोमवार को सत्र-2022-23 के लिए यूजी एडमिशन के लिए कॉमन सीट अलॉटमेंट सिस्टम लॉन्च् कर दिया। इस मौके पर डीयू के कुलपति ने कहा कि नया सत्र 1 नवंबर 2022 से शुरू होने की उम्मीद है। इसी के साथ ही बहुप्रतीक्षित दिल्ली विश्वविद्यालय की एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो गई। उल्लेखनीय है कि इस बार दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रों को अपने यहां एडमिशन संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा के जरिए दे रहा है। देशभर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों व अन्य संस्थानों में स्नातक स्तरीय प्रवेश के लिए सीयूईटी 2022 का आयोजन 30 अगस्त को पूरा हुआ है। सीयूईटी 2022 का रिजल्ट 15 सितंबर 2022 को जारी किया जा सकता है। डीयू एडमिशन पोर्टल लॉन्चिंग के मौके पर वीसी योगेश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में नया एकेडमिक सत्र 1 नवंबर से शुरू किया जा सकता है। उन्होंने कहा, हम स्नातक कोर्सों के लिए सीएसएएस पोर्टल लॉन्च कर रहे हैं। यह पहली बार है कि हम सीयूईटी के जरिए एडमिशन कर रहे हैं।

कपड़ा कारोबारी ने खुद को मारी गोली

नोएडा। नोएडा में डिप्रेशन के साथ अपनी बीमारियों से परेशान होकर सोमवार तड़के कपड़ा व्यापारी ने खुद को गोली मार ली। व्यापारी सेक्टर-12 के ई ब्लाक में रहता था। परिजन व्यापारी को अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नोएडा के सेक्टर-12 के ई ब्लाक में कपड़ा व्यापारी परिवार के साथ रहता था। सर्वेश की खोड़ा में कपड़े की दुकान है। बताया गया कि कई दिनों से वह हाई बीपी और डिप्रेशन में था। हालांकि अभी आर्थिक रूप से परेशान था इसकी जानकारी नहीं है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है। सर्वेश के पास अपनी लाइसेंसी पिस्टल थी। उसने उसी पिस्टल से अपनी कनपटी पर गोली मारी। आवाज सुनकर घर में मौजूद परिजन सर्वेश के कमरे की तरफ गए। वहां सर्वेश खून से लथपथ पड़ा था। परिजन किसी तरह उसे कैलाश अस्पताल लेकर गए वहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जब उसने गोली मारी तो परिवार सो रहा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है।

जेवर में दो बाइक सवार ने बच्चे को मारी टक्कर : बाइक सवार दोनों युवक कर रहे थे स्टंट

जेवर। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के जुनेदपुर गांव के नजदीक बाइक से स्टंट करते वक्त बाइक सवार दो युवकों ने एक बच्चे को घायल कर दिया। घायल का पास के ही एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस संबंध में पीड़ित बच्चे के पिता ने 2 लोगों को नामजद करते हुए कोतवाली में केस दर्ज कराया है। पीड़ित बच्चे के पिता राकेश नागर ने बताया कि सोमवार की सुबह वह अपने 3 वर्ष के बेटे सार्थक को लेकर गांव के नजदीक स्थित प्राचीन हीश बाबा के मंदिर पर पूजा करने के लिए गए थे। उन्होंने बताया कि जब वह मंदिर के पास खड़े थे। उसी दौरान बाइक पर स्टंट करते आ रहे दो युवकों ने उनके बेटे को बुरी तरह से टक्कर मारकर घायल कर दिया। बच्चे के पैर व शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आई है। घायल अवस्था में उन्होंने अपने बेटे को दनकौर के एक अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित पिता का आरोप है कि जब वह शिकायत करने आरोपियों के घर पहुंचे तो आरोपी व उनके परिवार के लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दे डाली। जिसके बाद पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर आरोपी तुषार और उसके पिता नरेंद्र के खिलाफ कोतवाली में दर्ज कराया है।

अगाहपुर पेट्रोल पंप के पास कार में लगी आग

नोएडा। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के अगाहपुर पेट्रोल पंप के पास रविवार देर शाम एक आई-10 कार में अचानक आग लग गई। कार चालक ने कार से कूदकर जान बचाई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। अगाहपुर निवासी तेजवीर सिंह अपनी आई-10 कार में सवार होकर रात करीब साढ़े सात बजे अगाहपुर पेट्रोल पंप के सामने से गुजर रहे थे। तभी उनकी कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। कार चालक तेजवीर सिंह ने कार से कूदकर अपनी जान बचाई। साथ ही दमकल विभाग को सूचना दी। कुछ ही देर में दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। करीब 15 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि जब तक कार का काफी हिस्सा जल चुका था।

केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यों की व्याख्या करती किताब मोदी 20 पर की विस्तृत चर्चा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक जीवन एक लक्ष्य को सार्थक किया : किरण रिजिजू

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री श्री किरण रिजुजी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक जीवन एक लक्ष्य को सार्थक किया है। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन एवं उनकी कार्यशैली पर आधारित किताब MODI@w® DREAMS MEET DELIVERY पर चर्चा करते हुए श्री रिजिजू ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रुप में पूरे किए अपने 20 सालों के शासन की व्याख्या करती यह पुस्तक पूरी तरह उनके मिशन और कर्तव्यों को बताती है।

विवेकानंद देशबंधु विश्वविद्यालय में हुए पुस्तक पर चर्चा में श्री किरण रिजिजु ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता दिन प्रतिदिन बढ़ती चली गई जो उनके व्यक्तित्व को बताती है। ईमानदारी के साथ जीवन जीते हुए आगे बढ़ना अगर किसी से सीखना हो तो वह श्री नरेन्द्र मोदी से कोई सीखे। उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटूंबकम को भी ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने राजनीतिक जीवन को जीने का काम किया।

नरेन्द्र मोदी ने हमेशा सशक्तिकरण की बात की है। चाहे वह महिला, युवा, वंचित, पीड़ित, गांव, गरीब, शोषित, दलित इत्यादी की भलाई के बारे में सोचा। इसी का परिणाम है कि उज्जवला योजना, किसान योजना, अन्न योजना, आयुष्मान योजना, बुजुर्गों को पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, जनधन योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आंगनबाड़ी के लिए योजना इत्यादी ने देश के करोड़ों लोगों को प्रत्यक्ष रुप से लाभ पहुंचाने का काम किया है। इस मौके पर सांसद श्री रमेश बिधूड़ी और प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सचदेवा भी मौजूद थे।

सांसद श्री रमेश बिधूड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब कल्याण एवं जनकल्याण के अनेकों कार्यों में कीर्तिमान स्थापित किया है। पिछली सरकारों में विकास फाइलों में अटका रहता था लेकिन आज प्रत्यक्ष रुप से इस विकास को देखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि MODI@20 का मतलब बताते हुए कहा कि मोदी का मतलब कर्तव्यनिष्ठा, संकल्प, किसान, गरीब कल्याण, ईमानदारी, आशा, देश की सुरक्षा, देशभक्ति, आयुष्मान भारत, विकास, समावेश, जनभागिदारी, सहित लोगों का विश्वास। आज सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास की देन है कि आज देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश का सम्मान बढ़ाने का काम किया है।

भाजपा ने बौखलाहट में 'आप' के अहमदाबाद ऑफिस में छापेमारी करवाई : आप

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि उनकी पार्टी बहुत जल्द गुजरात में नंबर एक पार्टी बनने वाली है और इसकी बौखलाहट में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुजरात पुलिस से बिना वारंट के 'आप' के अहमदाबाद कार्यालय में छापे मारी की है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पार्टी का ग्राफ गुजरात में तेजी से बढ़ रहा है। गुजरात में आप दूसरे नंबर की पार्टी है। भाजपा से थोड़ा सा पीछे है और कांग्रेस कहीं नहीं है। अभी गुजरात के चुनाव में ढाई महीने बाकी है। आप बहुत जल्द भाजपा को गुजरात में पीछे छोड़कर नंबर एक की पार्टी बन रही है। यह बात गुजरात की सरकार और भाजपा को दिख रहा है। उन्होंने कहा कि जब गुजरात में पार्टी के दफ्तर पर बिना किसी वारंट के रेड की जा सकती है तो एक आम गुजराती के साथ गुजरात पुलिस और गुजरात सरकार क्या करती होगी? गुजरात में किस डर और दहशत के माहौल में गुजराती भाई रहते होंगे। गुजरात के अंदर इस वक्त गुजरात पुलिस का गुंडाराज किस तरह का चल रहा होगा? हम गुजरात के लोगों को अच्छा, भ्रष्टाचार मुक्त और भय मुक्त शासन देने का वादा करते हैं। आप ने कहा कि जिस तरीके से इस छापा मारा गया और अहमदाबाद पुलिस ने ट्विटर पर कहा कि हमने इस तरीके की कोई रेड नहीं मारी। इससे एक बात साफ हो जाती है कि भाजपा पूरी तरह से बौखलाई हुई है। पूरे देश के सामने भाजपा की असलियत सामने आ गई है। उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे मारे कुछ नहीं मिला। अब गुजरात के अहमदाबाद में आम आदमी पार्टी के ऑफिस में रेड मारी, लेकिन कुछ नहीं मिला। देशवासी देख रहे हैं कि किस तरीके से आप को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक जितने भी आरोप भाजपा के ऊपर लगे हैं, उसको बोलते हैं कि यह सच नहीं है। पूरे देश में विधायकों को खरीदा गया। विधायकों के ऊपर ईडी-सीबीआई का दबाव बनाकर उनको भाजपा में लाया गया। इसके कई उदाहरण हैं। मगर भारतीय जनता पार्टी कहती है कि नहीं ऑपरेशन लोटस नाम की कोई चीज नहीं है।

दिल्ली के आर्मी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली स्थित आर्मी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसीएमएस) को नोटिस जारी कर जानना चाहा कि वह एमबीबीएस डॉक्टरों को उनकी एक साल की इंटर्नशिप के दौरान वजीफा क्यों नहीं दे रहा है।

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने अभिषेक यादव एवं अन्य की ओर से अधिवक्ता डॉ. चारु माथुर द्वारा दायर संयुक्त याचिका पर यहां इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से संबद्ध एसीएमएस को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया।

याचिका में दिल्ली के आर्मी बेस अस्पताल में अनिवार्य एक साल की इंटर्नशिप कर रहे याचिकाकर्ताओं के वजीफे को वापस लेने के कार्य को प्रतिवादियों का 'अन्यायपूर्ण और मनमाना' करार देते हुए चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के नेशनल मेडिकल कमिशन (कंपल्सरी रोटेटिंग मेडिकल इंटर्नशिप) रेगुलेशंस 2021 के क्लाज-तीन (शेड्यूल- चार) के अनुसार याचिकाकर्ता नियमित वजीफे के हकदार हैं।

याचिकाकर्ताओं ने दलील देते हुए कहा है कि उन्होंने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के माध्यम से प्रवेश लिया और अपना पाठ्यक्रम पूरा किया। अब उन्हें एक साल की इंटर्नशिप करते समय अपने आवास, भोजन और अन्य खर्चों के लिए वजीफे की जरूरत है।

याचिकाकर्ताओं ने तर्क देते हुए कहा, उनमें से लगभग सभी ने एमबीबीएस की पढ़ाई करने के लिए शिक्षा ऋण लिया था और उनका नियमित ईएमआई भुगतान भी इस साल अप्रैल से शुरू हो गया है। इसलिए उनके लिए शिक्षा और अन्य दैनिक खर्चों को पूरा करना अब पूरी तरह असंभव है।

दिल्ली के मूल गांववासियों के लिए मौत की घंटी साबित होगा डी डी ए एक्ट प्रस्तावित संसोधन : राजबीर सौलंकी

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली मूल ग्रामीण पंचायत के अध्यक्ष, पूर्व कुलपति प्रोफेसर राजबीर सौलंकी ने आज कहा की डी डी ए एक्ट में प्रस्तावित संसोधन अगर संसद द्वारा पारित कर दिए गए तो ये दिल्ली के मूल गांववासियों के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक वजूद के लिए मौत की घंटी साबित होगा। एक पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए प्रो सौलंकी ने कहा की प्रस्तावित संसोधन दिल्ली देहात के न केवल किसानों अपितु गांव के कौशलकारों एवं वंचित समाज के गांव में रहने वाले प्रत्येक वर्ग के ताबूत में अंतिम कील ठोकने के समान होगा। मशहूर कहावत जो लोग इतिहास को नजरअंदाज करते हैं, वही इतिहास की गलतियां दोहराते हैं का जिक्र करते हुए प्रो सौलंकी ने शहरी विकास मंत्रालय के प्रशासकों से पिछली सरकारों की विनाशकारी नीतियों से सबक लेने की सलाह दी। पिछले 60 वर्षों में दिल्ली के लगभग 130 गांव की कृषि भूमि औने-पौने रेट पर एक्वायर कर ली तथा वही डी डी ए ने सैकड़ों गुना रेट पर बेची है। उजाड़े गए किसानों को ही नहीं, बल्कि गांव की कौशल निपुण एवं मजदूर वर्ग को भी, जिसमें लौहार, खाती, नाई, मिस्त्री, बढ़ई, कुम्हार, अनुसूचित जाती सम्मिलित हैं, काम धंधे व रहनी की कोई जगह नहीं दी। डी डी ए ने शान से अपनी पिछली और वर्तमान मास्टर प्लान में ग्राम विकास योजना का जिक्र किया है, परन्तु इन 65 वर्षों में (1957 में डी डी ए बना था) एक भी गांव को विलेज डेवलपमेंट योजना नहीं बनी, न एक भी गांव आज तक मोडल योजना गांव बना। यही नहीं पुरे देश में मोदी जी ने प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना लागू की, परन्तु दिल्ली के गांवों में नहीं। परिणामस्वरूप दिल्ली के 36 बिरादरी के मूल ग्राम निवासियों के पास लाल डोरे के घर का मालिकाना हक़ नहीं है। जबकि डी डी ए एक्ट में प्रस्तावित संसोधन को दिल्ली के लिए गेम चेंजर कहा जा रहा है। जो डी डी ए की लैंड पूलिंग पालिसी पिछले 10 वर्षों में पूरी तरह फ़ैल हो गयी है, उसके लिए डी डी ए के पास कोई स्टैण्डर्ड सर्वे नहीं है, हरियाणा में बिना कस्टोरियम के लैंड पूलिंग पालिसी है, दिल्ली में वही मॉडल क्यों नहीं; गुजरात के लैंड पूलिंग मॉडल को क्यों नहीं दिल्ली में लागू किया जा सकता। PM के स्मार्ट सिटी मिशन में कॉर्पोरेट, रोजगार और मकान विकास एवं सुविधा साथ - साथ होने की बात है। गांव में बची कृषि भूमि, गांव में गैर कानूनी अनधिकृत कालोनी में खप चुकी भूमि, गांव में वर्तमान ग्रीन बेल्ट, ग्राम सभा की भूमि, लाल डोरे में गांव की भूमि, मूल गांव वासियों की वर्तमान जनसँख्या तथा डी डी ए अपनी केवल कागजों की प्लांड विलेज डेवलपमेंट के लिए कितनी भूमि और किन काम धंधे या रिहाइश की गांव की 36 बिरादरी के लिए आवश्यकता होगी; इन सब का डी डी ए के पास कोई डाटा नहीं है; केवल धुल में लठ मरने से ना तो लैंड पूलिंग सफल होगी और न ही गांव और शहर का विकास होगा तथा दिल्ली की स्थिति भयावह और बदतर होगी। अर्बन रिजनेरशन के नाम पर आवश्यक तौर पर लैंड पूलिंग के लिए भूमि लेना, गांव सभा की भूमि को हड़पना और लाल डोरे में डी डी ए अफसरों की दखलंदाजी; ये सब डी डी ए एक्ट के प्रस्तावित संसोधन हैं। सौलंकी ने दिल्ली के मूल ग्राम निवासियों की सभी जातियों के संस्कृकतिक, राजनैतिक और आर्थिक वजूद को बचाये रखने के लिए डी डी ए एक्ट में प्रस्तावित संसोधन अधिनियम पर वृस्तृत चर्चा की मांग है ताकि ये राजधानी दिल्ली को और अधिक विकृत होने से बचाएँ एवं मूल गांवों के सभी वर्ग -हितैषी भी हों। यदि संसोधन वापिस नहीं लिए जाते हैं तो यह कटे पर नमक छिड़कने के बराबर होगा जिसका सर्वजातिय दिल्ली मूल ग्रामीण पंचायत पुरजोर विरोध करेगी।

सीयूईटी व छात्रवृत्ति को लेकर शिक्षक व छात्र संघ ने जेएनयू प्रशासन पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के शिक्षक संगठन व छात्र संगठन ने सोमवार को अलग-अलग प्रेसवार्ता कर जेएनयू प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। दोनों का कहना है कि जेएनयू प्रशासन की नीतियों के कारण छात्रों का नुकसान हो रहा है। जेएनयू शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि सीयूईटी से सत्र पीछे हुआ है। उन्होंने बहुविकल्पीय प्रश्नों के आधार पर परीक्षा पर भी सवाल खड़ा किया। कहा कि जेएनयू की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक छवि है। दुनिया के कई विश्वविद्यालयों से इसकी तुलना की जहां पर बहुविकल्पीय प्रश्नों के आधार पर चयन नहीं होता है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों की पदोन्नति नहीं होने के कारण सत्र 2021-22 में 378 पीएचडी सीटों का नुकसान हुआ है। वहीं, जेएनयू छात्र संघ ने कहा कि छात्र समुदाय के साथ साबरमती टी-प्वाइंट पर पिछले नौ दिनों से अनिश्चितकालीन धरने पर है। यहां के निर्माण के बुनियादी ढांचे के संकट, छात्रवृत्ति वितरण में देरी, पीएचडी प्रॉस्पेक्टस में विसंगतियों, छात्र कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने के मुद्दों का विश्वविद्यालय समाधान नहीं कर रहा है।

समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं प्रशासन

छात्रों का कहना है कि जेएनयू के छात्र गिरती छतों वाले कमरों में रहते हैं, अपनी जान जोखिम में डालकर, उचित पानी की आपूर्ति और छात्रवृत्ति के बिना परेशानी झेल रहे हैं लेकिन प्रशासन हमारी किसी भी मांग को पूरा करना आवश्यक नहीं समझता है। यह अत्यंत खेदजनक है कि जेएनयू ने इस साल पीएचडी प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया भी शुरू नहीं की है।

शिक्षकों को आधुनिक तकनीक का मिलेगा प्रशिक्षण

नोएडा। सेक्टर-91 स्थित पंचशील बालक इंटर कॉलेज में सोमवार को तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 20 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में शिक्षकों को आधुनिक तकनीक से जुड़ी जानकारियां दी गई। विद्यालय की एटीएल प्रभारी ऋचा ने बताया कि तीन दिन तक चलने वाले इस गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन एटीएल इन्नोवेशन मिशन, नीति आयोग के तत्वाधान में कैपजेमिनी और एसआरएफ फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।

आईआईटी मद्रास ने सर्वोच्च पुरस्कार जीता

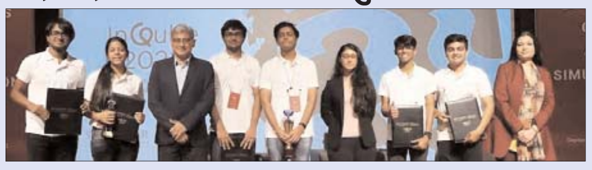

नोएडा। शिव नादर इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एवं एंट्रप्रेन्योरशिप द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की व्यवसायिक क्विज़, बिज़नेस केस एवं साईमुलेशन प्रतियोगिता, 'इनक्यूब' के दूसरे संस्करण का समापन हुआ। भारत के अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों को खोजने, चुनौती देने, संगठित करने और पुरस्कृत करने के लिए आयोजित होने वाली इस बहुआयामी प्रतियोगिता में भारत के 50 से ज्यादा शहरों से 3000 से ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया। आईआईटी मद्रास के विजेता अन्वित रेड्डी और आनंद आर ने कहा, "हमें इनक्यूब में भाग लेने की बहुत खुशी है। यह प्रतियोगिता अंतिम राउंड तक मुश्किल थी। हम शिव नादर इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस में मिली हॉस्पिटलिटी के लिए उनके आभारी हैं, हम अन्य लोगों से आग्रह करेंगे कि वो भी इसमें भाग लेकर इनक्यूब द्वारा हमें प्रदान किया गया लर्निंग का अनुभव प्राप्त करें।" 12 में से हर ज़ोन से शीर्ष तीन टीमों का चयन बिज़नेस केस एवं साईमुलेशन के लिए राष्ट्रीय सेमीफाईनल्स में किया गया, जिसका आयोजन कैंपस में हुआ।

कंपनी में 16 लड़कियां हुईं बेहोश : ग्रेटर नोएडा में काम करते समय मच्छर मारने की दवा का किया गया था छिड़काव

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में एक इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में काम करते वाली लगभग 16 लड़कियां और महिलाएं बेहोश हो गई। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पांच लड़कियां अभी IC में भर्ती हैं। इकोटेक-3 थाना क्षेत्र के उद्योग केंद्र स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक्स कम्पनी में रविवार दोपहर को मच्छर मारने वाली दवा का छिड़काव किया गया। थोड़ी देर बाद काम कर रहीं 16 लड़कियां और महिलाओं की तबीयत बिगड़ गई। सभी को हल्द्वानी स्थित एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया। दो लड़कियों का इलाज कर उन्हें घर भेज दिया गया।

परिजनों ने आरोप लगाया कि कंपनी में तबीयत बिगड़ने के बाद किसी के घर पर फोन नहीं किया गया। सूरजपुर निवासी गुड्डन ने बताया कि उनकी 20 वर्षीय बेटी शिखा इसी कंपनी में पैकिंग का काम करती है। कंपनी की छुट्टी 6 बजे तक हो जाती है, लेकिन रविवार को उनकी बेटी देर तक घर नहीं पहुंची। रात करीब 8 बजे अस्पताल से फोन आया, तब पता चला कि उसकी तबीयत खराब हुई है।

जैसे ही परिजनों को तबीयत खराब होने की पता चली, वह अस्पताल पर इकट्ठा हो गए। अस्पताल में हंगामा किया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इन लोगों द्वारा कंपनी पर लापरवाही और घटना को छिपाने का आरोप लगाया और उन्होंने पुलिस से लिखित शिकायत दी।

पैकिंग का करती थीं काम

अस्पताल में एडमिट मीनाक्षी ने बताया कि उनकी कंपनी में घड़ी बनती है। हम उन्हीं की पैकिंग का काम कर रहे थे। मच्छर की दवा का छिड़काव कंपनी में किया गया था और उसके बाद हमारी तबीयत बिगड़ गई। हम सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। हम सभी सूरजपुर और हल्द्वानी के रहने वाले हैं।

खतरे से बाहर हैं सभी मरीज

निजी अस्पताल के डॉक्टर विजय ने बताया कि अस्पताल में भर्ती लड़कियों और महिलाओं का इलाज चल रहा है। इसमें 5 लड़कियां अभी भी आईसीयू में भर्ती हैं, हालांकि वह भी अब ठीक हैं। किसी की भी हालत गंभीर नहीं है।

दवा को किया गया जब्त

ईकोटेक-3 थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि रविवार को एक कंपनी में मच्छर की दवा का छिड़काव किया गया। उसके बाद 16 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। जिन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से दो लड़कियों को डिस्चार्ज कर दिया गया है।

बाकी अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। सभी खतरे से बाहर हैं। पीड़ितों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ शिकायत की है। इसके आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी। जिस मच्छर मारने की दवा का छिड़काव किया गया था, उसको भी जब्त कर लिया गया है।

एमिटी विश्वविद्यालय में नया सत्र प्रारंभ

नोएडा। एमिटी विश्वविद्यालय में सोमवार को पारंपरिक हवन करके स्नातक और इंटीग्रेटेड छात्रों के नये सत्र का शुभारंभ किया गया। इस दौरान एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डॉ. बलविंदर शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रथम दिन आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। विद्यालय और विश्वविद्यालय की जीवन में एक बड़ा अंतर है, यहां आप अपने करियर और जीवन के प्रति जवाबदेह बनते हैं। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि एमिटी छात्रों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से सभी जानकारी प्रदान करता है और अभिभावक भी इसे लॉगिन करके छात्र के विकास को देख सकते हैं।

उद्यमियों ने सीएम को गिनाई समस्या

भूखंडों के लिए लगानी होती है बोली और शेयर होल्डिंग बदलने के लिए देना होता है चार्ज

नोएडा/ग्रेटरनोएडा। नोएडा में डेयरी समिट के बीच प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहर के औद्योगिक संगठनों के साथ बैठक की। बैठक में एनईए (नोएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन) ने कहा कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना में अगर किसी उद्यमी को अपना उद्योग लगाना है तो इन प्राधिकरणों द्वारा जो संपत्तियां लीज पर दी जाती है उस पर बोली लगाने का प्राविधान कर दिया गया है। इस नीति ने एमएसएमई सेक्टर के उद्यमियों की परेशानी को बढ़ा दिया है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन मल्हन ने कहा कि आज कोई प्रालि. कंपनी 1 प्रतिशत भी शेयर होल्डिंग बदलनी हो तो नोएडा प्राधिकरण और स्टांप विभाग भी चार्ज लेता है। प्रालि. कंपनी अपने आप में एक पहचान होती है।

भारत सरकार के कंपनी निगमित मामलों के नियमों के अनुसार भी यदि किसी कंपनी के शेयर होल्डर बदलते रहते है तब भी उसकी संरचना पर कोई असर नहीं होता है। कंपनी एक ही बार बनाई जाती है जिसमें आवश्यकतानुसार शेयर होल्डर्स बदलते रहते हैं। कहीं पर भी उद्योग लगाने के लिए हमेशा सरकार ऐसी जमीन देती है जहां पर कम से कम पैसा जमीन पर लगे और उद्योगपति का ध्यान अपनी पूंजी का निवेश उद्योग चलाने पर रहे। यदि सारा पैसा ही जमीन पर लग जाएगा तो उद्योग क्या चलायेगा।

किरायदार रखने पर रेंट परमिशन चार्ज नहीं लिया जाए

प्राधिकरण की जितनी संपत्ति है वे सब लीज पर है। प्राधिकरण से उद्योगों के लिए जमीन लेते हैं उसका 90 वर्ष तक की लीज देते है। चाहे वन टाईम लीज रेंट के रूप में दें चाहे प्रत्येक वर्ष दें। किसी कारण से बिल्डिंग भूखंड को किराये पर देते है तो नोएडा प्राधिकरण 300 वर्ग मीटर के रेंट परमिशन पर चार्ज वसूल करती है।

बंद कमरों में होती है बैठक

उद्योगों से जुड़ी कोई नीति लाने से पहले औद्योगिक संगठनों से विचार विमर्श किया जाना चाहिए। लेकिन यहां ऐसा नहीं होता। यहां बंद कमरों में बैठक होती है और अपने विवेक से नीति बनाकर पास कर दिया जाता है। इन नीतियों से उद्योगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

जेवर में बीए के दो छात्रों समेत 3 गिरफ्तार, ट्यूबवेल से चुराते थे बिजली का सामान

जेवर, गौतमबुद्ध नगर। जेवर में दनकौर कोतवाली पुलिस ने ट्यूबवेल से बिजली उपकरण चोरी करने के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। जिनमें 2 छात्र हैं। जिनके पास से पुलिस ने चोरी का सामान भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों को पुलिस सोमवार को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा जाएगा।

गश्त के दौरान पुलिस को मिली सफलता

रविवार देर रात पुलिस मोहम्मदपुर गुर्जर गांव के पास गश्त कर रही थी। उसी दौरान एक बाइक पर सवार होकर तीन युवक जा रहे थे। जिनको पुलिस ने चेकिंग के लिए रोक लिया। जिनके पास से बिजली उपकरणों के पार्ट्स बरामद हुए। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वह ट्यूबवेल से बिजली उपकरण चोरी करते थे। उनके पास से मोटर समेत अन्य सामान बरामद हुआ है।

आरोपियों की पहचान शेर सिंह और अर्जुन निवासी दनकौर कस्बा और रीलखा गांव निवासी गुलशन के रूप में हुई है। आरोपियों ने बताया कि वह उस्मानपुर, अच्छेजा बुजुर्ग और मोहम्मदपुर गुर्जर गांव समेत कई गांवों में चोरी की घटना को अंजाम दे चुक हैं।

लालच देकर छात्रों को गिरोह में किया शामिल

अर्जुन और गुलशन ने पुलिस को बताया कि दोनों बीए प्रथम वर्ष के छात्र हैं। जिनका दोस्त शेर सिंह चोरी की घटनाओं को अंजाम देता है। उसी ने दोनों को लालच देकर अपने साथ शामिल कर लिया।

आरोपी शेर सिंह ने बताया कि वह इंटर पास करने के बाद मजदूरी कर रहा था। लेकिन उससे उसके शौक पूरे नहीं होते थे। जिसके चलते वह दो साथियों के साथ मिलकर चोरी करने लगा।

संपादकीय

भारतीय भाषा साहित्य की रक्त प्रवाहिनी हिंदी

हिंदी भाषा करोड़ों भारतीय के दिलों में बसी हुई भाषा है। हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा होने का गौरव प्राप्त है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहां भी है राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है हिंदी की सार्वभौमिक स्वीकार्यता के कारण ही भारतीय राजनेताओं ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया था। हिंदी मूलत: बड़ी विशाल एवं आसानी से बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली भाषा है। भारत की भौगोलिक विशालता और विविधता के बावजूद हिंदी सर्व स्वीकार्य और देश की सर्व सम्मत भाषा है। यह अलग बात है कि अभी तक संवैधानिक रूप से इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हो पाया है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय आंदोलनकारियों ने यह महसूस किया की एकमात्र हिंदी भाषा ही ऐसी भाषा है जो दक्षिण के कुछ क्षेत्र को छोड़कर पूरे देश की संपर्क भाषा है। भारत के संविधान में कुल 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। पर हिंदी भाषा ही एक ऐसी भाषा है जो भारत में विभिन्न भाषा भाषाई नागरिकों के मध्य विचार विनिमय और संपर्क के लिए एक बड़ा सहारा है।

हिंदी के विशाल स्वरूप को मद्दे नजर रख पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का या भाषा का बहिष्कार नहीं किया यह शब्द हिंदी की पवित्रता और व्यापकता को इंगित करते हैं। वर्तमान परिस्थितियों एवं समय काल मैं पूरे विश्व में 45 करोड़ लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा है। इसकी सरलता एवं सहजता विश्व के लोगों को अत्यंत प्रभावित भी करती है। हिंदी के विद्वानों,शिक्षाविदों, लेखकों, रचनाकारों और युवा लेखकों द्वारा हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका भी निभाई है। कई नामचीन विद्वान लेखक जिन्होंने हिंदी को वैश्विक भाषाई शिखर पर पहुंचाया है। इसी अनुक्रम में 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एकमतेन हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का निर्णय भी लिया गया था। और हिंदी दिवस मनाने का एकमात्र उद्देश्य राजकीय कार्यालयों इसके व्यापक प्रचार प्रसार एवं पत्राचार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की ही है। हिंदी भाषा को पूरे विश्व में द्वितीय भाषा के रूप में माना जाता है। हिंदी नए वैश्विक स्तर पर अपने चलन के कारण अंग्रेजी भाषा को भी काफी पीछे छोड़ दिया है। आज हिंदी भाषा का कंप्यूटर,इंटरनेट ई बुक, सोशल मीडिया, विज्ञापन, टेलीविजन रेडियो आदि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर प्रयोग किया जा रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या विदेशी व्यापारियों के लिए एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है। यही कारण है कि विदेशी कंपनियां अपने सभी विज्ञापनों एवं सामानों में हिंदी भाषा का उपयोग कर भारतीय जनमानस को अपने उत्पादों के प्रति आकर्षित करना चाहती है।यही वजह है कि हिंदी का व्यापक प्रचार-प्रसार भी इसी माध्यम से हो रहा है। विदेशों में भारतीय फिल्मों ने भी हिंदी का बड़ा और वृहद प्रचार प्रसार किया है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, रूस मैं निवासरत भारतीय लोग हिंदी के प्रचार में निरंतर लगे हुए हैं। वहां हिंदी बोली तथा समझी जाती है।

एनी बेसेंट ने सत्य कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सबसे प्रभावशाली बन कर सामने आती है वह है हिंदी, जो हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर हिंदी बोलने वाला से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा भी अपने सामानों को बेचने के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग करना पड़ रहा है। भारत में कुछ काले अंग्रेज लोग जो सिर्फ महानगरों में अंग्रेजी को ही महत्त्व देते हैं, उन्हें इस बात को समझ जाना चाहिए की भविष्य में हिंदी का भविष्य वैश्विक स्तर पर उज्जवल है। और उन्हें हिंदी भाषा बोलने में शर्म नहीं आनी चाहिए। अंग्रेजी भाषा एक अंतरराष्ट्रीय भाषा है वह जरूर बड़ी कंपनियों मैं विदेश में नौकरी दिलाने का माध्यम बन सकती है, पर हिंदी देश का गौरव और नागरिकों की आत्माओं में बसी एक पवित्र धारा है ।

एथलेटिक्स में देश की उम्मीदों को नई उड़ान देते नीरज चोपड़ा

- योगेश कुमार गोयल

ओलंपिक हो या विश्व चैंपियनशिप अथवा ऐसी ही दूसरी प्रतियोगिताएं, भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा लगभग प्रत्येक स्पर्धा में कमाल का प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले 13 महीनों में नीरज ने ओलंपिक सहित सभी बड़े मुकाबलों में पदक जीते हैं और हर जगह अपनी प्रतिभा का शानदार नजारा पेश करने के बाद भारत के गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा ने एक फिर इतिहास रचा है। नीरज ने 26 अगस्त को डायमंड लीग सीरीज का लुसाने चरण जीतकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था और अब 8 सितम्बर की रात ज्यूरिख में डायमंड लीग में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उनकी इस उपलब्धि पर देश के जाने-माने उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने भी एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि नीरज का मतलब कोई रोक नहीं सकता है। डायमंड लीग सीरीज का लुसाने चरण जीतने के बाद से ही नीरज को इस खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था और नीरज ने इसे साबित भी कर दिखाया। उन्होंने ज्यूरिख में 88.44 मीटर भाला फैंककर चेक गणराज्य के जैकब वादलेच्चो को पछाड़कर डायमंड लीग मुकाबला अपने नाम कियाा। नीरज की पहली थ्रो फाउल गई जबकि दूसरी थ्रो ने 88.44 मीटर की दूरी नापी, जो उन्हें खिताब दिलाने के लिए पर्याप्त थी। उन्होंने तीसरी थ्रो 88, चौथी 86.11, पांचवीं 87 और छठी अंतिम थ्रो 83.6 मीटर फैंकी। दूसरे स्थान पर रहे वादलेच्चो ने नीरज के साथ ही ओलंपिक में पदक जीता था। इससे पहले जुलाई माह में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी होने का तमगा हासिल करने के बाद नीरज ने डायमंड लीग सीरीज के लुसाने चरण में 89.08 मीटर के अपने पहले ही थ्रो के साथ जीत दर्ज करते हुए फाइनल के लिए जगह बनाई थी और उस मुकाबले को जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने थे तथा अगले साल बुडापेस्ट (हंगरी) में आयोजित होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए भी 85.20 मीटर क्वालीफाइंग मार्क को तोड़कर क्वालीफाई किया था। लुसाने डायमंड लीग में टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता जैकब वादलेच्चो 85.88 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर जबकि 83.72 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ यूएसए के कर्टिस थॉम्पसन तीसरे स्थान पर रहे थे। नीरज से पहले डिस्कस थ्रोअर विकास गौड़ा डायमंड लीग में शीर्ष तीन में रहने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी थे, जो न्यूयॉर्क में 2012 में तथा दोहा में 2014 में दूसरे स्थान और 2015 में शंघाई तथा यूजीन में तीसरे स्थान पर रहे थे। लगातार ऐसी ही सफलताएं हासिल करने के कारण ही नीरज को अब भारतीय एथलेटिक्स की अभूतपूर्व सफलता का अग्रदूत भी माना जाने लगा है। हालांकि लंबी कूद खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर तथा 3000 मीटर स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले ने भी डायमंड लीग में भाग लिया था लेकिन वे शीर्ष तीन में जगह बनाने में सफल नहीं हो सके थे। श्रीशंकर अगस्त माह की शुरुआत में मोनाको में छठे स्थान पर रहे थे जबकि साबले जून में मोरक्को के रबात में पांचवें स्थान पर रहे थे। नीरज के लिए डायमंड लीग की जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका मानना है कि डायमंड लीग का आयोजन प्रतिवर्ष होता है और डायमंड लीग मीट या महाद्वीपीय टूर जैसी प्रतियोगिताओं में एथलीटों को शानदार अवसर मिलता है, जो उन्हें अच्छा करने का मौका देती हैं। नीरज का मानना है कि हमें केवल ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल, विश्व चैंपियनशिप जैसे ऐसे खेल आयोजनों पर ही ध्यान नहीं देना चाहिए, जिन्हें दो या चार साल के अंतराल पर खेला जाता है बल्कि डायमंड लीग मीट या महाद्वीपीय टूर जैसी प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लेना चाहिए क्योंकि इन प्रतियोगिताओं में विश्वस्तरीय एथलीट हिस्सा लेते है, जिससे प्रमुख टूर्नामेंटों के लिए अच्छी तैयारी करने में बड़ी मदद मिलती है।

विश्व भाषा की ओर बढ़ती हिन्दी की भारत में उपेक्षा क्यों?

- ललित गर्ग-

विश्व भाषा बनने की ओर हिन्दी के बढ़ते कदम भारत के लिये एक बड़ी उपलब्धि है। हिन्दी विश्व भाषा बनने की समस्त अर्हताएं एवं विशेषताएं स्वयं में समाये हुए है। हिन्दी स्वयं में अपने भीतर एक अन्तर्राष्ट्रीय जगत छिपाये हुए हैं। आर्य, द्रविड, आदिवासी, स्पेनी, पुर्तगाली, जर्मन, फ्रेंच, अंग्रेजी, अरबी, फारसी, चीनी, जापानी, सारे संसार की भाषाओं के शब्द इसकी विश्वमैत्री एवं वसुधैव कुटुम्बकम वाली प्रवृत्ति को उजागर करते हैं। विश्व में हिंदी भाषी करीब 70 करोड़ लोग हैं। यह तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है। इस समृद्ध एवं वैश्विक गरिमा वाली भाषा का हिन्दी दिवस प्रत्येक 14 सितबंर को मनाया जाता है। देश की आजादी के पश्चात 14 सितंबर, 1949 को भारतीय संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी हिन्दी को अंग्रेजी के साथ राष्ट्र की आधिकारिक भाषा के तौर पर स्वीकार किया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू ने 1953 से सम्पूर्ण भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की।

हिंदी दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई और आज इस दिवस की अधिक प्रासंगिकता क्यों उभर रही है? क्योंकि विश्व में प्रतिष्ठा पा रही हिन्दी की हमारे देश में दिन-प्रतिदिन उपेक्षा होती जा रही है, हिन्दी पर अंग्रेजी का प्रभाव बढ़ता जा रहा है और यदि ऐसा ही चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं है जब हिन्दी हमारे अपने ही देश में विलुप्तता के कगार पर पहुंच जायेगी। जबकि हिन्दी राष्ट्रीयता की प्रतीक भाषा है, उसको राजभाषा बनाने एवं राष्ट्रीयता के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठापित करने के साथ-साथ इसे संयुक्त राष्ट्र संघ की सातवीं आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकृति दिलाने के लिये ठोस कदम उठाये जाने की अपेक्षा है। हिन्दी में यह शक्ति कब आएगी कि वह विश्व के लिये एक ऐसी महत्वपूर्ण भाषा बन जाये, जिसकी उपेक्षा न देश में और न दुनिया में हो सके। यह तभी संभव है जब हमारी मानसिकता बदले, हम हिन्दी को बोलते हुए गर्व का अनुभव करें एवं स्वयं के देश में हिन्दी को प्रतिष्ठापित करें, सम्मान करें। आचार्य विनोबा भावे ने सही कहा कि हिंदी को गंगा नहीं बल्कि समुद्र बनना होगा।

हिंदी को दबाने की नहीं, ऊपर उठाने की आवश्यकता है। हमने जिस त्वरता से हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने की दिशा में पहल की, उसी त्वरा से राजनैतिक कारणों से हिन्दी की उपेक्षा भी है, यही कारण है कि आज भी हिन्दी भाषा को वह स्थान प्राप्त नहीं है, जो होना चाहिए। राष्ट्र भाषा सम्पूर्ण देश में सांस्कृतिक और भावात्मक एकता स्थापित करने का प्रमुख साधन है। भारत का परिपक्व लोकतंत्र, प्राचीन सभ्यता, समृद्ध संस्कृति तथा अनूठा संविधान विश्व

भर में एक उच्च स्थान रखता है, उसी तरह भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक राष्ट्र भाषा हिन्दी को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में हिन्दी को राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप में स्कूलों, कॉलेजों, अदालतों, सरकारी कार्यालयों और सचिवालयों में कामकाज एवं लोकव्यवहार की भाषा के रूप में प्रतिष्ठा मिलना चाहिए।

हिंदी भारत की राजभाषा है। सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व को समेट हिंदी अब विश्व में लगातार अपना फैलाव कर रही है। देश-विदेश में इसे जानने-समझने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। इंटरनेट के इस युग ने हिंदी को वैश्विक धाक जमाने में नया आसमान मुहैया कराया किया है। हिंदी जानने, समझने और बोलने वालों की बढ़ती संख्या के चलते अब विश्व भर की वेबसाइट हिंदी को भी तवज्जो दे रही हैं। ईमेल, ईकॉमर्स, ईबुक, इंटरनेट, एसएमएस एवं वेब जगत में हिंदी को बड़ी सहजता से पाया जा सकता है। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, आइबीएम तथा ओरेकल जैसी कंपनियां अत्यंत व्यापक बाजार और भारी मुनाफे को देखते हुए हिंदी प्रयोग को बढावा दे रही हैं।

भारत को बेहतर ढंग से जानने के लिए दुनिया के करीब 115 शिक्षण संस्थानों में हिंदी का अध्ययन अध्यापन होता है। अमेरिका में 32 विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में हिंदी पढ़ाई जाती है। ब्रिटेन की लंदन यूनिवर्सिटी, कैंब्रिज और यॉर्क यूनिवर्सिटी में हिंदी पढ़ाई जाती है। जर्मनी के 15 शिक्षण संस्थानों ने हिंदी भाषा और साहित्य के अध्ययन को अपनाया है। कई संगठन हिंदी का प्रचार करते हैं। चीन में 1942 में हिंदी अध्ययन शुरू हुआ। 1957 में हिंदी रचनाओं का चीनी में अनुवाद कार्य आरंभ हुआ। एक अध्ययन के मुताबिक हिंदी सामग्री की खपत करीब 94 फीसद तक बढ़ी है। हर पांच में एक व्यक्ति हिंदी में इंटरनेट प्रयोग करता है। फेसबुक, ट्विटर और वाट्स एप में हिंदी में लिख सकते हैं। इसके लिए गूगल हिंदी इनपुट, लिपिक डॉट इन, जैसे अनेक सॉफ्टवेयर और स्मार्टफोन एप्लीकेशन मौजूद हैं। हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद भी संभव है।

विश्व स्तर पर हिन्दी की प्रतिष्ठा के बावजूद भारत में उसकी उपेक्षा क्यों? इस सन्दर्भ में महात्मा गांधी ने अपनी अन्तर्वेदना प्रकट करते हुए कहा था कि भाषा संबंधी आवश्यक परिवर्तन अर्थात हिन्दी को लागू करने में एक दिन का विलम्ब भी सांस्कृतिक हानि है। मेरा तर्क है कि जिस प्रकार हमने अंग्रेज लुटेरों के राजनैतिक शासन को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया, उसी प्रकार सांस्कृतिक लुटेरे रूपी अंग्रेजी को भी तत्काल निर्वासित करें।' आजादी के अमृत महोत्सव तक पहुंचाने के बाद भी आजाद भारत में भी हमने हिन्दी को उसका गरिमापूर्ण स्थान न दिला सके, यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी राष्ट्रीयता पर एक गंभीर प्रश्नचिन्ह है। गतदिनों पूर्व उपराष्ट्रपति वैंकय्या नायडू ने हिन्दी के बारे में ऐसी ही बात कही थी, जिसे कहने की हिम्मत महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी और डॉ. राममनोहर लोहिया में ही थी। उन्होंने कहा कि 'अंग्रेजी एक भयंकर बीमारी है, जिसे अंग्रेज छोड़ गए हैं।'' आजादी के 75 साल बाद भी सरकारें अपना काम-काज अंग्रेजी में करती हैं, यह देश के लिये दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति है। वैंकय्या नायडू का हिन्दी को लेकर जो दर्द एवं संवेदना है, वही स्थिति सरकार से जुड़े हर व्यक्ति के साथ-साथ जन-जन की होनी चाहिए। हिन्दी के लिये दर्द, संवेदना एवं अपनापन जागना जरूरी है। कोई भी देश बिना अपने राजभाषा के ज्ञान के तरक्की नहीं कर सकता है।

राष्ट्रभाषा को प्रतिष्ठापित करने एवं सांस्कृतिक सुरक्षा के लिये अनेक विशिष्ट व्यक्तियों ने व्यापक प्रयत्न किये। सुमित्रानन्दन पंत, महादेवी वर्मा और आगरा के सांसद सेठ गोविन्ददासजी ने अंग्रेजी के विरोध में अपनी पद्मभूषण की उपाधि केन्द्र सरकार को वापिस लौटा दी। वर्तमान में हिन्दी की दयनीय दशा देखकर मन में प्रश्न खड़ा होता है कि कौन महापुरुष हिन्दी को प्रतिष्ठित करने का प्रयत्न करेगा? हिन्दी राष्ट्रीयता एवं राष्ट्र का प्रतीक है, उसकी उपेक्षा एक ऐसा प्रदूषण है, एक ऐसा अंधेरा है जिससे छांटने के लिये ईमानदार प्रयत्न करने होंगे। क्योंकि हिन्दी ही भारत को सामाजिक-राजनीतिक-भौगोलिक और भाषायिक दृष्टि से जोड़नेवाली भाषा है। भाषायी संकीर्णता न राष्ट्रीय एकता के हित में है और न ही प्रान्त के हित में। प्रान्तीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना, जिससे राष्ट्रीय भाषा के साथ टकराहट पैदा हो जाये, यह देश के लिये उचित कैसे हो सकता है?

हिन्दी विश्व की एक प्राचीन, समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ ही हमारी राजभाषा भी है, यह हमारे अस्तित्व एवं अस्मिता की भी प्रतीक है, यह हमारी राष्ट्रीयता एवं संस्कृति की भी प्रतीक है। हिन्दी के महान कवि एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी अपने देश की हिन्दी भाषा, अपने देश की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की महान संस्कृति में सारी मानव जाति की भलाई को देखते थे। हिन्दी को वोट मांगने और अंग्रेजी को राज करने की भाषा बनाना हमारी राष्ट्रीयता का अपमान नहीं हैं? कुछ लोगों की संकीर्ण मानसिकता है कि केन्द्र में राजनीतिक सक्रियता के लिये अंग्रेजी जरूरी है। हमारी राष्ट्रभाषा दुनिया में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में दूसरे नम्बर पर है, फिर हमें क्यों इसे बोलने एवं उपयोग करने में शर्म महसूस होती है?

तुमसे किस बात की वैमनस्यता ?

सांसारिक जीवन में ईर्ष्या और दोषारोपण का अवक्षेप अवश्य प्रासंगिक होता है।प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह सफल हो या असफल या मध्यस्थ तीनों ही अवस्थिति में कुछ मूर्खों की विद्वता का प्रदर्शन निंदनीय कार्यों के बढ़ते प्रभावों को देखकर लगाया जा सकता है। संभवत: इसी पर ध्यानाकर्षण करते हुए कबीरदास जी कहते हैं कि,

'निंदक नियरे राखिए, ऑंगन कुटी छवाय।
बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय।'

भावार्थ कहते हैं कि , जो आपकी निंदा करता है, उसे अपने अधिकाधिक पास ही रखना चाहिए। वह तो बिना साबुन और पानी के हमारी कमियां बता कर हमारे स्वभाव को साफ़ करता जाता है। ये ऐसे उत्प्रेरकों का कार्य करते हैं जिनकी उपस्थिति में आपको ही लाभ होगा।सांसारिक जीवन की अच्छी बात यह है की यह आपके दृष्टिकोण पर निर्भर करती है।

जैसे आप चाहते है वैसी अनुकूल स्थिति का निर्माण आप स्वयं करते चले जाते हैं। प्रस्तावित लक्ष्यों के अगम्य पटल पर अदम्य साहस भरती प्रकृति आपको वो सारे संसाधन से लब्धि कर देती है ।जो आपके जीवन के सफलता के लिए सहायक हैं।अब निश्चय और परीक्षा में कनक बनने की बारी आपकी है।इसी परीक्षा के घड़ी में ये निंदकों की भूमिका को उत्प्रेरकों की भूमिका में रूपांतरण करना आपका दायित्व है।जैसे किसी जीव के मृत्यु के पश्चात् उसके इर्द गिर्द मास नोचने वाले जीवों को आमंत्रण की आवश्यकता नहीं होती हैं।ठीक उसी समान जीवन के लंबे सड़क पर ऐसे रक्त पिशाचु मिलते रहते हैं।

ये प्रकृति के असीमित संभावना का असर है कि जो जैसा सोचता है वैसे बन जाता है। उदाहरणार्थ किसी प्राकृतिक विशुद्ध वातावरण वाले क्षेत्र में जाने से आपकी कल्पनाओं,भावनाओं के लहर का तेज दोगुना हो जाता है।मन से व्यथित व्यक्ति शांति के तलाश में पहाड़ में असीमित शांति पाता है।युवाओं का झुंड उत्साह की तलाश में पहाड़ पर जाकर मर्कट क्रीड़ा में लिप्त हो जाता है। ध्यान के लिए गया मनुष्य मनीषी बनकर लौटता है।कारण है, प्रकृति माँ है और माँ सदैव अपने संतान के मांग के प्रति दोगुनी स्नेह से प्रेम पोषित करती है। कुछ मतिहीन मनुज इसी सांसारिक भूमि को सर्वस्वरूप जानकर कलेवर और अहंकार के भँवर में फंसकर शोक ग्राही होते जाते हैं।

जिस व्यक्ति विशेष की आवश्यकता से अल्प की चाह है वास्तव में वह सुखी है और आवश्यकताओं पर नियंत्रण रखने वाला व्यक्ति योगी बन जाता है।

सांसारिक जीवन जहां सुख-दुख की पुनरावृत्ति ज्वार-भांटे के समान होती है। इसी कालग्रही मंच पर अभिनयों के मंचन का सुदर दर्शन यह है की मोह से एक स्तर ऊँचा उठा जा सकता है।

जहां लोक लाज,लोक उक्ति और लोग मिथ्या के सागर से पार निकला जा सकता है।यह सिद्ध स्थिति का पर्याय है जीवन में शांति और निश्चित विश्वास का होना।जहाँ लोगों के स्वरों को शून्य कर दो, क्योंकि यह वही भवसागर है जहाँ ईश्वर को भी लोक अवक्षेप का सामना करना पड़ा था। यह वहीं भव सागर है जहाँ लोग भगवान से भी खुश नहीं,दर्शन का प्रयोजन भी मनोरथ सिद्धि की उद्देशिका को प्रदर्शित करता है।ऐसे में हम और आप क्या है? यदि आप अपनी गणना इस शारीरिक संरचना की करते हैं तो निश्चय ही जीवन न्यून है लेकिन यदि प्रकृति के निकाय के रूप में करते हैं तो आप अनंत है। यह शारीरिक संरचना तो निश्चय ही एक क्षणोपरांत ढल ही जायेगा। ऐसे नश्वरता के खंडहरों से क्या वैमनस्यता का पालन करें।इससे तो अच्छा वैमनस्यता आलस्य, भेद, असफलता, मोह, करुणा, अहंकार से करे जो आपको निर्बाध प्रकृति में समाहित होकर प्राकृतिक सत्ता का बनने से रोक रहा है, क्योंकि प्रकृति ही केवल शाश्वत है।

लेखक
पुखराज प्राज
छत्तीसगढ़

विश्व भाषा की सफर में बढ़ती हिन्दी

डॉ नन्दकिशोर साह

भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा हिंदी है। इसे राजभाषा का दर्जा 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा दिया गया। अतः प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। वैसे तो भारत देश में बहुत भाषाएं बोली जाती है परन्तु हिंदी भाषा का अपना ही एक महत्व है जिसके कारण यह लोगों के हृदय में एक महत्वपूर्ण स्थान लिए हुए हैद्य क्योंकि पूर्व में काफी लम्बे समय से हिंदी भाषा का उपयोग होता आ रहा हैद्य भक्तिकाल में पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक चारों दिशाओं में अनेक संतों द्वारा हिन्दी भाषा में ही रचना की गयी है। स्वतंत्रता के समय के राजनेताओं जैसे राजाराम मोहन राय, स्वामी दयानन्द सरस्वती, महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस, सुब्रह्मण्य भारती आदि द्वारा हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने का सपना देखा गया था। अधिकांश भारतीयों द्वारा बोली जाने के कारण हिंदी को महात्मा गांधी ने 1917 में गुजरात के सम्मेलन में राजभाषा के रूप में स्वीकारे जाने के लिए ज़ोर दिया था।

हिन्दी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना है। यह करीब 11वीं शताब्दी से ही राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित रही है। उस समय भले ही राजकीय कार्य संस्कृत, फारसी, अंग्रेजी में होते रहे हो परन्तु सम्पूर्ण राष्ट्र में आपसी सम्पर्क, संवाद-संचार, विचार- विमर्श, जीवन-व्यवहार का माध्यम हिन्दी ही रही है। अतीत के महापुरुषों जैसे भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, स्वामी दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी आदि ने राष्ट्रभाषा हिन्दी के माध्यम से ही सम्पूर्ण राष्ट्र से सम्पर्क किया और सफलता हासिल की। इसी के कारण आजादी के पश्चात संविधान-सभा द्वारा बहुमत से 'हिन्दी' को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय किया था। उसके बाद वह साहित्यिक भाषा के क्षेत्र में इसका विकास हुआ। समाचार-पत्रों में 'पत्रकारिता हिन्दी' का विकास हुआ। प्रादेशिक प्रशासन में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखण्ड राजभाषा हिन्दी का प्रयोग कर रहे हैं। केन्द्रीय सरकार भी अपने अनेक कार्यो में हिंदी प्रयोग को बढ़ावा दे रही है। 10 जनवरी, 2006 के दिन से विश्व हिंदी दिवस मनाने की घोषणा की गई। इससे दुनिया भर के लोगों को हिंदी की ओर आकर्षित करने की कोशिश बढ़ी है। हिंदी लगातार वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति और ताकत बढ़ा रही है, परन्तु उसे अपने ही घर में एक स्तर पर उपेक्षा भी झेलनी पड़ रही है। हिंदी बोलने वालों की संख्या में हर जनगणना में वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 1961 में जहां हिंदी भाषी लोगों की संख्या 30.4 फीसदी थी, वहीं 2011 में यह संख्या बढ़कर 43.63 फीसदी हो गई है। तमाम कोशिशों के बावजूद अब भी हिन्दी शैक्षणिक माध्यम नहीं बन पाई है। नीति निर्धारकों और प्रशासनिक तंत्रों का मुख्य कार्य अंग्रेजी में होता है और हिंदी में उसका अनुवाद भर होता है। यही वजह है कि वैश्विक प्रसार के बावजूद हिंदी ताकतवर और प्रतिष्ठित नहीं बन पा रही है। हिंदी समझने और बोलने वालों की संख्या हो या इंटरनेट पर हिंदी के विस्तार के आंकड़े, वे सभी उत्साहवर्धक है। आज दुनिया भर में 150 से ज्यादा देशों के 200 विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जा रही है। अमेरिका के 30 से ज्यादा विश्वविद्यालयों व शैक्षणिक संस्थाओं में हिंदी की पढ़ाई हो रही है। इसी तरह जर्मनी के 15 संस्थानों में हिंदी भाषा और साहित्य का अध्ययन हो रहा है। ब्रिटेन की लंदन, कैंब्रिज और यार्क यूनिवर्सिटी में भी हिंदी पढ़ाई जाती है। चीन, जापान, हंगरी, रूस और देशों में भी हिंदी की पढ़ाई हो रही है। यही नहीं भारत की बेहतर जानकारी के लिए दुनिया भर में करीब सवा सौ संस्थानों में हिंदी का अध्ययन- अध्यापन हो रहा है। विश्व में करीब 1 अरब से ज्यादा लोग न सिर्फ हिंदी बोल सकते हैं बल्कि इसे लिख और समझ भी रहे हैं। विश्व में हिंदी तीसरे स्थान पर भले ही हो परंतु नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान मलेशिया ब्रिटेन अमेरिका जैसे देशों में हिंदी के जरिए भारतीयता भी विकसित हो रही है। इसी तरह फिजी, मॉरीशस, गुयाना, सूरीनाम में हिंदी को अल्पसंख्यक भाषा का दर्जा हासिल हो चुका है।जापान, कोरिया, चीन, रूस, इंग्लैंड, इटली, जर्मनी, फ्रांस, कनाडा, अमेरिका, मेक्सिको आदि अनेक देशों में हिंदी भाषा और साहित्य पर शोध कार्य भी हो रहा है। मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका, जुआना तथा सूरीनाम तो ऐसे देश है जहां भारत मूल की हिंदी प्रदेशों से ही लोग बसे हैं।

किसी भी देश की सभ्यता को, वहां की भाषा से जाना जा सकता है। हिंदी भाषा ने बहुत कम समय में प्रगति की। हिंदी एक दिन में नहीं बनी थी, इसके शब्दों को मोती की तरह हमारे कवियों , साहित्यकारों ने एक सूत्र में पिरोया है। यह भारतेंदु जी, महावीर प्रसाद द्विवेदी जी, मैथिलीशरण गुप्त जी के अथक प्रयास का फल है। इसके प्रचार प्रसार ने चारों तरफ जोर पकड़ा और हिंदी भाषा उन्नति के मार्ग पर तेजी से अग्रसर होती चली गई। आश्चर्य की बात है कि विश्व का शायद ही कोई साहित्य इतने कम समय में इतनी ऊंचाई को प्राप्त कर सका हो, क्योंकि हिंदी में जो बोला जाता है, वही लिखा जाता है। यही कारण है कि हिंदी भाषा ने अपने शुरुआती दौर में ऊंचाइयों को छुआ। दुनिया की कोई ऐसी भाषा हिंदी की सफलता की बराबरी नहीं कर सकती। हिंदी को बढ़ाने में फिल्म, मनोरंजन, रंगमंच का योगदान रहा है। जनसंचार के माध्यम से हिंदी भू-भाग पर फैला है और अंतरराष्ट्रीय बनाने में योगदान दिया है। धर्म-दर्शन सहित बच्चों के लिए तरह-तरह के मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों को रूपांतरित कर के हिंदी में प्रसारित कर रहे हैं। हिंदी फिल्म देश में ही नहीं विदेशों में भी बहुत पसंद की जाती है।

संसार में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में मैंडेरिन चीनी, अंग्रेजी और स्पैनिश के बाद हिन्दी चौथे स्थान पर अपना स्थान सुनिश्चित करती हैद्य परन्तु दूसरी भाषा के रूप में प्रयोग में लायी जाने वाली भाषा के रूप में देखा जाए तो पूरे विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में अंग्रेजी के बाद हिन्दी का ही नाम आता हैद्य हिंदी दरिद्र नहीं है। उसका अपना वैभव है। खतरा भाषा को नहीं है। वह तो बहता नीर है। नदी है। उसे रोकेंगे तो वह समाप्त होगी।

कई देश ने अपनी अपनी भाषा में ही ज्ञान विज्ञान की पूर्णता प्राप्त की है। अंग्रेजी भाषा जिन पर बुरी तरह हावी हो चुकी है। वही यह तर्क देते हैं कि बिना अंग्रेजी के भारत पिछड़ जाएगा। भारत में केवल 2त्न लोग ही अंग्रेजी जानते हैं। यदि जापान और जर्मनी जैसे देश अंग्रेजी के बिना अपनी-अपनी भाषाओं के माध्यम से विज्ञान की नवीनतम जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, तो हम अपनी हिंदी के जरिए ऐसा क्यों नहीं कर सकते?

जब हम हिन्दी भाषी प्रदेशों में अंग्रेजी भाषा में सड़कों के संकेत दुकानों के नामपट्ट लिखा होता है। कई बार शिक्षित हिंदी भाषी की जब विवाह, शादी समारोह में निमंत्रण पत्र अंग्रेजी भाषा में छपते हैं, तो यह बहुत शर्मनाक को लगता है। यह तो हाइब्रिड दौर है, मोबाइल चार्ज करना है, ईएमआई जमा करना है, तो अंग्रेजी से गुजरना ही होगा। आकाशीय चैनलों से उतरने वाली और मोबाइल से बेडरूम तक घर-घर में आज हिंदी पड़ोसी जा रही है। आज सूचना, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के चलते पूरे विश्व की दूरियां सिमट गई है। हिंदी की दुनिया केवल अपने देश तक ही सीमित नहीं है बल्कि विश्व स्तर तक फैल चुकी है। आज के वातावरण में हिंदी के चारों ओर सुनाई दे रहा है। हिंदी भाषी क्षेत्रों के लोगों को अंग्रेजी के बहिष्कार तथा हिंदी के उपयोग का दृढ़ संकल्प लेना चाहिए।

शार्ट न्यूज

कानपुर समेत यूपी के 10 पॉलीटेक्निक बनेंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

कानपुर। प्रदेश के 10 पॉलीटेक्निकों संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। प्राविधिक शिक्षा निदेशालय ने प्रदेशभर के इन 10 संस्थानों को चयन कर लिया है। अब बस शासन की अनुमति का इंतजार किया जा रहा है। लखनऊ, बरेली, झांसी, कानपुर, गोरखपुर, मिर्जापुर, मुरादाबाद (सभी राजकीय पॉलीटेक्निक), प्रयागराज व वाराणसी की राजकीय महिला पॉलीटेक्निक और आगरा के राजकीय चर्म संस्थान को पहले लाइट हाउस संस्थानों के रूप में तैयार किया जाएगा। बाद में इन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा दिया जाएगा। निदेशक प्राविधिक शिक्षा दिनेश मोहन सिंह ने बताया कि चुनी गईं पॉलीटेक्निकों में सबसे पहले एआईसीटीई के मानकों को प्राथमिकता पर पूरा कराया कराया जाएगा। इन पॉलीटेक्निकों में मौजूद लैबों को अत्याधुनिक बनाया जाएगा। इनोवेशन सेंटर खोलने और कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड लगाने पर भी मंथन किया जा रहा है।

पीलीभीत : दुष्कर्म पीड़िता गंभीर हालत में इलाज के लिये लखनऊ भेजी गयी

पीलोभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में सामूहिक दुष्कर्म की पीड़ित दलित समुदाय की किशोरी को जिंदा जलाए जाने के मामले में पुलिस ने दोनों वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जले भेज दिया। इस बीच पीड़िता की हालत गंभीर होने पर सोमवार को उसे उपचार के लिये लखनऊ भेजा गया है। पीलीभीत के पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार प्रभु ने सोमवार को बताया कि पीड़िता की तबियत में सुधार नहीं होने पर उसे लखनऊ रेफर किया गया है। इससे पहले दोनों वांछित, ताराचंद और राजवीर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस दोनों को आज अदालत में पेश करेगी। इस मामले में दलित समुदाय की नाबालिक किशोरी को दो शोहदों ने दुष्कर्म कर जिन्दा जलाने का प्रयास किया। वारदात को अंजाम देकर बेखौफ दबंग मौके से भाग निकले। उसे गंभीर हालत में परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया। वारदात के चार दिन बाद रविवार को इस वारदात की जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस सक्रिय हुयी। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर रविवार को देर रात दोनों वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा सका।

अमेठी : अवैध मदरसे पर चला बुलडोजर, मुक्त हुई चारागाह की जमीन

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी में बांदा टांडा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एक मदरसे की इमारत को अदालत द्वारा अवैध करार देने के बाद जिला प्रसाशन ने सोमवार को बुलडोजर से ढहा दिया। मदरसे को चारागाह की जमीन पर अवैध रूप से बनाया गया था। अमेठी के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) और पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) समेत पांच थानों के पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर से मदरसे की इमारत को ढहा दिया गया। अमेठी के जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि जिले के गौरीगंज थाना क्षेत्र में टांडा बांदा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गूजरटोला गांव में चारागाह की जमीन पर अवैध रूप से निर्मित मदरसे को बुलडोजर से ढहा दिया गया। उन्होंने बताया कि लगभग 30 साल से यह मदरसा अवैध रूप से चलाया जा रहा था। यह मामला स्थानीय न्यायालय में काफी दिनों से चल रहा था। अदालत द्वारा मदरसे की इमारत को अवैध घोषित करने के बाद राजस्व और पुलिस महकमे की टीम ने आज सुबह इसे ढहा दिया। इस कार्रवाई से इलाके में कानून व्यवस्था बहाल रखने के लिये जिला प्रशासन ने आसपास के पांच पुलिस थानों की टीमें तैनात की थीं। अमेठी के पुलिस अधीक्षक इलामारन जी. ने बताया की चारागाह की जमीन पर मदरसे का निर्माण कर अवैध कब्जा किया गया था। इसे अदालत के आदेश पर बुलडोजर से ढहा दिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस और राजस्व विभाग की टीम ने बिना किसी विघ्न बाधा के अवैध निर्माण को ढहा दिया।

अमृत सरोवरों के विकास में उत्तर प्रदेश देश में पहले पायदान पर

लखनऊ। देश में जलाशयों के पुनरुद्धार के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरु की गयी महत्वाकांक्षी 'अमृत सरोवर योजना' को लागू करने में उत्तर प्रदेश पहले पायदान पर आ गया है। अमृत सरोवर योजना के बारे में सोमवार को राज्य की योगी सरकार द्वारा जारी किये गये आंकड़ों के मुताबिक अमृत सरोवरों के निर्माण में देश के सभी राज्यों को पीछे छोड़ते हुए उत्तर प्रदेश में 08 हजार से अधिक अमृत सरोवर का निर्माण कर लिया गया है। इस मामले में मध्य प्रदेश दूसरे स्थान पर, जम्मू-कश्मीर तीसरे, राजस्थान चौथे और तमिलनाडु पांचवे स्थान पर है। ज्ञात हो कि इस योजना के तहत जिला स्तर पर नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर हो चुके तालाबों का जीर्णोद्धार कर इन्हें पुनर्जीवित किया जा रहा है। इन्हें अमृत सरोवर का नाम दिया गया है। सरकार की ओर से बताया गया कि उत्तर प्रदेश का लखीमपुर खीरी जिला 256 अमृत सरोवरों का निर्माण कर राज्य में पहले स्थान पर रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्वाचन क्षेत्र गोरखपुर दूसरे और प्रतापगढ़ तीसरे स्थान पर है। ग्राम्य विकास विभाग के निदेशक जीएस प्रियदर्शी ने बताया कि प्रदेश की विभिन्न ग्राम पंचायत में 15,497 जलाशयों को अमृत सरोवर के रूप में चिह्नित किया गया। इनमें से 8,462 से अधिक अमृत सरोवर विकसित कर पूरे प्रदेश ने देश में पहला स्थान हासिल किया है।

हमीरपुर में सरकारी जमीनों पर कब्जे और चित्रकूट में स्टाम्प चोरी जोरों पर : डीआईजी

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में चित्रकूटधाम मंडल के उपमहानिरीक्षक स्टाम्प (डीआईजी) एके पासवान ने रविवार को कहा कि हमीरपुर जिले में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे और चित्रकूट जिले में स्टाम्प चोरी की समस्या गंभीर है। इसे रोकने के लिये सख्त कार्रवाई की जायेगी। पासवान ने रविवार को यहां संवाददाताओं के सवालों के जवाब देते हुए दावा किया कि जमीन के बिक्री में सबसे ज्यादा स्टाम्प चोरी चित्रकूट जिले में हो रही है। स्टाम्प चोरी के मामले हमीरपुर की स्थिति फिर भी ठीक है, लेकिन हमीरपुर जिले में सरकारी जमीन पर अनाधिकृत कब्जे के मामले बहुतायत में हैं। इसकी जांच कर कार्यवाही की जायेगी। पासवान ने आज बताया कि ने चार साल बाद हमीरपुर जिले में सड़क किनारे की जमीनों की बिक्री पर स्टाम्प शुल्क में 15 फीसदी की बढ़ोत्तरी की गयी है। दो सप्ताह बाद भी किसी ने अभी तक इस पर कोई आपत्ति दर्ज नहीं करायी है। उन्होंने कहा कि हमीरपुर नगर सीमा से लगे कई गांवों में लोगों ने सड़क किनारे सरकारी भूमि पर कब्जा कर मकान बना लिये हैं। जिससे साफ तौर पर राजस्व का नुकसान हो रहा है। इस मामले में वह शीघ्र ही शासकीय अधिवक्ता (राजस्व) से संपर्क कर कार्रवाई करेंगे।

यूपी की सत्ता में वापसी का अखिलेश का सपना नहीं होगा पूरा : नितिन अग्रवाल

इटावा। उत्तर प्रदेश के आबकारी राज्य मंत्री नितिन अग्रवाल ने दावा किया है कि आने वाले 25 सालों तक समाजवादी पार्टी (सपा) की राज्य की सत्ता में वापसी नहीं हो पाएगी। उत्तर प्रदेश व्यापार संगठन के समारोह मे शामिल होने के बाद पत्रकारो से बातचीत में रविवार को कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव साल 2014 से लगातार हर चुनाव में पराजित हो रहे हैं। उन्हें सोचना चाहिए कि पराजय क्यों हो रही है। सत्ता में वापसी का सपना अखिलेश पूरी तरह से छोड़ दें क्योंकि अब वह सत्ता में वापस आने की स्थिति में नहीं बचे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विपक्षी दलों में एकता के प्रयास पर सीधी प्रतिक्रिया से बचते हुये उन्होने कहा उनका कोई पता नहीं वह कब किसके साथ में रहते हैं कब किस से अलग हो जाते हैं। प्रदेश में मदरसों की जांच को लेकर पूछे गये सवाल पर उन्होने कहा सवाल उठाने वाले नहीं चाहते हैं कि मुस्लिम तबके के लोग अंग्रेजी की शिक्षा हासिल करें या फिर किसी अन्य विषय को पढ़ सकें। अग्रवाल ने कहा कि कभी यूपी की पहचान दंगा प्रदेश की थी लेकिन 2017 में योगी के सीएम बनने के बाद बदलाव आया है। 2013 में मुजफ्फरनगर में दंगा हुआ था और मुलायम परिवार के सदस्य सैफई में मुंबई की नर्तकियों के बीच मौज मस्ती करने में जुटे थे। उस समय के प्रभावशाली मंत्री के इशारे पर दंगाई आरोपियों को पुलिस ने रिहा कर दिया था।

सोनौली बार्डर पर कार में मिली 73 लाख रुपए नेपाली करेंसी, कस्टम कर रही जांच

> सोनौली में जांच के दौरान भारत से नेपाल जाते समय एक नेपाली नंबर कार से पुलिस व एसएसबी की टीम ने 72.80 लाख नेपाली करेंसी बरामद की है। पकड़े गए आरोपी से एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं।
>
> **आतिश कुमार सिंह, एएसपी**

महराजगंज। भारत-नेपाल सीमा पर सोनौली में सोमवार को पुलिस और एसएसबी की टीम ने भारत से नेपाल जा रहे एक नेपाली कार से 72 लाख 80 हजार रुपये नेपाली करेंसी बरामद की है।

इस करेंसी की कीमत भारतीय मुद्रा में करीब 45 लाख रुपये है। कार में करेंसी के साथ पकड़ा गया शख्स नेपाल का रहने वाला है। उससे पुलिस, कस्टम और अन्य एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं।

सोमवार को सोनौली पुलिस व एसएसबी की टीम संयुक्त रूप से बॉर्डर पर नियमित जांच कर रही थी। इसी दौरान नेपाली नंबर की फोर्ड इको कार नेपाल जाने के लिए सीमा पर पहुंची। टीम ने इस कार को रोककर तलाशी ली तो उसमें से 7280000 नेपाली रुपये बरामद हुए हैं, जो कि लगभग 45 लाख भारतीय रुपया है। पुलिस के अनुसार नेपाल के रुपन्देही जिले के भैरहवा दयापथ निवासी सुभाष इस करेंसी के साथ पकड़ा गया है।

अखिलेश के सत्ता में लौटने का सपना नहीं होगा पूरा : साक्षी महाराज

इटावा। अपने विवादित बयानों के कारण चर्चा में रहने वाले उन्नाव के सांसद और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता साक्षी महाराज ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव का उत्तर प्रदेश की सत्ता में लौटने का सपना अब कभी भी पूरा नहीं होगा।

एक धार्मिक समारोह मे शामिल होने यहां आए साक्षी महाराज ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा उत्तर प्रदेश में 80 की 80 सीटें जीतने वाली है। बिहार में हुये बदलाव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये महाराज ने कहा बिल्कुल ठीक है, मैं भी कह रहा हूं तस्वीर 2024 में दिखाई देगी। नीतीश जी ने अपना राजनैतिक करियर चौपट कर लिया है। इतना रंग बदलने वाला और धोखा देने वाला व्यक्ति राजनीति में ढूंढने से नहीं मिलेगा।

कांग्रेस की देश जोड़ो यात्रा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा अरे राहुल गांधी भारत जोड़ेंगे तो तोड़ा किसने था।

पाकिस्तान किसने बनाया था यह सब जानते है। भारत के टुकड़े कांग्रेस के शासनकाल में हुए है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तो उन टूटे हुए टुकड़ों को जोड़ने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस केवल तोड़ने का काम कर रही है। कांग्रेस अलगाववादियों के साथ है जो भारत के विरोधी हैं। उन्हीं के साथ उठती है, बैठती है,बातचीत करती है।

टॉफी का लालच देकर मासूम के साथ किया दुष्कर्म

लहूलुहान हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे परिजन

फतेहपुर पश्चिम। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक मासूम के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। मासूम की हालात बिगड़ने के बाद युवक वहां से भाग गया। पीड़िता के पिता ने शनिवार को इस मामले की जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद रविवार को लिखित रूप से मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई।

ये घटना बरेली के फतेहपुर पश्चिम थाना क्षेत्र का है। जहां आठ सितंबर को 8 वर्षीय मासूम मेला ग्राउंड में खेल रही थी। शाम को एक अज्ञात युवक ने मासूम को टॉफी दिलाने का झांसा देकर अपने साथ लेकर चला गया। परिजनों के मुताबिक युवक जंगल में ले जाकर मासूम के साथ दुष्कर्म किया और हालात बिगड़ने पर उसे छोड़कर भाग गया। इसके बाद पीड़िता घर पहुंची लेकिन डर के मारे किसी से कुछ नहीं कहा। वहीं परिजनों ने भी उसके शरीर कपड़े पर लगे खून पर ध्यान नहीं दिया।

पीड़िता के नाना के मुताबिक शुक्रवार को उसकी हालात बिगड़ने लगी तब परिजनों ने उसे एक प्राइवेट अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने बच्ची के साथ दुष्कर्म की बात बताई। इसके बाद पिता ने मासूम को लेकर मीरगंज स्थित महिला अस्पताल ले गए। जांच के बाद डॉक्टरों ने परिजनों को थाने में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी।

जौनपुर में दुर्गापूजा पंडालों में रहेंगे सुरक्षा के चाकचौबंद इंतज़ाम

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में दुर्गा पूजा के दौरान लगने वाले पंडालों में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किये जा रहे हैं। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को यहां कलेक्ट्रट सभागार में दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों व अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सन्तोष कुमार को निर्देश दिया कि साफ-सफाई रहे। जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियंता को निर्देश दिया कि खराब ट्रांसफर बदल दिए जाएं। जो खुले में रखे गए हों उन्हें ढकने की व्यवस्था तत्काल किया जाये, जर्जर तार कही हो तो बदल दिए जाएं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि त्योहार के दौरान पुलिस व्यवस्था चाक चौबंद रहे, महिला पुलिस भी सक्रिय रहे।

11 महीने बाद जिंदा मिली विवाहिता, पिता ने दामाद पर दर्ज कराई थी बेटी की हत्या का मुकदमा

चकेरी। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक शख्स अपनी पत्नी की हत्या के तहत हिरासत में लिया गया था। लेकिन इस घटना के 11 महीने बाद युवक की पत्नी जिंदा मिली। जांच के दौरान पता चला कि महिला अपने प्रेमी के साथ गुजरात भाग गई थी।

ये घटना चकेरी थाना क्षेत्र के सनिगवां का है। मई साल 2021 में मोहम्मद गुलाब की पत्नी सीमा गायब हो गई थी। उसी दौरान एक महिला की हताया का शव कथरी में लपेटकर फेंका गया था। अक्टूबर 2021 में अज्ञात शव की जानकारी जब सीमा के पिता को हुई तो उन्होंने चकेरी थाने में आकर मृतका के कपड़ों से अपनी बेटी के रूप में पहचान की।

इसके बाद सीमा के पिता ने अपनी बेटी की हत्या का आरोप अपने दामाद मोहम्मद गुलाब पर लगाया। इसके बाद पुलिस ने दामाद को गिरफ्तार कर लिया। वहीं डीएनए जांच के लिए सैंपल भेजे गए थे।

16 महीने बाद जिन्दा मिली विवाहिता

मोहम्मद गुलाब ने बताया कि हाल ही में रिश्तेदारों से जानकारी मिली कि सीमा जिंदा है और अपने मायके में हैं। इसके अलावा ये भी पता चला कि वह जब लापता हुई थी तो वह अपने प्रेमी के साथ गुजरात भाग गई थी। लेकिन 16 महीने बाद वह घर आई है। मोहम्मद गुलाब ने इसकी सूचना उन्नाव पुलिस को सूचना दी जिसके बाद कानपुर की चकेरी पुलिस ने विवाहिता को गिरफ्तार कर लिया।

चकेरी थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने इस बात कि पुष्टि किया कि विवाहिता के परिजनों के कहने पर मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस डीएनए रिपोर्ट का इंतजार कर रही थी। लेकिन इस बीच महिला खुद मायके से मिली है। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

गुजरात भाग गई थी महिला

पुलिस ने बताया कि महिला ने बताया कि वह पिछले साल मई में अपने पुरुष मित्र के साथ गुजरात चली गई थी और वहीं रह रही थी। इस बारें में मायके वालों को भी जानकारी नही थी। तीन दिन पहले ही वह मायके आई थी। वहीं फोरेंसिक टीम एक बार फिर अक्टूबर में मिले लाश की जांच नए सिरे से शुरू करने जा रही है।

श्री कृष्ण जन्मस्थान ईदगाह प्रकरण : हिन्दू पक्ष पर तीसरी बार हर्जाना

अदालत ने सुनवाई के लिए दिया अंतिम मौका

मथुरा। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान और ईदगाह प्रकरण को लेकर हिन्दू पक्ष की ओर से लखनऊ के अधिवक्ता शैलेन्द्र सिंह द्वारा सीपीसी 92 के तहत दिए प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए एडीजे संजय चौधरी ने एक हजार रुपये का हर्जाना लगाया है। अदालत ने शैलेन्द्र सिंह को अंतिम अवसर प्रदान करते हुए अगली सुनवाई के लिए 19 सितंबर की तिथि निर्धारित की है। वादी की ओर से अदालत में तबीयत खराब होने का प्रार्थना पत्र देते हुए सुनवाई के लिए समय देने की मांग

की थी। इससे पूर्व भी अदालत वादी पर दो बार और हर्जाना लगा चुकी है।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान और ईदगाह प्रकरण को लेकर जितने भी वाद चल रहे हैं उन सभी को एक कर शीघ्र सुनवाई किए जाने के लिए लखनऊ के अधिवक्ता शैलेन्द्र सिंह ने 92 सीपीसी के तहत जिला जज की अदालत में प्रार्थना पत्र दिया था। जिस पर एडीजे सप्तम संजय चौधरी की अदालत में सुनवाई चल रही है। सोमवार को इस पर सुनवाई होनी थी। सुनवाई से पूर्व शैलेन्द्र सिंह की ओर से प्रार्थना पत्र दिया गया।

इसमें कहा गया कि उनकी और उनके अधिवक्ता की तबियत खराब होने के कारण सुनवाई के लिए समय दिया जाए। शाही मस्जिद ईदगाह इंतजामिया कमेंटी के सचिव व अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि वादी पक्ष अदालत में बहस से बचने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। वह हर बार कोई नया बहाना कर अदालत से समय मांगते हैं। सोमवार को भी सुनवाई से बचते हुए वादी की ओर से अदालत में तबीयत खराब होने का प्रार्थना पत्र दिया गया। इस पर अदालत ने वादी पक्ष पर एक हजार रुपये का हर्जाना लगाते हुए उन्हें अंतिम अवसर प्रदान किया है। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 19 सितंबर की तिथि निर्धारित की है।

पत्नी से अवैध सम्बन्ध के शक में वकील भाई को पीट-पीटकर मार डाला

कानपुर। कानपुर के सरसौल क्षेत्र के घाघूखेड़ा में पत्नी से अवैध संबंध के शक में एक शख्स ने अपने भाई को पीट-पीटकर मार डाला। मारा गया व्यक्ति पेशे से वकील था। पिता खेत से घर लौटे तो उसका शव चारपाई पर पड़ा मिला। बड़े बेटे पर हत्या का मामला दर्ज कराया है। एसपी आउटर समेत भारी पुलिसबल पहुंचा। घाघूखेड़ा गांव निवासी जगदीश यादव का 30 वर्षीय बेटा शिव बहादुर यादव सदर तहसील में अधिवक्ता था। पिता के अनुसार, उनके बड़े बेटे धनंजय को शक था कि उनकी पत्नी से शिव बहादुर के संबंध हैं। इसको लेकर धनंजय का पहले भी कई बार शिवबहादुर से विवाद हो चुका था। शनिवार रात वह खेत में थे। देर रात धनंजय ने शिव बहादुर की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद धनंजय बाइक लेकर निकल गया। रविवार सुबह जब पिता वापस लौटे तो उन्हें शिव बहादुर का शव चारपाई पर पड़ा मिला। घटना की जानकारी पर एसपी आउटर तेज स्वरूप सिंह समेत भारी पुलिसबल मौके पर पहुंचा। एसपी आउटर ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर आरोपित के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल वह फरार है।

बर्थडे कैंडल बनाते समय हुआ जोरदार धमाका, 2 की मौत, 2 झुलसे

सहारनपुर। सहारनपुर में गंगोह क्षेत्र के गांव बोडपुर में रविवार को मकान में चिंगारी छोड़ने वाली बर्थडे कैंडल बनाते समय हुए धमाके से दो बच्चों सहित चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे में एक बच्चे और एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक बच्चे और एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। धमाके का कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है। परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। गांव बोडपुर निवासी शहजाद अपने भाई जियाउल के साथ घर में ही बर्थडे कैंडल बनाने का काम करता है। रविवार को बर्थडे कैंडल बनाते समय जोरदार धमाका होने से ग्रामीणों में अफरातफरी मच गई। मकान से धुआं निकलता देख लोग तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। वहां दो बालक समेत चार लोग बुरी तरह झुलसे दिखे। धमाके और आग लगने की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी जसवीर सिंह मय पुलिस फोर्स के साथ आनन-फानन में मौके पर पहुंचे।

लखनऊ में वायरल फीवर से मचा कोहराम, अपस्तालों की ओपीडी में बेतहाशा भीड़

लखनऊ। लखनऊ में वायरल बुखार ने कोहराम मचा रखा है। हर दूसरे घर में कोई न कोई सदस्य वायरल की चपेट में है। सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में सबसे ज्यादा मरीज मेडिसिन व बाल रोग विभाग की ओपीडी में आ रहे हैं।

बुखार से मरीज तप रहे हैं। तेज बुखार संग सर्दी-जुकाम ने भी मरीजों को जकड़ रखा है। केजीएमयू मेडिसिन विभाग की ओपीडी में बुखार व दूसरे वायरल बीमारियों से पीड़ित होकर 100 से अधिक मरीज आ रहे हैं। बाल रोग विभाग की ओपीडी में 30 से 40 बुखार पीड़ित बच्चे पहुंच

रहे हैं। बलरामपुर अस्पताल के मेडिसिन विभाग में 150 से अधिक बुखार व वायरल पीड़ित ओपीडी में सोमवार को आए।

यही हाल सिविल अस्पताल के मेडिसिन व बाल रोग विभाग का रहा। यहां भी 140 से अधिक वायरल फीवर के मरीज पहुंचे। लोकबंधु अस्पताल की ओपीडी में 80 से अधिक मरीज बुखार, सर्दी-जुकाम के पहुंचे। लोहिया संस्थान में यह आंकड़ा 110 के करीब था।

ओपीडी में अफरा-तफरी

सप्ताह के पहले दिन अस्पतालों की ओपीडी में बड़ी संख्या में मरीज पहुंच गए। इससे ओपीडी में अफरा-तफरी मच गई। केजीएमयू में पर्चा बनाने के लिए चार से अधिक काउंटर चल रहे थे।

इसके बावजूद मरीजों को ओपीडी पंजीकरण के लिए आधे घंटे से ज्यादा का वक्त लग रहा था। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ. सुधीर सिंह ने बताया कि 5120 मरीज ओपीडी में पहुंचे। सभी मरीजों को इलाज मुहैया कराया गया। बलरामपुर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी के मुताबिक सोमवार को 5431 मरीज ओपीडी में देखे गए। सिविल अस्पताल के सीएमएस डॉ. आरपी सिंह के मुताबिक 5212 नए पुराने मरीजों को ओपीडी में देखे गए। लोहिया संस्थान में 3000 से अधिक मरीज ओपीडी में देखे गए। लोकबंधु अस्पताल में मरीजों का दबाव देखने को मिला।

झांसी में उपभोक्ता की समस्याओं को सुनेंने बिजली अधिकारी

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिला प्रशासन ने लोगों की बिजली से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के निदान के लिए विद्युत विभाग को समाधान सप्ताह के आयोजन के निर्देश दिये हैं।

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने सोमवार को बताया कि शासन के निर्देशानुसार जनपद में 12 से 19 सितंबर, 2022 तक प्रतिदिन सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक विद्युत संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए समाधान सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। जनपद के सभी 33/11 के.वी. उपकेंद्र या उसके निकटतम बिलिंग केंद्र पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सम्बन्धित विद्युत

अधिकारियों को निर्देश दिए कि उप केंद्र के अधीन आने वाले सभी राजस्व गांव एवं ग्राम पंचायत का टाइम टेबल बनाकर 01 सप्ताह के अंदर आच्छादित करना सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने बताया है कि समाधान सप्ताह के दौरान बकाया बिजली बिल संबंधी शिकायत एवं उसका भुगतान प्राप्त करना, कनेक्शन या लोड बढ़ाने या मीटर लगाने के आवेदन पर तुरंत कार्रवाई, सभी प्रकार के विद्युत कनेक्शन संबंधी शिकायतों या समस्याओं का निराकरण और ट्रांसफार्मर, फीडर, लो वोल्टेज अथवा जर-जर तार जैसी समस्याओं के आवेदन पर तुरंत समाधान किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

विद्युत दुर्घटनाओं के दौरान जन हानि से संबंधित मुआवजा एवं उससे जुड़ी समस्याओं के नगण्य किए जाने के उद्देश्य से अधिष्ठापन सही किया जाएगा। जले, खराब, क्षतिग्रस्त मीटर बदलने के साथ-साथ नए मीटर लगाने का कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की शिकायत उपभोक्ताओं के उत्पीड़न कि यदि प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि समाधान सप्ताह के दौरान प्रत्येक दिन सुबह से शाम तक शिविर के आयोजन एवं संचालन की जिम्मेदारी स्थानीय अवर अभियंता की होगी एवं उपखण्ड स्तर पर उपखंड अधिकारी इसकी मॉनिटरिंग करेंगे। इनकी यह भी जिम्मेदारी होगी कि क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार करायें। सभी गांव में यह सूचना कराई जाएगी कि उस गांव के लोगों को किस दिन समस्या के निस्तारण के लिए केंद्र पर आना है।

बुंदेलखंड में पितृपक्ष में बच्चे करते हैं महबुलिया पूजा का आयोजन

महोबा। देशभर में और मुख्य रूप से उत्तर भारत में पुरखों की याद में विशेष पूजा अर्चना को समर्पित पितृपक्ष से जुड़ी विभिन्न परंपराएं प्रचलिए है। बुंदेलखंड में इस दौरान एक अनूठी परंपरा महबुलिया पूजा का आयोजन किया जाता है।

महबुलिया इस क्षेत्र की ऐसी अनूठी परंपरा है जिसमें घर के बुर्जुग नहीं बल्कि छोटे छोटे बच्चे हिस्सा लेते हैं।

बुंदेलखंड में लोक जीवन के विविध रंगों में पितृपक्ष पर पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और समर्पण का भी अंदाज जुदा है। पुरखों के तर्पण के लिए यहां पूजन, अनुष्ठान और श्राद्ध आदि के आयोजनों के अतिरिक्त बच्चों व बालिकाओं की महबुलिया पूजा बेहद खास है, जो नई पीढ़ी को संस्कार सिखाती है।

पूरे पंद्रह दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में गोधूलि वेला पर हर रोज पितृ आवाहन और विसर्जन के साथ इसका आयोजन होता है। इस दौरान यहां के गांवों की गलियां तथा चौबारे में बच्चों की मीठी तोतली आवाज में गाए जाने वाले महबुलिया के पारम्परिक लोक गीतों से झंकृत हो उठते हैं। समूचे विंध्य क्षेत्र में लोकपर्व का दर्जा प्राप्त महबुलिया की पूजा का भी अपना अलग ही तरीका है।

बच्चे कई समूहों में बंटकर इसका आयोजन करते हैं। महबुल को एक कांटेदार झाड़ में रंग बिरंगे फूलों और पत्तियों से सजाया जाता है। विधिवत पूजन के उपरांत उक्त सजे हुए झाड़ को बच्चे गाते बजाते हुए गांव के किसी तालाब या पोखर में ले जाते हैं जहां फूलों को कांटों से अलग कर पानी में विसर्जित कर दिया जाता है। महबुलिया के विसर्जन के उपरांत वापसी में यह बच्चे राहगीरों को भीगी हुई चने की दाल और लाई का प्रसाद बांटते हैं। प्रसाद सभी बच्चे अपने घरों से अलग अलग लाते हैं।

रायबरेली: करणी सेना के जिलाध्यक्ष के खिलाफ मुकदमा

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में जिला अस्पताल के चिकिसक और फार्मेसिस्ट के साथ अभद्रता करने पर करणी सेना के जिलाध्यक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस सूत्रों से सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल के एक डॉक्टर और उसके फार्मेसिस्ट के साथ करणी सेना के जिलाध्यक्ष की कथित अभद्रता का मामला सामने आने से डॉक्टर की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

इस मामले में जिला अस्पताल में तैनात डॉ संतोष कुमार सिंह ने आरोप लगाया है कि करणी सेना के जिलाध्यक्ष मोनू सिंह ने उनसे किसी तीमारदार के इलाज को लेकर अभद्रता की है। उन्होंने कहा कि कल देर रात लखनऊ प्रयागराज हाई वे पर एक 22 वर्षीय नौजवान का मोटरसाइकिल से एक्सीडेंट हो गया था जिसमे उसके पैरों में 2 सेमी तक सूजन आ गयी थी। घायल का समुचित इलाज चल रहा था इसी दौरान लगभग आधे घंटे के बाद करणी सेना जिला प्रमुख आ गए। डॉ के अनुसार करणी प्रमुख ने अपनी नेतागिरी चमकाने के चक्कर मे डॉक्टर और उनके स्टाफ पर अन्य मरीजो के लिए कुछ कहना शुरू किया। जब डॉक्टर ने उनसे कहा कि आपके मरीज का इलाज हो रहा है।

शार्ट न्यूज

सरकार द्वारा उठाये गये कदमों का असर अगले कुछ महीने में : वित्त मंत्रालय

नयी दिल्ली। इस वर्ष अगस्त महीने में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा महंगाई के बढ़कर सात फीसदी पर पहुंचने पर वित्त मंत्रालय ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये आज कहा कि कीमतों को नियंत्रित करने और आपूर्ति बढ़ाने के लिए उठाये गये कदमों का असर अगले कुछ महीने में दिखेगा। वित्त मंत्रालय ने इसको लेकर सात ट्विट कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा कि गेंहू का आटा, चावल, मैदा जैसे खाद्य पदार्थों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए और इसकी कीमतों में बढोतरी को नियंत्रित करने के उद्देश्य से निर्यात को प्रतिबंधित किया गया है। इन उपयों का असर अगले कुछ महीने में दिखने लगेगा। उसने कहा कि खाद्य तेलों और दालों की कीमतों में नरमी आने के साथ ही आयातित वस्तुओं की कीमतों को नियमित अवधि पर तर्कसंगत बनाया जा रहा है। खाद्य तेलों के भंडार को नियंत्रित किया गया ताकि कोई जमाखोरी नहीं कर सके। इसके कारण तेल और वसा तथा दालों की कीमतों में 5.62 प्रतिशत और 2.52 प्रतिशत की नरमी दर्ज की गयी है। उसने कहा कि कमजोर मानसून और सब्जियों के लिए प्रतिकूल सीजन होने के बावजूद अप्रैल की तुलना में अगस्त में इनकी कीमतें कम रही है। वैश्विक महंगाई के दबाव और मुद्रास्फीतिक अनुमान में स्थिरता आयी है। वैश्विक बाजार में लौह अयस्क और स्टील जैसे उत्पादों की कीमतों में तेजी आयी है लेकिन घरेलू स्तर पर इनकी कीमतों को तर्कसंगत बनाने के उपायों और आपूर्ति में किये गये सुधारों से इनकी उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों को काबू में रखने में मदद मिली है।

सेरेंटिका रिन्यूवेबल्स भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में लगाएगी 1500 मेगावाट की परियोजनाएं

नयी दिल्ली। ट्विनस्टार ओवरसीज की अनुसंगी कंपनी सेरेंटिका रिन्यूवेबल्स ने कर्नाटक, राजस्थान और महाराष्ट्र राज्यों में कई स्थानों पर कुल मिलाकर 1500 मेगावाट सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने की योजना की घोषणा की है। इस स्थानों पर कंपनी को पहले ही संपर्क संबंधी स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि इन परियोजनाओं से करीब 600 मेगावाट स्वच्छ बिजली वेदांता समूह के विभिन्न इकाइयों को दी जाएगी। उसकी योजना इस परियोजनाओं के लिए सरकारी मंजूरी मिलने के 24 महीने के अंदर पूरी करने की है। कंपनी ने कहा कि वह इस्पात, सीमेंट, एल्यूमिनियम और जस्ता जैसे उद्योगों में कार्बन उत्सर्जन कम करने को प्रतिबद्ध है। इन उद्योगों में ऊर्जा की बहुत अधिक जरूरत पड़ती है तथा करीब 30 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन इन उद्योगों से होता है। भारत में अभी इन उद्योगों के लिए अधिकतर ऊर्जा ताप बिजली घरों से मिलती है।

उत्पादकता अभियान पर एलपीसी, एनपीसी का विचार-विमर्श

नयी दिल्ली। देश में उत्पादकता अभियान को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय उत्पादकता परिषदों (एलपीसी) ने दो दिवसीय सम्मेलन में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) के साथ गहरायी से विचार-विमर्श किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन कई वर्षों के अंतराल के बाद किया गया। राजधानी में सप्ताहांत पर आयोजित सम्मेलन में एनपीसी के महानिदेशक संदीप नायक ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा निर्धारित लक्ष्य 'विकसित अर्थव्यवस्था 2047' के लिए उत्पादकता, नवाचारों और व्यापक आधार वाली उद्योग भागीदारी को बढ़ावा देने में युवाओं और महिलाओं को शामिल करने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। इस अवसर पर असम उत्पादकता परिषद के अध्यक्ष बी.पी. बख्शी ने कहा कि सभी एलपीसी भारतीय अर्थव्यवस्था के पांच लाख करोड़ डॉलर के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में काम करने के लिए उत्साहित हैं। इसी तरह के संकल्प को बड़ौदा उत्पादकता परिषद के अध्यक्ष विपिनचंद्र पटेल ने भी दोहराया उन्होंने कृषि आधारित उद्योगों और सहकारी समितियों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

राष्ट्रीय धातुविज्ञानी पुरस्कार योजना के लिए शुरू हुए आवेदन

नयी दिल्ली। इस्पात मंत्रालय ने राष्ट्रीय धातुविज्ञानी पुरस्कार 2022 के लिए सोमवार से आवेदन शुरू कर दिए हैं जिसमें अंतिम तिथि 11 अक्टूबर 2022 है। इसमें एनएमए पोर्टल के माध्यम से केवल ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इन पुरस्कारों का उद्देश्य लौह और इस्पात सेक्टर में कार्यरत धातुविज्ञानियों के शानदार योगदान का मान-सम्मान करना है, जिसमें निर्माण, अनुसंधान, डिजाइन, शिक्षा, अपशिष्ट प्रबंधन और ऊर्जा संरक्षण की गतिविधियों के क्षेत्र तथा आत्मनिर्भर भारत के ध्येय को प्राप्त करने के लिये धातुविज्ञानियों के योगदान को सम्मिलित किया गया है। धातुविज्ञानी पुरस्कार 2022 के लिये नामांकन इस्पात मंत्रालय की वेबसाइट या गृह मंत्रालय द्वारा विकसित किये जाने वाले केंद्रीय पोर्टल पर आमंत्रित किये जायेंगे। नामांकन कंपनियों या संगठनों के माध्यम से या स्व-नामांकन के रूप में आम जनता द्वारा किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय धातुविज्ञानी दिवस पुरस्कारों की शुरुआत मंत्रालय ने वर्ष 1962 में की थी। धातुकर्म के क्षेत्र में धातुविज्ञानियों के शानदार योगदान को मान-सम्मान देने के लिये पुरस्कार शुरू किये गये थे। यह पुरस्कार वार्षिक आधार पर प्रदान किये जाते हैं जिसमें पहला पुरस्कार वर्ष 1963 में दिया गया था।

टाइटन कंपनी लिमिटेड ने मैराथन रिले-रेस के साथ शुरू की 'गो ग्रीन' पहल

टाइटन कंपनी लिमिटेड के एमडी श्री. सी के वेंकटरमण ने मैराथन रिले को हरी झंडी दिखाई

नयी दिल्ली। पर्यावरण पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखता है, इसे स्वच्छ और सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। पर्यावरण के प्रति इस जिम्मेदारी को निभाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर, हरित एवं स्वच्छ भविष्य का निर्माण करने के उद्देश्य से टाइटन कंपनी लिमिटेड ने गो ग्रीन पहल की घोषणा की है। 1लाख से ज़्यादा पेड़ लगाकर भारत को पूरी तरह से हरित बनाने की दिशा में कंपनी ने अपने कदम बढ़ाए हैं। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए चलाई जा रही टाइटन की पहल गो ग्रीन की शुरूआत एक मैराथन रिले और पंतनगर से बेंगलुरु के रास्ते में पेड़ लगाने के सामूहिक संकल्प के साथ बहुत ही अनोखे ढंग से की गयी। टाइटन गो ग्रीन दौड़ 10 सितंबर को पंतनगर से शुरूआत हुई, जो 11 सितंबर को नयी दिल्ली पहुंची। उसके बाद यह दौड़ अपने अगले डेस्टिनेशन की और तेज़ी से बढ़ रही है।

गो ग्रीन पहल के तहत टाइटन कंपनी वृक्षारोपण अभियान चलाएगी, जिसमें कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, स्वयंसेवी संगठन बायोटासॉइल फाउंडेशन, टाटा मोटर्स और टाटा पावर के सहयोग से यह अभियान चलाए जाएंगे।

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए टाइटन कंपनी प्रतिबद्ध है और हरित जीवन को जीने का तरीका बनाने के लिए लगातार प्रयासशील है। अपनी प्रतिबद्धता में टाइटन ने समाज को भी शामिल किया है, पेड़ लगाकर, उसकी अच्छी देखभाल करके कोई भी व्यक्ति टाइटन की पर्यावरण पहल में अपना योगदान दे सकता है। तीन आसान तरीकों से टाइटन की गो ग्रीन पहल में भाग लिया जा सकता है-

1 वृक्षारोपण अभियान का हिस्सा बनें

2 एक या अधिक पेड़ों को स्पॉंसर करें

3 संकल्प लें और छोटे महत्वपूर्ण बदलाव करें

अपनी शुरूआत से ही टाइटन ने कई पर्यावरण सुरक्षा उपक्रम चलाए हैं

टाइटन के मैन्युफैक्चरिंग में 62 प्रतिशत से ज्यादा ऊर्जा आवश्यकताओं को पवन और सौर ऊर्जा द्वारा पूरा किया जाता है।

टाइटन के सीएसआर प्रयासों ने झीलों का कायाकल्प किया है, चेक डैम बनाए हैं, देश भर में हजारों पेड़ लगाए हैं और होसुर में 2 मियावाकी जंगल उगाए हैं।

अपने कॉर्पोरेट ऑफिस के पास की एक बड़ी झील का टाइटन ने कायाकल्प कर जल निकाय को बहाल किया है, साथ ही पंतनगर में भी एक छोटे जल निकाय का कायाकल्प किया गया है। इस अवसर पर टाइटन कंपनी लिमिटेड के एमडी श्री सी के वेंकटरमण ने कहा, गो ग्रीन पहल धरती माँ की सुरक्षा के अनुकूल ज्ञान और प्रथाओं से प्रेरित है। पर्यावरण के अनुकूल जीवन, पारिस्थितिक रूप से जिम्मेदार निर्णय लेना, पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को अपनाना एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन शैली का नेतृत्व करना ही उन्नति का एकमात्र तरीका है। सामूहिक संकल्प के ज़रिए लोगों को प्रभावित करने और पर्यावरण के अनुकूल मानसिकता को बढ़ावा देने की दृष्टि से यह पहल शुरू की गई है। कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी के एवीपी और हेड श्री. एन. ई, श्रीधर ने बताया, शुरूआत से लेकर आखिर तक हमारे सभी ऑपरेशंस में पर्यावरण सुरक्षा को शामिल करने के लिए हम हमेशा से ही सचेत रहे हैं और लगातार प्रयासरत हैं। एक जिम्मेदार संगठन होने के नाते और हमारी गो ग्रीन पहल की शुरूआत के अवसर पर हमारे सहयोगियों और हितधारकों के साथ मिलकर जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरूकता लाना और स्थिरता को बढ़ावा देने वाली प्रक्रियाओं और प्रथाओं को अपनाने को प्रोत्साहित करना हमारा उद्देश्य है।

आर-इन्फ्रा के दावे में दम नहीं : अडाणी ट्रांसमिशन

एजेंसी

नयी दिल्ली। अरबपति उद्यमी गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले अडाणी समूह ने सोमवार को कहा कि रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर (आर-इन्फ्रा) की मुंबई की बिजली वितरण कंपनी के अधिग्रहण के सौदे को लेकर उस कंपनी के नये दावे में कोई दम नहीं है। अडाणी समूह का यह बयान ऐसे समय आया है जबकि आर-इन्फ्रा ने एक दिन पहले कहा था कि उसने अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड (एटीएल) को मुंबई में अपना विद्युत वितरण कारोबार बेचने के सौदे को लेकर मध्यस्थता कानून के तहत लगभग 13,400 करोड़ रुपये दावा किया है।

अडाणी समूह का कहना है कि आर-इन्फ्रा की ओर की किए जा रहे दावे का कोई आधार नहीं है और यह सौदा हो जाने के बाद उत्पन्न ऐसा विचार है जो कानून के सामने टिक नहीं सकता है। अडानी ट्रांसमिशन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, आर-इंफ्रा ने इस साल फरवरी और अगस्त में अतिरिक्त विवाद और दावों को उठाते हुए मध्यस्थता फोरम पर पूरक अनुरोध दायर किए हैं। हमारे विचार में, ये दावे बाद के उपजे विचार हैं और इनका कोई ठोस आधार नहीं हैं।

आरइन्फ्रा ने पिछले सप्ताहांत शेयर बाजार बीएसई को दी गयी एक नियामक सूचना में कहा था कि उसने शेयर खरीद समझौते की शर्तों के उल्लंघन के संबंधी विवाद में मुंबई अंतरराष्ट्रीय मध्य-निणय केंद्र (सेंटर फॉर इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन) के समक्ष लगभग 13,400 करोड़ रुपये का दावा दायर किया है। कंपनी ने मुंबई के विद्युत वितरण कारोबार को अडानी ट्रांसमिशन को बेचन के लिए शेयर खरीद समझौता 21 दिसंबर 2017 को किया था।

अनिल अंबानी समूह की कंपनी ने शेयर बाजार में कहा है कि इस मामले में वित्तीय पहलू के बारे में निश्चित तौर पर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है और यह पहलू मध्यस्थता मंच में किए गए दावे पर निर्णय और उसके बाद की कानूनी चुनौतियों के अंतिम परिणाम पर निर्भर करेगा।

सोमवार को बीएसई पर आरइन्फ्रा के शेयर 7.17 फीसदी बढ़कर 174.10 रुपये पर बंद हुआ।

इस बीच, अडानी ट्रांसमिशन ने सोमवार को कहा कि आरइन्फ्रा ने दिसंबर 2021 में शेयर खरीद समझौते (एसपीए) के तहत केवल एक विशिष्ट मुद्दे पर पर मध्यस्थता शुरू की थी। अडाणी समूह के अनुसार उसका यह दावा 500 करोड़ रुपये का था। उचित प्रक्रिया के बाद, एटीएल/अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने आर-इंफ्रा के उस दावे को खारिज कर दिया था।

अडानी ने कहा, इसके अलावा, अदानी एटीएल/अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने कहा है कि आर-इंफ्रा ने अभी तक शेयर खरीद समझौते (एसपीए) के तहत एईएमएल (अडाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लि) के बड़े दावों का निपटारा नहीं किया है।

बयान में कहा गया है कि एटीएल/अडानी इलेक्ट्रिसिटी विवाद समाधान के लिए एसपीए के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन कर रही है और उसका तथ्यों के साथ जवाब देगी और मध्यस्थता की कार्यवाही में आर-इंफ्रा के खिलाफ अपने दावे पेश करेगी।

राष्ट्रीय धातुविज्ञानी पुरस्कार योजना के लिए शुरू हुए आवेदन

नयी दिल्ली। इस्पात मंत्रालय ने राष्ट्रीय धातुविज्ञानी पुरस्कार 2022 के लिए सोमवार से आवेदन शुरू कर दिए हैं जिसमें अंतिम तिथि 11 अक्टूबर 2022 है। इसमें एनएमए पोर्टल के माध्यम से केवल ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इन पुरस्कारों का उद्देश्य लौह और इस्पात सेक्टर में कार्यरत धातुविज्ञानियों के शानदार योगदान का मान-सम्मान करना है।

जिसमें निर्माण, अनुसंधान, डिजाइन, शिक्षा, अपशिष्ट प्रबंधन और ऊर्जा संरक्षण की गतिविधियों के क्षेत्र तथा आत्मनिर्भर भारत के ध्येय को प्राप्त करने के लिये धातुविज्ञानियों के योगदान को सम्मिलित किया गया है। धातुविज्ञानी पुरस्कार 2022 के लिये नामांकन इस्पात मंत्रालय की वेबसाइट या गृह मंत्रालय द्वारा विकसित किये जाने वाले केंद्रीय पोर्टल पर आमंत्रित किये जायेंगे। नामांकन कंपनियों या संगठनों के माध्यम से या स्व-नामांकन के रूप में आम जनता द्वारा किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय धातुविज्ञानी दिवस पुरस्कारों की शुरुआत मंत्रालय ने वर्ष 1962 में की थी। धातुकर्म के क्षेत्र में धातुविज्ञानियों के शानदार योगदान को मान-सम्मान देने के लिये पुरस्कार शुरू किये गये थे। यह पुरस्कार वार्षिक आधार पर प्रदान किये जाते हैं जिसमें पहला पुरस्कार वर्ष 1963 में दिया गया था।

योजना की पृष्ठभूमि: राष्ट्रीय धातुविज्ञानी दिवस पुरस्कारों की शुरुआत तत्कालीन इस्पात एवं खान मंत्रालय ने 1962 में की थी।

लिकिथ वाईपी ने जीता डब्ल्यूएससी 2022 में कांस्य पदक

नयी दिल्ली, 12 सितंबर (वार्ता) लिकिथ वाईपी ने 'स्किल ऑफ प्रोटोटाइप मॉडलिंग वर्ल्डस्किल काम्पिटिशन 2022' (डब्ल्यूएससी2022) में कांस्य पदक हासिल किया। उन्हें टोयोटा इंडिया के विशेषज्ञ भास्कर सिंह ने प्रशिक्षित किया है जो विश्व कौशल अंतर्राष्ट्रीय मंच में प्रोटोटाइप मॉडलिंग कौशल के मुख्य विशेषज्ञ हैं। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि श्री वाईपी ने टोयोटा तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान से मेक्ट्रोनिक्स में अपना डिप्लोमा पूरा किया है और वह जनवरी 2022 से इस प्रतियोगिता के लिए प्रशिक्षण ले रहे थे। वह प्रोटोटाइप मॉडलिंग कौशल में भारत की राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता 'इंडियास्किल्स 2021' भी जीत चुके हैं। डब्ल्यूएससी 2022 के पहले चरण का आयोजन 7-10 सितंबर तक स्विट्जरलैंड के बर्न में हुआ। इससे पहले विश्व कौशल प्रतियोगिता शंघाई में होने वाली थी लेकिन वहां पर कोविड के प्रकोप के कारण इसे 2 महीने की अवधि में आयोजित किए जाने के लिए 15 देशों में स्थानांतरित कर दिया गया था।

औद्योगिक उत्पादन जुलाई में 2.4 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

नयी दिल्ली। खनन क्षेत्र के उत्पादन में गिरावट के बीच भारत के औद्योगिक उत्पादन में जुलाई 2022 के दौरान वार्षिक आधार पर 2.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में कुल मिलाकर 3.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। इससे एक माह पूर्व जून में आर्थिक उत्पादन की वृद्धि दर 12.3 प्रतिशत थी।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2022 में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार वर्ष 2011-12) 134.6 अंक रहा। पिछले वर्ष इसी माह यह 131.5 अंक था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जुलाई के बीच औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर 10 प्रतिशत रही जबकि पिछले वर्ष जुलाई में यह 33.9 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2022 में खनन क्षेत्र के उत्पादन में 3.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी जबकि विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन सालाना आधार पर 3.2 प्रतिशत ऊपर रहा। बिजली उत्पादन में माह के दौरान 2.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी।

चालू वित्त वर्ष में पहले चार महीनों में खनन क्षेत्र के उत्पादन में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना 6.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है जबकि विनिर्माण और बिजली क्षेत्र का उत्पादन 10.2 प्रतिशत और 13.2 प्रतिशत ऊंचा है।

विनिर्माण क्षेत्र के उद्योगों में जुलाई 2022 में खाद्य उत्पाद, सिगरेट, कपड़ा, चमड़ा, कागज, औषधी, प्लास्टिक, धातु फैब्रिकेशन, बिजली उपकरण जैसे उद्योगों के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गयी जबकि मूलभूत धातुओं, रसायन, पेट्रोलियम रिफाइनरी, प्रीटिंग, लकड़ी उत्पाद, परिधान, पेय उत्पाद, मोटर वाहन और ट्रेलर तथा फर्नीचर जैसे उद्योगों का उत्पादन बढ़ा।

महंगाई दर अगस्त में बढ़कर सात प्रतिशत रही

नयी दिल्ली। अनाज, फल-सब्जी और पेय पदार्थ तथा सेवाओं की महंगाई के चलते खुदरा मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति अगस्त 2022 में बढ़कर सात प्रतिशत पर पहुंच गयी। इससे एक माह पूर्व जुलाई में खुदरा मुद्रास्फीति 6.71 प्रतिशत और अगस्त 2021 में 5.30 प्रतिशत थी।

खुदरा मुद्रास्फीति लगातार आठ महीनों से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लक्षित 2-6 प्रतिशत की महंगाई दर के दायरे से ऊपर बनी हुई है और अर्थशास्त्रियों का मानना है कि महंगाई पर काबू करने के लिए केंद्रीय बैंक आने वाले समय में नीतिगत ब्याज दर को और बढ़ा सकता है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा सोमवार को जारी महंगाई के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2022 में समान्य मूल्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जुलाई 2022 से 173.4 अंक से बढ़कर 174.3 अंक रहा जो मासिक आधार पर महंगाई सूचकांक में 0.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार अगस्त में अनाज और इससे बने उत्पादों की कीमतें सालाना स्तर पर 9.57 प्रतिशत ऊंची रहीं।

मांस एवं मछली में तेजी 0.98 प्रतिशत रही जबकि अंड़ों का भाव सालाना स्तर पर 4.57 प्रतिशत नीचे रहा। इसी माह में दूध और दुग्ध उत्पादों की सामान्य कीमत स्तर 6.39 प्रतिशत रही जबकि सब्जियां 13.23 प्रतिशत, फल 7.39 प्रतिशत और खाद्य तेल एवं वसा 4.62 प्रतिशत महंगे रहे।

दालों के भाव में सालाना स्तर पर इस बार अगस्त में 2.52 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी जबकि मसालों में 14.90 प्रतिशत और बिना अल्कोहल वाले पेय पदार्थों की कीमतें पिछले अगस्त की तुलना में 7.75 प्रतिशत ऊंची रहीं।

आंकड़ों के अनुसार इस बार अगस्त माह में स्वास्थ्य, परिवहन, संचार, मनोरंजन, शिक्षा और पर्सनल केयर जैसी सेवाओं की कीमतों में पांच से सात प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी।

होम बायर इकोसिस्टम 'ओपन डोर्स' लांच

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक और एकीकृत रियल एस्टेट प्लेटफॉर्म, स्क्वायर यार्ड्स ने आज एक अनूठा, को-ब्रांडेड होम बायर्स इकोसिस्टम 'ओपन डोर्स' लॉन्च किया। बैंक ने यहां जारी बयान में कहा कि इस मंच के जरिए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि अपने सपनों के आशियाना को ढूँढने से लेकर इसे खरीदने तक की पूरी प्रक्रिया परेशानी-मुक्त एवं कुशल हो और ग्राहकों को आनंदायक अनुभव प्राप्त हो। ओपन डोर्स अपने तरह का पहला एकीकृत मंच है, जिसे ग्राहकों के आवासीय संपत्ति से जुड़े सभी सवालों का समाधान प्रदान करने हेतु डिजाइन किया गया है। घर खरीदने के इच्छुक ग्राहक अब संपूर्ण घर खरीद सहायता, एक्सक्लूसिव बिल्डर इन्वेंट्री एक्सेस, परेशानी मुक्त तरीके से होम लोन की प्रोसेसिंग और इकोसिस्टम से जुड़ी अन्य सेवाओं जैसे कि किराया एवं संपत्ति प्रबंधन, होम फर्निशिंग और कानूनी एवं तकनीकी सेवाओं आदि का लाभ किफायती तरीके से एक ही मंच के जरिए उठा सकते हैं। स्क्वायर यार्ड्स के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी तनुज शौरी ने कहा हम आवास संबंधी सभी आवश्यकताओं के समाधान एक मंच पर उपलब्ध कराने हेतु एक्सिस बैंक के साथ साझेदारी करके प्रसन्न हैं। एक्सिस बैंक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में अधिकाधिक रूप में उपभोक्ताओं के लिए समग्र, किफायती वित्तीय समाधान प्रदान करने में हमेशा से अग्रणी रहा है। हम एक्सिस बैंक की व्यापक भौगोलिक मौजूदगी और वित्तीय उत्पादों के विविधतापूर्ण पोर्टफोलियो को प्रभावी तरीके से प्रयोग में लाएंगे ताकि घर खरीदारों को बेहतर अनुभव प्रदान किया जा सके।

तेजी जारी, सेंसेक्स पहुंचा 60 हजार के पार

एजेंसी

मुंबई। वैश्विक स्तर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर आईटी, टेक, रियलटी, यूटिलिटीज और बेसिक मटेरियल्स में हुयी लिवाली के बल पर शेयर बाजार में आज लगातार तीसरे दिन तेजी बनी रही और इस दौरान लिवाली के बल पर सेंसेक्स 60 हजार के पार पहुंचने में सफल रहा।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 321.99 अंकों की बढ़त के साथ 60115.13 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 103 अंकों की तेजी लेकर 17936.35 अंक पर रहा। बीएसई में मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी रही जिससे मिडकैप 0.89 प्रतिशत बढ़कर 26167.43 अंक पर और स्मॉलकैप 1 प्रतिशत चढ़कर 29528.74 अंक पर रहा।

बीएसई में सभी समूहों में तेजी रही जिसमें आईटी में 1.30 प्रतिशत, टेक 1.16 प्रतिशत, रियलटी 2.23 प्रतिशत, सीडी 1.40 प्रतिशत और यूटिलिटीज 1.70 प्रतिशत शामिल है। बीएसई में कुल 3759 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2165 बढ़त में और 1428 गिरावट में रही जबकि 166 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वैश्विक स्तर पर चौतरफा तेजी रही जिसमें ब्रिटेन का एफटीएसई 1.32 प्रतिशत, जापान का निक्केई 1.16 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 2.69 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.82 प्रतिशत शामिल है।

बीएसई का सेंसेक्स 119 अंकों की बढ़त के साथ 59912.29 अंक पर खुला और यही इसका आज का निचला स्तर भी रहा। सत्र के दौरान लिवाली के बल पर यह 60284.55 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा और अंत में यह पिछले दिवस के 58793.14 अंक की तुलना में 321.99 अंकों की बढ़त के साथ 60115.13 अंक के स्तर पर रहा।

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से 18 हरे निशान में और 12 लाल निशान में रही।

एनएसई का निफ्टी 57 अंकों की बढ़त के साथ 17890.85 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 17980.55 अंक के उच्चतम और 17889.15 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 17833.35 अंक की तुलना में 103अंक अर्थात 0.58 प्रतिशत चढ़कर 17936.35 अंक पर रहा।

निफ्टी में शामिल 50 कंपनियों में से 36 हरे निशान में और 14 लाल निशान में रही।

अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प ने संजय खन्ना को दी भारत के सीईओ की जिम्मेदारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। वैश्विक एकीकृत भुगतान कंपनी अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प (एईबीसी) ने संजय खन्ना को भारत का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और कंट्री मैनेजर नियुक्त किया है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि श्री खन्ना कंट्री एक्जीक्यूटिव टीम का नेतृत्व करेंगे जो इस संगठन के कंज्यूमर एवं कॉमर्शियल बिजनेस में वृद्धि को गति प्रदान करेंगे। भारत में कंपनी के रणनीतिक निर्णयों को आगे बढ़ाने और उन्हें मजबूती से लागू करने के लिए उनका पद महत्वपूर्ण होगा। अमेरिकन एक्सप्रेस के कार्यकारी उपाध्यक्ष (इंटरनेशनल कार्ड सर्विसेज) रॉब मैकलीन ने कहा कि उन्हें इस नयी भूमिका में श्री खन्ना का स्वागत करते हुए खुशी है। इस उद्योग में 30 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ उनके भीतर आगे रहकर मोर्चा संभालने की स्वभाविक समझ के साथ मजबूत परिणाम देने की असाधारण विश्वसनीयता है। उन्हें पूरा भरोसा है कि हर चीज में उत्कृष्टता लाने की उनकी प्रतिबद्धता, उनके दृढ़ मूल्य और कार्य की नैतिकता से भारतीय बाजार में इस ब्रांड की स्थिति और अग्रणी होगी। खन्ना ने कहा, भारत निःसंदेह विश्व की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है जिसके पीछे इसका तेजी से बढ़ता उपभोक्ता आधार, उभरती जीवनशैली और खर्च की जरूरतें हैं। एक प्रीमियम पेमेंट सॉल्यूशन ब्रांड के तौर पर अमेरिकन एक्सप्रेस के पास उच्च गुणवत्ता की सेवाएं उपलब्ध कराने के मामले में दूसरी कंपनियों के मुकाबले बढ़त हासिल है। मेरी भूमिका ऐसे प्रीमियम उत्पादों, सेवाओं और समाधानों की गुणवत्ता एवं सेवा संस्कृति को और बढ़ाने की होगी जो भारत में प्रभावी आबादी की बढ़ती जरूरतें पूरी कर सकें।

आईआईटी मद्रास को मिला इनक्युब में सर्वोच्च पुरस्कार

एजेंसी

नयी दिल्ली। शिव नादर इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एवं एंट्रप्रेन्योरशिप द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की व्यवसायिक क्विज़, बिज़नेस केस एवं साईमुलेशन प्रतियोगिता 'इनक्यूब' के दूसरे संस्करण में आईआईटी मद्रास को सर्वोच्च पुरस्कार मिला है।

संस्थान ने आज यहां जारी बयान में कहा कि भारत के अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों को खोजने, चुनौती देने, संगठित करने और पुरस्कृत करने के लिए आयोजित होने वाली इस बहुआयामी प्रतियोगिता में 50 से ज्यादा शहरों से 3000 से ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया। यह प्रतियोगिता 9 सितंबर से 11 सितंबर, 2022 तक चली और विजेता टीमों को 5 लाख रुपये मूल्य का नकद पुरस्कार दिया गया। आईआईटी मद्रास के विजेता अन्वित रेड्डी और आनंद आर ने कहा, "हमें इनक्यूब में भाग लेने की बहुत खुशी है।

यह प्रतियोगिता अंतिम राउंड तक मुश्किल थी। हम शिव नादर इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस में मिली हॉस्पिटलिटी के लिए उनके आभारी हैं, हम अन्य लोगों से आग्रह करेंगे कि वो भी इसमें भाग लेकर इनक्यूब द्वारा हमें प्रदान किया गया लर्निंग का अनुभव प्राप्त करें।"

एचसीएल टेक्नॉलॉजीज़ की अध्यक्ष और शिव नादर फाउंडेशन की ट्रस्टी रोशनी नादर मल्होत्रा ग्रांड फिनाले की मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने विजेताओं को बधाई दी और प्रतिभागी टीमों द्वारा प्रदर्शित उद्यमिता के उत्साह की सराहना की।

यह बहुआयामी प्रतियोगिता, इनक्यूब का आयोजन पहली बार साल 2021 में किया गया। यह अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों को अपना उद्यमशीलता का कौशल खोजने और विकसित करने में मदद करने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है। इसकी शुरुआत एक ऑनलाईन प्रिलिमिनरी राउंड के साथ हुई, जिसमें सभी पंजीकृत विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसके बाद शीर्ष 100 टीमों ने एक क्लस्टर राउंड- ऑनलाईन क्विज़ में हिस्सा लिया, जिसके बाद हर क्लस्टर से सर्वोच्च दो टीमों का चयन राष्ट्रीय स्तर के क्वार्टर फाईनल राउंड (व्यक्तिगत रूप से आयोजित) के लिए किया गया।

शार्ट न्यूज

यूएस ओपन जीतकर शीर्ष रैंकिंग पर पहुंचे अल्काराज़

न्यूयॉर्क। स्पेन के युवा सनसनी टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने नॉर्वे के कैस्पर रूड को फाइनल में हराकर यूएस ओपन 2022 का पुरुष एकल खिताब जीता और एटीपी विश्व रैंकिंग में पहले स्थान हासिल किया। 19 वर्षीय अल्काराज ने रविवार को तीन घंटे 20 मिनट चले फाइनल मुकाबले में रूड को 6-4, 2-6, 7-6(1), 6-3 से हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। अल्काराज और रूड दोनों ही एटीपी विश्व रैंकिंग में पहला स्थान हासिल करने की होड़ में थे, और इस जीत के साथ अल्काराज शीर्ष रैंकिंग पर पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गये हैं। अल्काराज ने जीत के बाद कहा, यह एक ऐसी चीज है जिसका मैंने बचपन से सपना देखा है। दुनिया में नंबर एक बनना और ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनना कुछ ऐसा है जिसके लिये मैंने वास्तव में कड़ी मेहनत की है। अभी बात करना मुश्किल है, मेरे अंदर बहुत सारी भावनाएं हैं। मैं अभी 19 साल का हूं, सारे कड़े फैसले मेरे माता-पिता और मेरी टीम ने लिए हैं। यह वास्तव में मेरे लिए खास है।

टी20 विश्व कप के लिये बुमराह, हर्षल की टीम में वापसी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप 2022 के लिये सोमवार को टीम की घोषणा की जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल को शामिल किया गया है। बुमराह पीठ की चोट और हर्षल साइड स्ट्रेन के कारण एशिया कप 2022 में हिस्सा नहीं ले सके थे, लेकिन पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद दोनों गेंदबाजों को टी20 विश्व कप के लिये टीम में जगह दी गयी है। हाल ही में हुई सफल सर्जरी के बाद रिहैब से गुजर रहे रवींद्र जडेजा को टीम में शामिल नहीं किया गया और उनके स्थान पर अक्षर पटेल ने स्क्वाड में जगह बनायी है।

दीन दयाल, स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज प्री इंटर कॉलेज कबड्डी में जीते

नयी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के पहले प्री इंटर कॉलेज कबड्डी मैच टूर्नामेंट के तीसरे दिन सोमवार को दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज ने दयाल सिंह कॉलेज इवनिंग को 82-30 से हराया। दिन के दूसरे मैच में स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज ने दिल्ली कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड कॉमर्स को 80-34 स्कोर से हराया। दोनों विजेता टीमों ने लीग के लिये क्वालीफाई किया।

इंग्लैंड ने तीसरा टेस्ट नौ विकेट से जीता, श्रृंखला 2-1 से

लंदन। इंग्लैंड ने ओली रॉबिन्सन और स्टुअर्ट ब्रॉड के सात-सात विकेटों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को तीसरे टेस्ट में सोमवार को नौ विकेट से मात देकर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 40 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में 169 रन बनाकर इंग्लैंड को 130 रन का मामूली लक्ष्य दिया था, जिसे बेन स्टोक्स की टीम ने 22.3 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इंग्लैंड की जीत चौथे दिन ही सुनिश्चित हो गयी थी जब उसने स्टंप्स तक बिना किसी नुकसान के 97 रन बना लिये थे। पांचवें दिन सलामी बल्लेबाज एलेक्स लीस (39) कागिसो रबाडा की गेंद पर पगबाधा हो गये, जिसके बाद ज़ैक क्रॉली (69 नाबाद) और ओली पोप (11 नाबाद) ने इंग्लैंड को लक्ष्य तक पहुंचाया। पहले दिन का खेल बारिश और दूसरे दिन का खेल महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के कारण रद्द होने के बाद यह टेस्ट आधिकारिक रूप से तीन दिनों में निर्णय तक पहुंचा। इंग्लैंड के लिये रॉबिन्सन और ब्रॉड ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दोनों पारियों में कुल सात-सात विकेट लिये। दक्षिण अफ्रीका की ओर से मार्को जैनसेन ने पहली पारी में पांच विकेट लिये लेकिन दूसरी पारी में उनकी विकेट की पंक्ति खाली रही।

बंगलादेश को हराकर सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप के फाइनल में भारत

कोलंबो। भारतीय युवाओं ने सोमवार को करीबी सेमीफाइनल में बंगलादेश को 2-1 से हराकर दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (सैफ) अंडर-17 चैंपियनशिप 2022 के फाइनल में जगह बनायी। थांगलालसोन गंगटे (51%, 59%) ने दूसरे हाफ में भारत के दोनों गोल जमाये, जबकि बंगलादेश का एकलौता गोल मिराजुल इस्लाम (61%) ने किया। दोनों टीमों ने पहले हाफ में एक-दूसरे को टक्कर देते हुए कई मौके बनाये, जो अंत में बेकार गये। गंगटे ने 51वें मिनट में मैच का पहला गोल करके भारत को 1-0 की बढ़त दिलायी। सात मिनट बाद उन्होंने एक और गोल जमाकर भारत की बढ़त को दोगुना किया। मिराजुल इस्लाम ने बंगलादेश को मैच में वापस लाने के प्रयास में 61वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। इस गोल ने बंगलादेश क प्रोत्साहित किया और उन्होंने मैच को बराबरी लाने के कई प्रयास किये, हालांकि वह स्कोरर कोई कष्ट देने में नाकाम रहे और मैच 2-1 पर समाप्त हुआ। भारत ने इस जीत के साथ फाइनल में जगह बना ली है जहां उसका मुकाबला नेपाल या श्रीलंका में से किसी एक से होगा। सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप का फाइनल बुधवार, 14 को खेला जाएगा।

राजपक्षे ने एशिया कप फाइनल की पारी को सर्वश्रेष्ठ बताया

दुबई। एशिया कप 2022 फाइनल में श्रीलंका की जीत के नायक भानुका राजपक्षे ने कहा है कि पाकिस्तान के खिलाफ खेली गयी पारी उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक है। पाकिस्तान के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 58 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे, लेकिन राजपक्षे टीम के लिये संकटमोचक बनकर उभरे और 45 गेंदों पर छह चौकों के साथ तीन छक्के जड़कर 71 रन की नाबाद पारी खेली। राजपक्षे ने वानिंदू हसरंगा के साथ 58 रन और चमिका करुणारत्ने के साथ 54 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 170 रन के स्कोर तक पहुंचाया। श्रीलंका ने राजपक्षे की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत आखिरी पांच ओवर में 53 रन जोड़े जो आगे चलकर निर्णायक साबित हुए। राजपक्षे ने कहा, यह बेशक एक शानदार पल है। यह मेरी बहुत कम समय में खेली गई सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक है। हम दुनिया को दिखाना चाहते थे कि दो दशक पहले हमारी टीम में जो आक्रामकता थी वह आज भी बरकरार है। हमने एक टीम के रूप में यह काम बखूबी निभाया हैं। अब हम (टी20) विश्व कप की तैयारी कर रहे हैं और इस लय को बरकरार रखना चाहते हैं।

राष्ट्रीय खेल : उद्घाटन समारोह से पहले आयोजित होगी टेबल टेनिस प्रतियोगिता

गांधीनगर। गुजरात में होने वाले राष्ट्रीय खेलों की आयोजक समिति ने 30 सितंबर से शुरू हो रही विश्व चैंपियनशिप को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया है कि राष्ट्रीय खेलों की टेबल टेनिस प्रतियोगिता 29 सितंबर को होने वाले उद्घाटन समारोह से पहले आयोजित की जाएगी। आयोजकों ने रविवार को जारी विज्ञप्ति में कहा, चीन के चेंगदू में विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप 30 सितंबर को शुरू हो रही है, इसलिए राष्ट्रीय खेल आयोजन समिति ने सूरत में 20 से 24 सितंबर तक टेबल टेनिस प्रतियोगिता आयोजित करने का फैसला किया। इस फैसले की बदौलत मनिका बत्रा, साथियान ज्ञानसेकरन और अचंता शरत कमल जैसे सितारे राष्ट्रीय खेलों में 20 सितंबर से नजर आयेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया कि बहुप्रतीक्षित 36वें राष्ट्रीय खेल 29 सितंबर को उद्घाटन समारोह के साथ शुरू होंगे। देश के 28 राज्यों और आठ केंद्रशासित प्रदेशों से 7000 से ज्यादा एथलीट अपने-अपने राज्यों का परचम लहराने के लिये खेलों में हिस्सा लेंगे।कबड्डी (26 सितंबर), नेटबॉल (26 सितंबर), लॉन बाउल्स और रग्बी (दोनों 28 सितंबर) भी उद्घाटन समारोह से पहले शुरू होंगे। पारंपरिक भारतीय खेल खो-खो, योगासन और मल्लखंब इस साल राष्ट्रीय खेलों में पदार्पण करेंगे।

जूनियर विश्व चैंपियनशिप में उन्नति, अनुपमा करेंगी भारत की अगुवाई

एजेंसी

नयी दिल्ली। हाल ही में शीर्ष जूनियर विश्व रैंकिंग हासिल करने वाली अनुपमा उपाध्याय और ओडिशा ओपन सुपर 100 की चैंपियन उन्नति हुड्डा बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगी।

यह शीर्ष आयोजन कोरोना महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद 17-30 अक्टूबर तक स्पेन के सेंटेंडर में आयोजित किया जाएगा।

भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने सोमवार को जारी विज्ञप्ति में कहा कि विश्व जूनियर चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम चयन प्रक्रिया के बाद निर्धारित की गयी है, जिसमें दो अखिल भारतीय रैंकिंग टूर्नामेंट और रायपुर में आयोजित एक चयन परीक्षण शामिल था।

हुड्डा ने लड़कियों के एकल ट्रायल में पहला स्थान हासिल किया था जबकि एस रक्षिता श्री और उपाध्याय क्रमश: दूसरे एवं तीसरे स्थान पर रही थीं।

गोवा और पंचकुला में अखिल भारतीय रैंकिंग खिताब जीतने वाले भरत राघव और पूर्व जूनियर विश्व नंबर एक शंकर मुथुसामी लड़कों के एकल वर्ग में भारत का सर्वश्रेष्ठ दांव होंगे।

भारत ने अब तक प्रतियोगिता में एक स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य पदक जीते हैं।

राष्ट्रमंडल खेल 2022 के गोल्ड मेडलिस्ट लक्ष्य सेन ने 2018 में लड़कों का एकल कांस्य जीतकर भारत को आखिरी जूनियर बैडमिंटन पदक दिलाया था।

बीएआई के सचिव संजय मिश्रा ने कहा, जूनियर विश्व चैंपियनशिप लंबे अंतराल के बाद हो रही है और नये खिलाड़ियों के उभरने के साथ टीम का चयन व्यापक चयन ट्रायल के बाद किया गया है।

उन्होंने कहा, हमें विश्वास है कि हम मिश्रित टीम चैंपियनशिप और व्यक्तिगत स्पर्धाओं में पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे।

प्रतियोगिता की शुरुआत मिश्रित टीम स्पर्धा से होगी। टाई का फैसला करने के लिए पुरुष और महिला एकल, पुरुष और महिला युगल और मिश्रित युगल सहित पांच मुकाबले खेले जाएंगे।

भारत पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल वर्ग में भी दो-दो युगल जोड़े उतारेगा।

अर्श मोहम्मद और अभिनव ठाकुर के नये संयोजन के साथ निकोलस नाथन राज और तुषार सुवीर पुरुष युगल की जिम्मेदारी संभालेंगे।

महिला युगल में, अखिल भारतीय रैंकिंग मीट गोवा की विजेता इशरानी बरुआ और देविका सिहाग, तमिलनाडु की श्रेया बालाजी और श्रीनिधि एन के साथ शामिल होंगी, जिन्होंने हाल ही में दक्षिण क्षेत्र अंडर-19 मिश्रित टीम का खिताब जीतने में अपने राज्य की मदद की थी।

भारत की टीम:

लड़कों के एकल : भरत राघव, शंकर मुथुसामी एस, आयुष शेट्टी

बालिका एकल : उन्नति हुड्डा, रक्षिता श्री एस, अनुपमा उपाध्याय

बालक युगल : अर्श मोहम्मद/अभिनव ठाकुर, निकोलस नाथन राज/तुषार सुवीर

बालिका युगल : इशरानी बरुआ/देविका सिहाग, श्रेया बालाजी/श्रीनिधि एन.

मिश्रित युगल : समरवीर/राधिका शर्मा, विघ्नेश थथिनेनी/श्री साई श्रव्य लक्कमराजू

रिजवान के बचाव में उतरे सकलैन मुश्ताक

एजेंसी

दुबई। पाकिस्तान के मुख्य कोच सकलैन मुश्ताक ने श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप 2022 में पाकिस्तान की हार के बाद सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान का बचाव करते हुए कहा है कि हर खिलाड़ी का अपना तरीका होता है और उनका अंदाज बुरा नहीं है।

फाइनल में 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रिजवान ने 49 गेंदों पर 55 रन की पारी खेली थी, जिसके लिये उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। जब रिजवान वानिंदू हसरंगा की गेंद पर आउट हुए तब पाकिस्तान को 23 गेंदों पर 61 रन की आवश्यकता थी, जो निचले क्रम के बल्लेबाजों के लिये अप्राप्य साबित हुआ और पाकिस्तान 23 रन से हार गयी।

सकलैन ने रविवार को मैच के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, हर टीम और खिलाड़ी का अपना तौर-तरीका होता है। हम अपने खेलने के तरीके से ही पिछले साल टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल और यहां एशिया कप के फाइनल तक पहुंचे। हम कुछ सही कर रहे हैं इसलिये यहां तक पहुंचे। जरूरी नहीं है कि हम भी वही करें जो बाकी दुनिया कर रही है। हम दूसरों के तरीके को देखने के बजाय उन छोटी चीजों पर ध्यान देंगे जो हम सही नहीं कर रहे।

सकलैन ने बाबर का भी समर्थन किया और कहा कि वह टूर्नामेंट में दुर्भाग्यशाली रहे। बाबर ने एशिया कप की छह पारियों सिर्फ 68 रन बनाये और वह केवल एक बार 10 रन के आंकड़े को पार कर सके।

सकलैन ने कहा, मैंने यह पहले भी कहा था, अगर कोई उनकी बल्लेबाजी को देखे तो यही कहेगा कि वह दुर्भाग्यशाली रहा है। यह सिर्फ एक दौर है।

अगर आप रैंकिंग देखेंगे तो वह टी20 और एकदिवसीय क्रिकेट में शीर्ष पर है। यह सिर्फ दुर्भाग्य है। वह जिस तरह प्रशिक्षण कर रहे हैं और खेल रहे हैं वह शानदार है। मुझे और कुछ कहने की जरूरत नहीं।

हम विश्वस्त हैं, पर संतुष्ट नहीं : कोच छेत्री

काठमांडू। भारतीय महिला फुटबॉल टीम के कोच सुरेन छेत्री ने सैफ महिला चैंपियनशिप में बंगलादेश के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मुकाबले से पहले कहा है कि टीम पिछले मुकाबलों में जीत के बाद विश्वस्त है, लेकिन बेपरवाह नहीं है।

भारत ने दक्षिण एशिया फुटबॉल महासंघ (सैफ) महिला चैंपियनशिप 2022 के पहले दो मुकाबलों में पाकिस्तान (3-0) और मालदीव (9-0) को वर्चस्व के साथ हराया था, और ग्रुप स्टेज के आखिरी मैच में उसका सामना बंगलादेश से होगा।

कोच छेत्री ने सोमवार को कहा, बड़े अंतर से जीतना हमेशा आत्मविश्वास देता है, लेकिन हमें संतुष्ट नहीं होना चाहिए। इसके बजाय, हम उसी जीतने वाली मानसिकता के साथ अगले मैच की प्रतीक्षा कर रहे हैं, ताकी शीर्ष स्थान पर ग्रुप स्टेज को समाप्त करें।

उन्होंने कहा, मालदीव मैच अब गुजरा हुआ कल है। हमने अपना ध्यान बांग्लादेश पर केंद्रित कर दिया है। मुझे उम्मीद है कि पिछले मुकाबले की तरह, लड़कियां एक टीम के रूप में खेलेंगी और काम पर ध्यान केंद्रित करेंगी।

पिछली बार जब भारत 2019 में सैफ महिला चैंपियनशिप सेमीफाइनल में बंगलादेश से मिला था, तो ब्लू टाइग्रेस 4-0 से विजयी रही थीं।

छेत्री ने कहा, बंगलादेश एक मजबूत टीम है, और उसने पाकिस्तान और मालदीव के खिलाफ अच्छा फुटबॉल खेला है। हम एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में उनका सम्मान करते हैं, और आक्रामक मानसिकता के साथ उतरेंगे। दोनों टीमें एक-दूसरे को काफी अच्छी तरह से जानती हैं क्योंकि वे हाल के दिनों में एक-दूसरे के खिलाफ खेली हैं। इसलिए, दोनों एक दूसरे की ताकत और कमजोरियों से अवगत हैं। हमें सकारात्मक रहने की जरूरत है।

भारतीय महिलायें पहले ही सेमीफाइनल में जगह बनाने के बाद मंगलवार को सैफ महिला चैम्पियनशिप 2022 के अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में बांग्लादेश से भिड़ेंगी। यह मैच भारतीय समयानुसार शाम 5.15 बजे शुरू होगा।

जेसविन एल्ड्रिन ने जीता गोल्डन फ्लाई सीरीज़

शान (लिख्टेंस्टाइन)। भारत के लंबी कूद एथलीट जेसविन एल्ड्रिन ने गोल्डन फ्लाई सीरीज़ लिख्टेंस्टाइन एथलेटिक्स मीट में 8.12 मीटर की छलांग लगाकर विजय हासिल की।

एल्ड्रिन रविवार को आयोजित प्रतियोगिता में आठ मीटर से अधिक की छलांग लगाने वाले एकमात्र एथलीट थे। अप्रैल के बाद से यह उनका पहला प्रदर्शन है जब उन्होंने 8 मीटर का आंकड़ा पार किया।

चेक गणराज्य के राडेक जुस्का ने 7.70 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ छलांग दर्ज करके दूसरे स्थान हासिल किया, जबकि नॉर्वे के हेनरिक फ्लैटनेस 7.66 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

भारत के दूसरे खिलाड़ी प्रवीण चित्रावेल चार खिलाड़ियों की प्रतियोगिता में 7.58 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ अंतिम स्थान पर रहे।

20 वर्षीय एल्ड्रिन ने अप्रैल में 8.37 मीटर की छलांग के साथ न सिर्फ राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक मुरली श्रीशंकर को मात देते हुए फेडरेशन कप अपने नाम किया था, बल्कि विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई भी कर लिया था। इसके बाद हालांकि उनके प्रदर्शन में गिरावट आने के कारण उन्हें विश्व स्क्वॉड से बाहर कर दिया गया था।

एल्ड्रिन को जुलाई में दो चयन ट्रायल से गुजरना पड़ा जहां वह आठ मीटर के निशान तक तो नहीं पहुंच सके, लेकिन 7.99 मीटर और 7.93 मीटर की छलांगों की बदौलत विश्व चैंपियनशिप में पहुंच गये।

हमारे यहां तो खाने की भी किल्लत हो गई है... पाक पीएम शहबाज शरीफ ने तुर्की से की मदद की गुहार

एजेंसी

नई दिल्ली। बाढ़ के संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में खाने तक की किल्लत हो गई है। सिंध, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा जैसे प्रांतों का बड़ा हिस्सा बाढ़ के चलते डूब गया है और पानी निकलने में 3 से 6 महीने का वक्त लग सकता है। इस बाढ़ की वजह से उपजाऊ भूमि का बड़ा हिस्सा भी डूबा है, जिससे खाद्यान्न की पैदावार में भी दिक्कत आ सकती है।

फिलहाल अथॉरिटिज की ओर से लोगों को खाने, टेंट और अन्य चीजें दी जा रही हैं। लेकिन यह भी कम पड़ रहा है और पाकिस्तान ने दुनिया भर के देशों और संयुक्त राष्ट्र से मदद की मांग की है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने रविवार रात को तुर्की के राष्ट्रपति रिचेप तैयप अर्दोआन से बातचीत की।

उन्होंने इस दौरान तुर्की के राष्ट्रपति को मदद के लिए शुक्रिया अदा करते हुए

कहा कि आपके चलते हम खाद्यान्न संकट से उबर पाए हैं। उन्होंने कहा कि तुर्की ने खाना, टेंट और मेडिसिन 12 मिलिट्री एयरक्राफ्ट्स से भेजी हैं। इसके अलावा 4 ट्रेनों और ट्रकों के जरिए भी सामान भेजा गया है। इंटरनेशनल रेस्क्यू कमिटी ने कहा कि बाढ़ की वजह से पूरे पाकिस्तान में 3.6 मिलियन एकड़ में बोई गई फसल बर्बाद हो चुकी है। पाकिस्तान सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक शहबाज शरीफ ने अर्दोआन को बताया कि बचाव अभियान कैसा चल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने तुर्की से मांग की कि खाद्यान्न संकट से निपटने में मदद की जाए। पाकिस्तान में बाढ़ के चलते 6 लाख 60 हजार महिलाएं और बच्चे बेघर हो गए हैं, जिन्हें रिलीफ कैंपों में रखा गया है। पाकिस्तान में फिलहाल मिलिट्री, यूएन एजेंसियां और लोकल अथॉरिटीज की ओर से मदद मुहैया कराई जा रही है। पाकिस्तान मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर रहता है और कई बार अफगानिस्तान समेत कुछ अन्य देशों को एक्सपोर्ट भी करता है। अब वह खुद दूसरे देशों से गेहूं और सब्जियों के आयात के लिए बात कर रहा है। पाकिस्तान में अभी से ही सब्जियों और खाद्यान्न की कीमतें बढ़ने लगी हैं। आने वाले दिनों में इस संकट में और इजाफा हो सकता है।

बता दें कि बीते सप्ताह ही पाकिस्तान की सरकार ने बताया था कि देश का एक तिहाई हिस्सा बाढ़ में डूबा हुआ है। सिंध और पूर्वी पंजाब के बड़े हिस्से में बाढ़ के चलते खेती भी प्रभावित हुई है। यही इलाके पाकिस्तान के फूड बास्केट के तौर पर जाने जाते हैं। ऐसे में यहां बाढ़ ने विपरीत हालात पैदा कर दिए हैं। अनुमान है कि पाकिस्तान में बाढ़ के चलते 10 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। हालांकि अथॉरिटीज का कहना है कि यह तो शुरुआती अनुमान है। नुकसान इससे कहीं ज्यादा का हो सकता है। इसी के चलते पाकिस्तान और यूएन ने दुनिया भर के देशों से मदद की अपील की है।

दोराईस्वामी ने ब्रिटेन जाने से पहले महमूद से की मुलाकात

ढाका। बंगलादेश में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने सोमवार को ढाका छोड़ने से पहले सूचना एवं प्रसारण मंत्री हसन महमूद से उनके सचिवालय कार्यालय में मुलाकात की। दोराईस्वामी ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त के रुप में कार्यभार संभालने के लिए जल्द ही ढाका छोड़ने वाले है। वरिष्ठ विदेश सेवा अधिकारी प्रणय कुमार वर्मा श्री दोराईस्वामी का स्थान लेंगे। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए श्री दोराईस्वामी ने दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 काल के दौरान भी दोनों देशों के बीच सहयोग उच्च स्तर पर बना रहा। उन्होंने कहा कि बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की जीवनी पर श्याम बेनेगल द्वारा निर्देशित 'मुजीब: द मैकिंग ऑफ ए नेशन' तैयार है और इस जल्द ही दोनों देशों की सरकारों द्वारा तय किए गए समय रिलीज किया जायेगा।

पाकिस्तान के शहरों से बाढ़ का पानी हटने में लग सकते हैं 6 महीने, 3 करोड़ बेघर

नई दिल्ली। पाकिस्तान भीषण जल त्रासदी की मार झेल रहा है। वहां बाढ़ से हाहाकार मचा हुआ है। चारों तरफ पानी-पानी दिख रहा है। लोग खाने-पीने को तरस रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी कहना है कि पाकिस्तान में हेल्थ सिस्टम धराशायी हो चुका है। इसी बीच पाकिस्तान सरकार ने बताया है कि किस प्रकार पानी तांडव मचा रहा है और यह भी कहा कि शहरों से बाढ़ का पानी हटने में कम से कम 6 महीने लग सकते हैं। वहीं इस बाढ़ से पाकिस्तान में करीब तीन करोड़ लोग बेघर हुए हैं।

सिंध अब तक सबसे ज्यादा प्रभावित प्रांत

दरअसल, डॉन की एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के सिंध प्रांत के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने रविवार को कहा कि प्रांत के बाढ़ प्रभावित इलाकों से पानी निकालने में तीन से छह महीने का समय लगेगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारियों ने बाढ़ के पानी को रोकने के लिए संघर्ष जारी रखा है। बाढ़ से सिंध अब तक सबसे ज्यादा प्रभावित प्रांत है, जहां सबसे ज्यादा मौतें सामने आई हैं। देश भर में हुई 1396 मौतों में से सिंध में अकेले 578 मौत हुई है।

जलवायु परिवर्तन से मिलकर लड़ने की वकालत

एनडीएमए के हालिया अपडेट के अनुसार सिंध में घायलों की संख्या 8321 है, जबकि पूरे देश में कुल 12728 लोग घायल हुए हैं। कराची में मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य की मौजूदा स्थिति और विनाशकारी बाढ़ से हुए नुकसान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए पूरी दुनिया को एक साथ आना होगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने भी पाकिस्तान की मदद करने के लिए दुनिया का आह्वान किया है।

करीब 35 मिलियन लोग विस्थापित हुए

उन्होंने कहा कि लगभग 35 मिलियन लोग विस्थापित हुए हैं, जबकि लाखों एकड़ उपजाऊ भूमि बाढ़ के चलते प्रभावित हुई है। उन्होंने आगे कहा कि सिंध में किसानों को लगभग साढ़े तीन अरब रुपये का नुकसान हुआ है जबकि पशुधन क्षेत्र को 50 अरब रुपये का नुकसान हुआ है। कुछ इलाकों में कम से कम आठ से 10 फीट पानी है। यहां तक कि उन जगहों पर भी जहां बारिश कम हो रही है।

श्रीलंका में 60 लाख से ज्यादा लोग खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं

कोलंबो। श्रीलंका में साठ लाख बीस हजार से ज्यादा लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे है और जब तक सामजिक सहायता और आजीविका सहायता तंत्र द्वारा समस्या का समाधान नहीं किया जाता है स्थिति के और खराब होने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। एफएओ और डब्ल्यूएफपी ने अपने संयुक्त रिपोर्ट में कहा कि श्रीलंका की 28 प्रतिशत आबादी तीव्र खाद्य असुरक्षित और 66,000 लोगों को गंभीर रुप से खाद्य असुरक्षित होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि देश में खाद्य सुरक्षा आयातित वस्तुओं की कमी , बढ़ी हुई कीमतों और आजीविका में व्यवधान और फसल उत्पादन में कमी के कारण हो सकती है।रिपोर्ट के अनुसार संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि श्रीलंका में अक्टूबर 2022 से फरवरी 2023 तक कमजोर मौसम के दौरान स्थिति और खराब हो सकती है।

फिलीपीन्स में ग्रेनेड फटने से सात लोग घायल

मनीला 12 सितंबर (वार्ता/स्पूतनिक) फिलीपीन्स के कोटाबेटो शहर में रविवार रात एक रेस्तरां में ग्रेनेड फटने से सात लोग घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। फिलीपीन के अखबार इनक्वायर ने स्थानीय पुलिस के हवाले से बताया कि विस्फोट शाम को हुआ जब लोग रेस्तरां में भोजन कर रहे थे। अखबार ने पुलिस के हवाले से कहा कि हम अब तक अपराध के कारणों की जांच कर रहे है। हम सीसीटीवी की समीक्षा कर रहे है लेकिन शुरुआत में यह रेस्टोबार के ग्राहकों में झगड़ा लगा था। अखबार ने कहा कि किसी ने इस विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है। पुलिस को घटनास्थल से एमके2 हैंड ग्रेनेड के टुकड़े मिले हैं।

पाकिस्तान सरकार ने बाढ़ राहत सहायता का डिजिटलीकरण किया

इस्लामाबाद 12 सितंबर (वार्ता) पाकिस्तान सरकार बाढ़ राहत सहायता और वितरण गतिविधि में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अब डिजिटल फ्लड डैशबोर्ड की सहायता लेगी। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला निर्णय लिया गया। इससे आम जनता को वित्तीय सहायता और बाढ़ पीड़ितों को मिलने वाली और वितरित किए जा रही राहत सामग्री के बारे में जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। बैठक में बताया गया कि राहत गतिविधियों , वस्तुओं की प्राप्ति और वितरण तथा सहायता के बारे में सभी विवरण प्रदान करने के लिए नवीनतम तकनीक का उपयोग करके डैशबोर्ड बनाया गया है। इसके अलावा आम जनता एवं मीडिया को भी राहत उपायों की जानकारी दी जाएगी। श्री शरीफ ने यह भी घोषणा की कि बाढ़ पीड़ितों के लिए प्राप्त वित्तीय सहायता का ऑडिट महालेखाकार पाकिस्तान राजस्व (एजीपीआर) और दुनिया की प्रतिष्ठित ऑडिट फर्मों द्वारा पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा।

बंगलादेश विश्व शांति को कायम रखेगा: हसीना

ढ़ाका। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार को कहा है कि बंगलादेश विश्व शांति को कायम रखने में हमेशा मदद करेगा। हसीना ने कहा कि यह हमारी संवैधानिक जिम्मेदारी है कि बंगलादेश हमेशा विश्व शांति को बनाए रखने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सेना संयुक्त राष्ट्र के तहत वैश्विक शांति अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। हमारा उद्देश्य इसे कायम रखना है। प्रधानमंत्री 46वें हिंद-प्रशांत सैन्य प्रबंधन सेमीनार (आईपीएएमएस) के उद्घाटन समारोह को मुख्य अतिथि के रुप में संबोधित कर रही थी। हसीना समारोह में अपने आधिकारिक निवास से आभासी रुप से शामिल हुई थी। बंगलादेश सेना इस अन्तरराष्ट्रीय सेमीनार में अमेरिका के साथ 27 देशों को शामिल करते हुए इसकी सह मेजबानी कर रही है। उन्होंने कहा कि बंगलादेश सेना संयुक्त राष्ट्र अभियानों और विश्व में शांति के लिए कई भी अपनी सेवाएं देने के लिए हमेशा तैयार है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग-अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, ऐंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा-चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेंडिंग लगेगी।

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

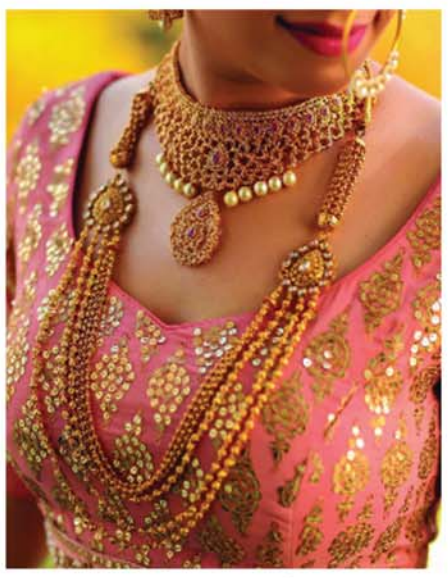

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धों लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता हैं कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही ड्रेस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी-

छोटी हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी-नेक वाली शर्ट, टी-शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

ट्रेंडी हैं को-ऑर्ड्स इस समर शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

गर्मियों में कम्फर्टेबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को-ऑर्ड्स ट्राई करें। ये आउटफिट गर्मियों के लिए फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। गर्मी के मौसम में को-ऑर्ड्स फैशन जबरदस्त ट्रेंड में है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, गर्मियों के हिसाब से कम्फर्टेबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू-पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरूरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है।

ये टीके हैं बेहद जरूरी

- गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।
- डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।
- पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।
- बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है।
- हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस-बी और एच इन्फलांजी-बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

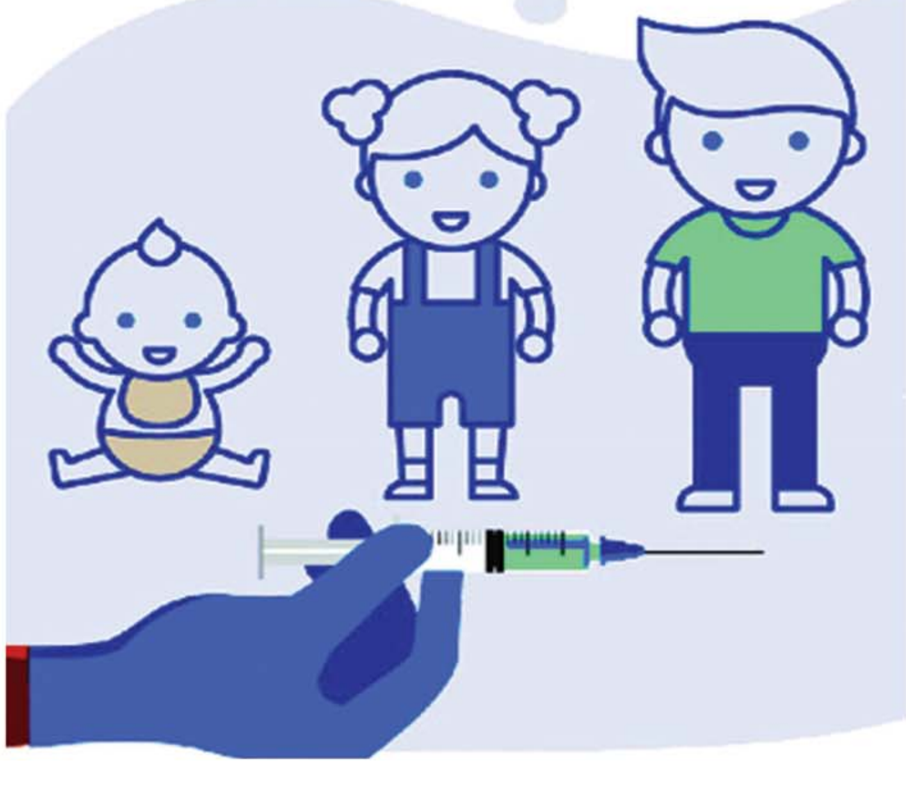

बच्चों से लालच देकर कोई काम न कराएं

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं।

इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।